फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 228 प्रभात जयपुर, सोमवार 23 मार्च, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBIT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

"He Invented And They Made The Money"

The house sits perched on a hill above the sea, with cream trim, blue shutters and a manicured garden. "It's a place of memory, where 470 slaves died, not from gunshots but exhaustion."

New Bizarre

Did People in Medieval Times Really Bathe Only Once a Year?

मांडवा थानाधिकारी आठ लाख रूपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 22 मार्च। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना मांडवा के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भल्लाराम पटेल को 8 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मांडवा थाने के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भालाराम ने एनडीपीएस एक्ट केस में चार लोगों को आरोपी नहीं बनाने की एवज में रिश्वत मांगी थी।

- थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री व कांस्टेबल भल्लाराम ने एनडीपीएस एक्ट केस में चार लोगों को आरोपी नहीं बनाने के लिए रिश्वत मांगी थी।

एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि गोपनीय शिकायत में आरोप था कि परिवादियों को एक प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने तेल, गैस, फर्टिलाइज़र की सप्लाई पर आपात बैठक बुलाई

मिडिल ईस्ट युद्ध संकट के बीच देश में ईंधन व बिजली की निर्बाध-आपूर्ति पर गहन चिंतन हुआ

नई दिल्ली, 22 मार्च। मिडिल ईस्ट में गहराते युद्ध के संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बड़ी इमरजेंसी बैठक बुलाई। पीएम आवास पर करीब साढ़े तीन घंटे चली इस हाई-लैवल मीटिंग में सीनियर कैबिनेट मंत्रियों के साथ कच्चे तेल, गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई चेन की समीक्षा की गई। सरकार का मुख्य फोकस युद्ध के बीच देश में ईंधन और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस उच्च स्तरीय बैठक में गृह मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री सहित कई वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

- प्रधानमंत्री आवास पर हुई साढ़े तीन घंटे की उच्चस्तरीय बैठक में 13 कैबिनेट मंत्री, एनएसए अजित डोभाल तथा प्रधानमंत्री के दो प्रिंसिपल सैक्रेटरी शामिल हुए।

पीएम हाउस पर हुई इस मीटिंग में 13 कैबिनेट मंत्री भी मौजूद थे। इसमें गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, प्रह्लाद जोशी, अश्विनी वैष्णव, के राम मोहन नायडू, जे पी नड्डा, सर्वानंद सोनोवाल, मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान शामिल थे। इसके अलावा बैठक में एनएसए अजीत डोभाल और पीएम के दोनों प्रिंसिपल सेक्रेटरी भी मौजूद थे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया के कई नेताओं से बात की है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

ईरान ने रविवार को इज़रायल पर 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

तेहरान, 22 मार्च। ईरान ने रविवार सुबह इज़रायल पर चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं इज़रायली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के मुताबिक, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

इससे पहले शनिवार रात ईरान ने इज़रायल के डिमोना और अराद शहरों पर भी हमला किया था। डिमोना में इज़रायल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट स्थित है।

ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा था, अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी।

- इज़रायल के विदेश मंत्रालय ने इस हमले में 300 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ईरान से शांति वार्ता के लिए अमेरिका मध्यस्थ की तलाश में

प.एशिया में हमले तेज हो रहे हैं, पर वार्ता के लिए रास्ते व माध्यम पर भी विचार चल रहा है

तेहरान, 22 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 23 दिनों से जारी जंग के बीच अब एक बड़ा मोड़ आता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जहां एक तरफ सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी टीम ने ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता की तैयारी भी शुरू कर दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को खुद संकेत दिया था कि वह जंग को 'धीरे-धीरे खत्म' करने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि अभी 2 से 3 हफ्ते और लड़ाई जारी रह सकती है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच वॉशिंगटन अब डिप्लोमेसी का रास्ता भी तैयार कर रहा है।

ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और सलाहकार स्टीव विटकॉफ इस संभावित बातचीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं। हालांकि अभी अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत नहीं हुई है, लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान जारी है।

- अमेरिका ने पहले मध्यस्थता के लिए ओमान का नाम आगे बढ़ाया था, पर अब वह कतर को आगे लाना चाहता है। कतर पर्दे के पीछे तो मदद करने को तैयार है, पर, फिलहाल सामने आकर भूमिका निभाने से हिचक रहा है।
- चर्चा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर और सलाहकार स्टीव विटकॉफ संभावित बातचीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं। अभी तक अमेरिका व ईरान में मिस्र, कतर, व ब्रिटेन के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ ह

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसने बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं।हालांकि, ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले।

दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तान में लश्कर के कमांडर बिलाल की परिजनों ने हत्या की

शनिवार को ईद की नमाज़ के बाद परिवार के सदस्यों ने बिलाल को चाकू और गोली से मारा

इस्लामाबाद, 22 मार्च। पाकिस्तान से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की उसके ही परिवार के सदस्यों ने हत्या कर दी।

यह घटना शनिवार को ईद की नमाज के बाद लाहौर के पास मुरीदके में हुई। रिपोर्टों के अनुसार, बिलाल पर पहले चाकू से हमला किया गया और फिर उसे गोली मार दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हत्या के पीछे का मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। वारदात मुरीदके में लश्कर के ध्वस्त मुख्यालय के पास हुई, जिस पर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमला किया था।

- हत्या के पीछे मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। बिलाल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। युवाओं की भर्ती, वैचारिक प्रशिक्षण, धन जुटाने व हथियारों की खरीद में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

पुलिस ने इस मामले में संलिप्त परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इंटरनेट मीडिया पर कुछ वीडियो भी बहु-प्रसारित हुए हैं जिनमें बिलाल का शव जमीन पर पड़ा दिखाई दे रहा है, हालांकि उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बिलाल आरिफ सराफी साल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था।वह मुरीदके केंद्र में युवाओं की भर्ती करने और उन्हें वैचारिक प्रशिक्षण (ब्रेनवाश करने) देने का मुख्य जिम्मा संभालता था।

इसके अलावा, वह संगठन के लिए धन जुटाने और हथियारों की खरीद-फरोख्त में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। बिलाल अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ तैयबा कालोनी में रहता था। विशेष रूप से, वह भारत में किसी मामले में वांछित नहीं था।

केसी त्यागी राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हुए

नई दिल्ली, 22 मार्च। जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया। केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई

- जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे त्यागी को जयंत चौधरी ने औपचारिक रूप से पार्टी का सदस्य बनाया।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2021 की धांधली में कोर्ट के फैसले का बेसब्री से इंतजार

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय का आर.पी.एस.सी. का एक और बड़ा घपला कोर्ट के समक्ष उजागर हुआ

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में सहायक प्रोफेसर (स्किन एवं वीडी) की नियुक्ति के मामले पर सोमवार को सुनवाई होनी है। इस मामले में आर.पी.एस.सी. तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अपील दायर की गई है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष इस प्रकरण की पहली सुनवाई होगी।

यह मामला रोचक इसलिए है, क्योंकि हाईकोर्ट में जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने आर.पी.एस.सी. की भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली का विस्तृत ब्यौरा उजागर किया है। इन भारी अनियमितत्ताओं का निष्कर्ष अदालत ने आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रस्तुत किए गए परीक्षा रिकॉर्ड के अध्ययन के बाद निकाला है।

- हाईकोर्ट की एकलपीठ ने इस भर्ती को लेकर आर.पी.एस.सी. से तलब किए गए रिकॉर्ड का आंकलन किया तो पाया कि, एक्सपर्ट पैनल में विशेषज्ञ डॉक्टर इंटरव्यू में केवल मौजूद थे, लेकिन अभ्यर्थियों को अंक देने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। पैनल ने किस अभ्यर्थी को कितने अंक देने की सिफारिश की, इसका भी कहीं उल्लेख नहीं था।
- इस मामले की आर.पी.एस.सी. और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा की गई अपील की पहली सुनवाई आज है।
- हैरानी की बात है कि वर्ष 2022 में राज्य कैबिनेट ने भर्ती परीक्षाओं के इंटरव्यू में अधिकतम 10 प्रतिशत अंक देने का निर्णय लिया था, परंतु आर.पी.एस.सी. सदस्य मनमाने ढंग से अभ्यर्थियों को अंक बांटते रहे।

इस मामले में डॉ. रचिता माथुर द्वारा वर्ष 2024 में हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि आर.पी.एस.सी. ने नवंबर-2021 में सहायक प्रोफेसर के 337 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इनमें कुछ पद सुपर स्पेशलिटी की डॉक्टरी से संबंधित थे, जबकि कुछ पद "ब्रॉड स्पेशलिटी" के थे। आर.पी.एस.सी. ने अपनी भर्ती विज्ञप्ति में अंकित किया था कि "अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। यदि विज्ञापन के आधार पर प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या अधिक होगी तो आयोग द्वारा संवीक्षा (स्क्रीनिंग) परीक्षा आयोजित करके अभ्यर्थियों की संख्या यथोचित सीमा तक कम कर सकती है।"

इस मामले में विवाद तब खड़ा हुआ, जब कुछ अभ्यर्थी वर्ष 2022 में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने 8931 दिन सरकार का मुखिया रहने का कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली, 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार 8,931 दिनों तक सरकार के मुखिया के रूप में सेवा का नया कीर्तिमान रच दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के इसी तरह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

- रविवार को उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 8931 दिन पूरे किए।

पवन कुमार चामलिंग ने 8,930 दिनों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो लंबे समय तक निरंतर सार्वजनिक सेवा की भावना और नेतृत्व को दर्शाती है।

अमित शाह, राजनाथ सिंह और रेखा गुप्ता सहित भाजपा के दिग्गज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जब से युद्ध शुरु हुआ है, ट्रंप सात बार यह घोषणा कर चुके हैं कि अमेरिका युद्ध जीत गया है

लगातार डींग मारने की प्रवृत्ति के कारण ट्रंप की विश्वसनीयता काफी संदिग्ध मानी जाती है, ईरान युद्ध के बारे में

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। ईरान ने हाल ही में बड़े स्तर पर हमले किए और इन हमलों की पहुंच व आर्थिक प्रभाव के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मजबूरन यह संकेत दे रहे हैं कि वॉशिंगटन युद्ध को "कम" कर सकता है। ज्ञातव्य है कि हाल ही में ईरान ने एफ-35 लड़ाकू विमानों व ब्रिटेन-अमेरिकी सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर हमला किया है।

तेल की बढ़ती कीमतें और हालिया जनमत सर्वेक्षणों में गिरती लोकप्रियता ने ट्रंप को परेशान कर दिया है। उनकी निराशा इस बात से भी बढ़ी है कि अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी ईरान के खिलाफ ट्रंप के युद्ध का समर्थन नहीं कर रहे हैं।

पिछले 21 दिनों में युद्ध की लागत लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ट्रंप प्रशासन की चिंता का एक और कारण है। वाइट हाउस ने ईरान युद्ध के लिए अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की मांग की है।

यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के विशेषज्ञों का मानना है कि वॉशिंगटन वास्तव में इज़रायल का युद्ध लड़ रहा है, जिससे ट्रंप की हताशा और बढ़ गई है।

खबर आई है कि ईरान ने दुनिया के सबसे उन्नत स्टील्थ फाइटर विमानों में से एक अमेरिकी एफ-35 विमान को निशाना बनाया और क्षतिग्रस्त किया है और हाल ही में शनिवार को आई रिपोर्टों में कहा गया कि ईरान ने 4,000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया, जिससे कई लोग स्तब्ध हो गए।

ईरान द्वारा डिएगो गार्सिया की ओर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने की खबर इस संघर्ष के और विस्तार व व्यापकता का संकेत देती है, जिससे दूरी, रणनीतिक संकेत और भूगोल का महत्व बढ़ गया है।

- पर, फिर इस बार कुछ सच्चाई नज़र आ रही है, ट्रंप के इस कथन में कि अब अमेरिका-ईरान युद्ध की तीव्रता कम करना चाहता है।
- नवीनतम रायशुमारी में, ट्रंप की लगातार गिरावट तथा अमेरिका में पेट्रोल पम्प पर, पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें बढ़ने तथा उसके परम्परागत मित्र देशों द्वारा ट्रंप के ईरान युद्ध को समर्थन नहीं देने से, ट्रंप अभी काफी कुण्ठित हैं। अतः ट्रंप के इस संकेत में, कि अमेरिका, ईरान युद्ध की "तीव्रता" कम करना चाहता है, कुछ सच्चाई नज़र आ रही है।
- ट्रंप ने यह कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को आवागमन के लिए सुरक्षित रखना मूलतः उन देशों की जिम्मेवारी है, जो इसका उपयोग करते हैं। यह भी संकेत है कि अमेरिका अब ईरान युद्ध से छुटकारा चाहता है।

शनिवार सुबह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रूथ सोशल" पर ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन मध्य पूर्व में सैन्य अभियानों को कम करने पर विचार कर रहा है।

ट्रंप ने लिखा, "हम अपने उद्देश्यों को हासिल करने के बहुत करीब हैं और मध्य पूर्व में ईरान के संबंध में अपने महान सैन्य प्रयासों को कम करने पर विचार कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि "होर्मुज़ स्ट्रेट की सुरक्षा अन्य देशों को करनी होगी, जो इसका उपयोग करते हैं, अमेरिका को नहीं। जरूरत पड़ने पर अमेरिका सहायता करेगा, लेकिन ईरान का खतरा खत्म होने के बाद इसकी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।" यह बयान उस समय आया है, जब ट्रंप सरकार क्षेत्र में सैन्य ताकत बढ़ा रही है और युद्ध के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की मांग कर रही है। यह विरोधाभासी संदेश असामान्य नहीं है। "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" शुरू होने के बाद के तीन हफ्तों में ट्रंप कम से कम सात बार दावा कर चुके हैं कि अमेरिका युद्ध जीत चुका है।

इस बीच, अमेरिका ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को 30 दिन के लिए अस्थायी रूप से हटा दिया है। ईरान का 140 मिलियन बैरल तेल समुद्री टैंकरों में है। यह कदम ईरान की कमजोर आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकता है और तेहरान को युद्ध लंबा खींचने का आत्मविश्वास दे सकता है।

अमेरिकी प्रतिबंध हटाने के बाद, भारतीय रिफाइनरीज़ व अन्य एशियाई देश ईरान से तेल खरीदने पर विचार कर रहे हैं। भारत की तीन कम्पनियों के सूत्रों ने कहा, वे इस संबंध में सरकार के निर्देशों का इंतज़ार कर रहे हैं।

पोप ने ईरान युद्ध को मानवता के लिए शर्मनाक बताया

वेटिकन सिटी, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर पोप लियो ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईरान से जुड़े युद्ध को पूरी मानवता के लिए गलत और शर्मनाक करार देते हुए तुरंत हिंसा रोकने की अपील की।

- 14-पोप लियो ने कहा कि युद्ध को खत्म कर बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान निकालना चाहिए।

पोप लियो ने कहा कि इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है और कई लोग घायल हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता जताई कि सबसे ज्यादा नुकसान निर्दोष नागरिकों को उठाना पड़ रहा है, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि इतने लोगों की पीड़ा को देखकर दुनिया चुप नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि जो दर्द वहां के लोग झेल रहे हैं, उसे पूरी इंसानियत को महसूस करना चाहिए।

पोप ने यह भी स्पष्ट किया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। -फ्रैंकलिन

समकालीन भारत में संस्कृति बनाम पहचान की राजनीति

मेरी पीढ़ी के लोगों के लिए विविधता भारत का पर्याय रही है। हमने भारत को जाना-समझा ही विविधता के माध्यम से है। लेकिन आज यह शब्द दुर्बोध होता जा रहा है। आज इसके माध्यम से भारत को समझ पाना उतना सहज नहीं रह गया है। मेरे भारत में विविधता केवल सह अस्तित्व की ही नहीं, सह निर्माण की भी सतत प्रक्रिया रही है। यहां विविध संस्कृतियां टकराई भी, घुलीं-मिली भी और फिर एक दूसरे में समाविष्ट होकर एक बहुरंगी संरचना बन गई। उसी को तो हम भारतीय संस्कृति कहते रहे हैं। लेकिन आज का भारत एक अजीब-सी विडंबना के दौर से गुज़र रहा है। आज विविधता को कई तरह से नकारा जा रहा है। संस्कृति बचाने के नाम पर उसे संकीर्ण किया जा रहा है और पहचान की राजनीति को उस पर कुछ ऐसे थोपा जा रहा है कि वह अपने मूल स्वभाव -संवाद, समावेश और प्रवाह- से दूर होती जा रही है।

यह बात सर्वमान्य है कि संस्कृति चलायमान होती है। उसका स्वभाव स्थिरता है ही नहीं। वह समय और स्थितियों के अनुसार बदलती रहती है। वह नए प्रभावों को आत्मसात करती है और इस प्रक्रिया में पुराने को नए संदर्भों में पुनर्परिभाषित करती है। भारतीय संस्कृति इसी तरह बनी है। भाषाओं, परंपराओं,खान-पान, विश्वासों और रीति-रिवाज़ों के अनगिनत स्त्रोतों ने उसे गढ़ा है। लेकिन आज पहचान की जो राजनीति अत्यधिक मुखर है वह इस वैविध्य को नकार कर स्पष्ट सीमा रेखाएं खींच देने को व्याकुल है। आज हम' और 'वे' के बीच के अंतर को धार दी जा रही है और ऐसा करने के क्रम में संस्कृति की उस नमनीयता को ही नष्ट किया जा रहा है जो उसे जीवंत बनाती है। इस बात को समझा जाना बहुत ज़रूरी है कि जब संस्कृति को किसी एक पहचान के सांचे में ढालने की कोशिश होती है तो वहअपनी सजीवता खोने लगती है।

आज के भारत में यह द्वंद्व किसी सैद्धांतिक विमर्श का विषय न रहकर रोज़मर्रा का यथार्थ बन चुका है। इतिहास के पुनर्पाठ की प्रवृत्ति बहुत तेज़ हुई है। शहरों, संस्थानों और सड़कों के नाम बदले जा रहे हैं। ऐसा केवल प्रशासनिक और सांस्कृतिक कारणों से नहीं किया जा रहा है। बहुत आसानी से समझा जा सकता है कि यह सब स्मृति और इतिहास को एक ख़ास दिशा देने के निमित्त किया जा रहा है। इतिहास की समीक्षा एक सतत ज़ारी रहने वाली प्रक्रिया होती है। हर जीवित समाज ऐसा करता है। उसे करना भी चाहिए। उससे भला किसी को भी आपत्ति क्यों होगी? लेकिन जब इतिहास की समीक्षा एक ख़ास मक़सद को सामने रखकर की जाए, एक ख़ास पहचान को प्रमुखता देने के लिए की जाए, और एक ख़ास पहचान को धूमिल करने के लिए की जाए, तो चिंता होना स्वाभाविक है। जब अतीत को वर्तमान की राजनीति के अनुरूप ढालने के प्रयास होते हैं तो फिर वह इतिहास इतिहास न रहकर नैरेटिव बन जाता है। दुर्भाग्य से आज हमारे सामने यही हो रहा है।

हम देख रहे हैं कि हमारे त्योहारों और सांस्कृतिक प्रतीकों के इर्द-गिर्द भी एक नई तरह की आक्रामक प्रतिस्पर्धा निर्मित की जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर भी कौन-सा उत्सव कैसे मनाया जाएगा, और किस धार्मिक कृत्य की अभिव्यक्ति तो 'संस्कृति' है और किसकी अभिव्यक्ति 'अतिक्रमण' है - ये बातें अब ज़्यादा उछाली जाने लगी हैं। अनेक जगहों पर धार्मिक जुलूसों और आयोजनों को लेकर तनाव होने लगे हैं और अब ये सब सहभागिता और आनंद के माध्यम न रहकर शक्ति प्रदर्शन और सीमा निर्धारण के उपकरण बनते या बनाए जा रहे हैं। संस्कृति मूलतः तो उत्सवधर्मी और समावेशी ही होती है लेकिन उसे प्रतिस्पर्धा के मंच में तब्दील करके उसकी मूल प्रकृति को ही बदला जा रहा है।

और ऐसा ही खान-पान के मामले में भी हो रहा है। खान-पान किसी भी संस्कृति का सर्वाधिक सहज और निजी पक्ष होता है, लेकिन अब इसे राजनीतिक आग्रह और सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया गया है। कौन क्या खा-पी रहा है, अब यह उसके व्यक्तिगत चयन कामामला नहीं रह गया है। इससे उसकी पहचान रेखांकित होने लगी है। भोजन की थाली, जो कभी स्वाद, आनंद और क्षेत्रीय विविधता का प्रतीक मानी जाती थी, अब वैचारिक निष्ठा और धार्मिक पहचान का प्रमाण पत्र बना दी गई है। यह प्रवृत्ति व्यक्तिगत स्वतंत्रता को तो सीमित करती ही है, उस सांस्कृतिक बहुलता को भी आहत करती है जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

इस समूचे द्वंद्व से सर्वाधिक प्रभावित हो रही है भारत की युवा पीढ़ी। भारत की करीब पैंसठ प्रतिशत आबादी पैंतीस वर्ष से कम आयु वाली है और यही समूह सोशल मीडिया और समकालीन विमर्श से सबसे अधिक प्रभावित है। जो युवा परिवर्तन और नवाचार का वाहक हो सकता था, उसी को पहचान के सबसे तीखे संघर्षों का वाहक बना दिया गया है। उसकी जो ऊर्जा रचनात्मक दिशा में जा सकती थी, उसे ध्रुवीकरण के निमित्त नियोजित कर दिया गया है।

यही द्वंद्व और टकराहट भाषाओं के मामले में भी देखी जा सकती है। एक तरफ तो इस डिजिटल समय में जब सारी दुनिया एक वैश्विक गांव में बदल चुकी है, हिंदी, अंग्रेज़ी और अन्य अनेक भाषाएं एक दूसरी में घुलती-मिलती जा रही हैं वहीं दूसरी तरफ हमारे यहां भाषा की शुद्धता का आग्रह बढ़ता जा रहा है। हिंदी है तो वह पूरी तरह संस्कृतनिष्ठ ही हो, उसमें उर्दू का तो एक भी शब्द न आए - यह प्रवृत्ति बहुत मुखर है। सवाल यह है कि भाषा को उसके स्वाभाविक रूप में परिवर्तित और विकसित होने दिया जाए या उसे एक कठोर सांचे में ढाल कर जड़ बना दिया जाए! अगर संस्कृति के संरक्षण का अर्थ इस तरह उसके उपादानों को जड़ बना देना मान लेंगे तो इससे संस्कृति विकसित न होकर संकुचित ही होगी।

आज के भारत में मीडिया और ख़ास तौर पर सोशल मीडिया की भूमिका भी बहुत विचारणीय है। भारत में 80 करोड़ से ज़्यादा इण्टरनेट उपयोगकर्ता हैं, और इस तरह भारतीय समाज दुनिया के सबसे विशाल डिजिटल समाजों में शामिल है। जब इतनी बड़ी जन संख्या अपनी-अपनी पहचानों के साथ एक ही मंच पर उपस्थित होती है जितनी सम्भावना उनमें पारस्परिक संवाद की होती है उतनी ही, या उससे कुछ ज़्यादा आशंका टकराव की भी उत्पन्न होती है। तकनीक के जानकार बताते हैं कि एल्गोरिद्म आधारित प्लेटफॉर्म्स पर वही सामग्री ज़्यादा फैलती है जो भावनात्मक और विवादास्पद होती है। इसकी परिणति पहचान आधारित ध्रुवीकरण के तज़ होने में होती है। चर्चा का हर मुद्दा पक्ष और विपक्ष के दायरों में सिमट जाता है और वह साझी ज़मीन जिस पर दोनों टिक सकते हैं संकुचित होते-होते अदृश्य ही हो जाती है।

राजनीति के इलाके में तो इस पहचान की तीव्रता और अधिक स्पष्ट है। चुनावी राजनीति में जाति, धर्म और क्षेत्रीय अस्मिताएं अधिक प्रभावी हुई हैं। संस्कृति तो यहां प्रायः एक प्रतीकात्मक आवरण के रूप में नज़र आती है। आज की राजनीति में संस्कृति का इस्तेमाल ही होता है; उसका संरक्षण करने को कोई तत्पर नज़र नहीं आता है। और यही वह बिंदु है जहां से संस्कृति का असल पतन शुरू होता है। फिर भी, मैं यह कहने में संकोच करूंगा कि हमारे यहां पहचान की राजनीति पूरी तरह नकारात्मक है। इतिहास में अनेक ऐसे क्षण आए हैं जब हाशिये पर अवस्थित समूहों ने अपनी पहचान के आधार पर ही स्थान और सम्मान प्राप्त किया है। दलित आंदोलन, स्त्री आंदोलन और विविध क्षेत्रीय अस्मिताओं के संघर्षों ने भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाया है। समस्या तो तब उत्पन्न होती है जब राजनीति समावेश की बजाय बहिष्कार के मार्ग पर चलने लगती है, जब अपनी पहचान को स्थापित करने के लिए दूसरों के अस्तित्व को नकारा जाने लगता है। ऐसे में पहचान अधिकार का साध्न न रहकर वर्चस्व स्थापन का औज़ार बन जाती है।

इस समूचे द्वंद्व से सर्वाधिक प्रभावित हो रही है भारत की युवा पीढ़ी। भारत की करीब पैंसठ प्रतिशत आबादी पैंतीस वर्ष से कम आयु वाली है और यही समूह सोशल मीडिया और समकालीन विमर्श से सबसे अधिक प्रभावित है। जो युवा परिवर्तन और नवाचार का वाहक हो सकता था, उसी को पहचान के सबसे तीखे संघर्षों का वाहक बना दिया गया है। उसकी जो ऊर्जा रचनात्मक दिशा में जा सकती थी, उसे ध्रुवीकरण के निमित्त नियोजित कर दिया गया है।

ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि संस्कृति को उसके वास्तविक रूप में समझा और अंगीकार किया जाए। संस्कृति किसी एक पहचान, एक भाषा या एक परंपरा का नाम है ही नहीं। वह तो इन सबके बीच निरंतर चलते रहने वाले संवाद की परिणति है। उसे स्थिर करने का प्रयास उसे सीमित कर देना है। हमारी चिंता केवल संस्कृति और पहचान की नहीं, भारत के भविष्य की भी है। अगर संस्कृति की पहचान को संकीर्ण चौखटों में कैद कर दिया गया तो हम एक ऐसे समाज की तरफ बढ़ेंगे जहां विविधता समस्या बन जाएगी। यह वह भारत नहीं होगा जिसकी कल्पना हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने की थी और न यह वह भारत होगा जिसे हमारा संविधान रेखांकित करता है। अगर संस्कृति को बचाने के नाम पर हम उसे भय, संदेह और बहिष्कार का औज़ार बना देंगे तो इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा।

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

मैंने अपनी आँखों से घर टूटते देखे हैं - कानून, अदालत और चुपचाप मरते पुरुषों की कहानी

सुनील दत्त गोयल

मैं पिछले कुछ वर्षों से एक दर्दनाक सच्चाई को करीब से देख रहा हूँ। अख़बारों में खबरें आती हैं, सोशल मीडिया पर वीडियो चलते हैं, लेकिन असली कहानी उन घरों के भीतर लिखी जाती है जहाँ एक पति, उसका बूढ़ा पिता, उसकी माँ, उसकी बहन - सब एक साथ अदालत के कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं।

मैं यह नहीं कह रहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध नहीं होते। होते हैं, और बहुत गंभीर होते हैं। दहेज, घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न - ये सब हमारे समाज की कड़वी सच्चाई हैं। लेकिन मैं यह पूछना चाहता हूँ - क्या हर मामला वैसा ही होता है? क्या हर 498ए का केस सच में क्रूरता का मामला होता है? और यदि नहीं, तो उन निर्दोष लोगों का क्या, जिनका जीवन सिर्फ एक शिकायत से बर्बाद हो जाता है?

एक एफआइआर... और पूरा परिवार अपराधी

भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 1983 में जोड़ी गई थी। उद्देश्य था - दहेज और क्रूरता से महिलाओं की रक्षा। लेकिन व्यवहार में मैंने ऐसे अनेक मामले देखे हैं जहाँ:-

पति के साथ-साथ 70 साल की माँ भी आरोपी, शहर से बाहर रहने वाली विवाहित बहन भी आरोपी, यहां तक कि दूर के रिश्तेदार भी नामजद।

एक एफआइआर दर्ज होते ही पूरा परिवार अपराधी की तरह देखा जाता है। पुलिस की पूछताछ, गिरफ्तारी का भय, पासपोर्ट जब्त, नौकरी पर असर - ये सब शुरू हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं कई फैसलों में कहा है कि 498ए का रूटीन गिरफ्तारी के लिए इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। अदालत ने ठस्सेलेठ पर चिंता जताई है और कहा कि बढ़ा-चढ़ाकर शिकायतें दर्ज की जाती हैं। अभियोजन विभाग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में सजा का प्रतिशत लगातार गिरता हुआ दिखाई देता है, जो कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। वर्ष दर वर्ष आंकड़ों पर नजर डालें तो नवंबर 2021 तक सजा दर 22.21%, अक्टूबर 2022 तक 22.33%, इसके बाद गिरकर अक्टूबर 2023 में 19.52%, दिसंबर 2024 में 19.21% और अंततः अक्टूबर 2025 तक मात्र 16.44 % रह गई। यानी समय के साथ दोषसिद्धि दर घटती जा रही है, जबकि बड़ी संख्या में आरोपी अदालतों से बरी हो रहे हैं। यह प्रवृत्ति संकेत देती है कि या तो जांच और साक्ष्य संठाहण में गंभीर खामियां हैं, या फिर कुछ मामलों में कानूनों के दुरुपयोग की आशंका भी मौजूद है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 498ए में चार्जशीट दाखिल दर बहुत अधिक है, लेकिन दोषसिद्धि दर लगभग 14-16% के बीच रहती है। इसका मतलब यह नहीं कि 84% मामले झूठे हैं। पर यह जरूर दर्शाता है कि बड़ी संख्या में मामलों में आरोप अंततः साबित नहीं हो पाते। लेकिन तब तक आरोपी परिवार 5-10 साल अदालतों में झूल चुका होता है।

जब कोई महिला किसी भी वजह से आत्महत्या कर ले या कोई उत्पीड़न का केस दर्ज कर देती है, तो उसे गाँव, शहर या राज्य की दर्जनों महिला संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएँ पुरुष पक्ष के लोगों को प्रताड़ित करना शुरू कर देती हैं। उसके घर के आगे या ऑफिस के बाहर प्रदर्शन करना और उन्हें तरह-तरह से ब्लैकमेल करना शुरू कर देती हैं। लेकिन क्या कभी पुरुष की आत्महत्या के लिए कोई पुरुष संगठन ऐसा करते हुए आपने सुना है?

वह बेंगलुरु में सिंघानिया वाला केस, जिसने अपना गूगल ड्राइव पर लाइव रिकॉर्डिंग करके और सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या की - क्या उस पर कुछ एक्शन हुआ? क्या वह दोबारा अख़बारों में भी आया, उसके बारे में?

आत्महत्या के भयावह आँकड़े - जो हमें झकझोरने चाहिए

एनसीआरबी की "Accidental Deaths & Suicides in India" रिपोर्ट के अनुसार:-

हर साल आत्महत्या करने वालों में लगभग 70 % पुरुष होते हैं। विवाहित पुरुषों की आत्महत्या संख्या विवाहित महिलाओं से काफी अधिक पाई गई है। पारिवारिक समस्याएँ और वैवाहिक विवाद प्रमुख कारणों में दर्ज हैं। 2022 और 2023 के आंकड़े दिखाते हैं कि 1.6 लाख से अधिक आत्महत्याओं में से लगभग 1 लाख से अधिक पुरुष थे। इनमें बड़ी संख्या विवाहित पुरुषों की थी। मैंने ऐसे परिवार देखे हैं जहाँ पति ने सुसाइड नोट में लिखा - मैं निर्दोष हूँ, लेकिन केस और बदनामी सह नहीं पा रहा। मैंने ऐसे बुजुर्ग पिता देखे हैं जो कहते हैं - हम अदालत में साबित हो गए कि बेटा निर्दोष था, पर वह फैसला सुनने के लिए जीवित नहीं रहा। हर आत्महत्या सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं होती। वह एक परिवार की सामाजिक मृत्यु होती है।

घरेलू हिंसा अधिनियम - लेकिन पुरुष कहाँ जाए?

"The Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005" ने महिलाओं को सुरक्षा, निवास अधिकार, भरण-पोषण जैसे कई महत्वपूर्ण अधिकार दिए। लेकिन यदि कोई पुरुष मानसिक या शारीरिक हिंसा का शिकार होता है, उसके लिए कोई समानांतर ढांचा नहीं है।

भारत में राष्ट्रीय महिला आयोग है। राज्य महिला आयोग हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पुरुष आयोग नहीं है। मैं यह नहीं कहता कि महिला आयोग की आवश्यकता नहीं है। लेकिन क्या न्याय व्यवस्था में संतुलन नहीं होना चाहिए? क्या पुरुषों की शिकायतों के लिए संस्थागत मंच नहीं होना चाहिए?

पहचान की असमानता - सामाजिक सज़ा पहले, अदालत बाद में

कानून के तहत महिला पीड़िता की पहचान छिपाई जाती है - यह सही है और होना भी चाहिए। लेकिन मैंने देखा है कि पुरुष आरोपी का नाम, फोटो, पेशा, पूरा विवरण मीडिया में छप जाता है। बाद में यदि वह बरी हो जाए, तो क्या मीडिया उसी प्रमुखता से उसकी बेगुनाही प्रकाशित करती है? प्रतिष्ठा एक बार धूमिल हो जाए, तो जीवन भर दाग रहता है। एक और बड़ी अजीब सी दुर्गति मुझे कानून की नज़र आती है कि जब भी महिला उत्पीड़न का कोई केस होता है, तो उसकी सुनवाई के लिए केवल महिला न्यायिक अधिकारी को ही लगाया जाता है - चाहे वह लोअर कोर्ट हो या हाई कोर्ट। तो क्या उच्च न्यायालय के अधिकारी यह समझते हैं कि महिला को न्याय सिर्फ महिला ही दे सकती है? क्या यह एक तरफ़ा और एक तरीके से लैंगिक असमानता नहीं है? क्या उन्हें अपने पुरुष जजों या पुरुष न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा नहीं है, जो ऐसा मानते हैं कि पुरुष तो शुरू से ही निकम्मा है और उसी की गलती है? इसलिए महिला जज ही लगाई जाए और वह कड़ी सज़ा करेगी। यह दोगलापन है, यह लैंगिक असमानता है, और जब तक यह समाप्त नहीं होगी, आने वाले समय में ऐसा न होकर रिश्तों में खटास पैदा हो जाएगी।

मैरिटल रेप और वैवाहिक निजता : मैरिटल रेप पर चल रही बहस अत्यंत संवेदनशील है। एक ओर महिला की गरिमा और सहमति का प्रश्न है, दूसरी ओर वैवाहिक संबंधों का निजी क्षेत्र। मैंने मैरिटल रेप के बारे में आजकल बड़े-बड़े जजमेंट पढ़े हैं। कोर्ट या अदालत यह तय करेगी कि कल रात पति-पत्नी के बीच संबंध बने थे या नहीं? यदि पत्नी की इच्छा नहीं थी और पति ने उसे संभोग के लिए मजबूर किया, तो उसने कौन-सा गुनाह कर दिया? शादी के समय भी वह साथ रहने के वादे करके आई थी। और मान लीजिए कभी पति की इच्छा न हो और पत्नी ज़बरदस्ती करे, तब की स्थिति में पत्नी कहाँ जाएगी? और उस वक़्त कोन से क़ानून की धाराएँ किसके खिलाफ लगाई जाएँगी। इन कानूनों में एकतरफ़ा व्यवस्था है। कानून के इस स्वरूप से डर लगने लगा है। आजकल शादियाँ बहुत जल्दी टूट रही हैं, और मुझे ऐसा लगता है कि इन एकतरफा कानूनों का भी कहीं न कहीं बड़ा योगदान साबित होता जा रहा है। यदि भविष्य में इसे अपराध घोषित किया जाता है, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि स्पष्ट परिभाषा, प्रमाण मानक और दुरुपयोग रोकने की ठोस प्रक्रिया हो। अन्यथा हर वैवाहिक विवाद संभावित आपराधिक मुकदमे में बदल सकता है।

तलाक प्रक्रिया - जीवन का दशक अदालत में

भारत में तलाक के मामले 5-10 वर्ष तक चल सकते हैं। इस दौरान:

भरण-पोषण के आदेश
498A, DV Act, 406 IPC जैसे समानांतर केस
पासपोर्ट, प्रमोशन, विदेश अवसरों पर असर

दोनों पक्षों का जीवन रुक जाता है। लेकिन पुरुष अक्सर आर्थिक और कानूनी दबाव के दोहरे बोझ में फंस जाता है। मेरा तो प्रत्येक लड़के वालों को सुझाव है की स्वयं वधु या उनके परिवार की नौकरी चाहे सरकारी हो या गैर सरकारी या प्राइवेट नौकरी या व्यापारिक परिवार से हों, जब वधू पक्ष के लोग इस तरह का मुकदमा फाइल करते हैं, तो दहेज में बेशुमार रकम देना दिखा देते हैं, जबकि उनकी आर्थिक स्थिति और आयकर विवरणी/दस्तावेज किसी भी तरह से इस बात को साबित नहीं करती।

मेरा तो सरकार को, पुलिस वालों को और समस्त लड़के वालों को भी सुझाव है कि जब भी कभी इस तरह का कोई केस फाइल हो, तो आयकर विभाग में ज़रूर शिकायत करें, विजिलेंस डिपार्टमेंट, उनके संबंधित सरकारी विभाग और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में अवश्य शिकायत करनी चाहिए, जिससे यह पता चल सके कि वह इतनी संपत्ति लाए कहाँ से। आख़िर जो दावा कर रहे हैं, उसे साबित तो करना पड़ेगा कि उनके पास उतने आय के साधन थे भी या नहीं।

लिव-इन रिलेशनशिप: संस्कृति बनाम संवैधानिक स्वतंत्रता

मैं यह बात खुलकर कहता हूँ - भारतीय समाज की परंपरागत संरचना विवाह संस्था पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल दो व्यक्तियों का निजी अनुबंध नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक इकाई है। लिव-इन रिलेशनशिप को हमारे पारंपरिक मूल्य कभी स्वीकार नहीं करते रहे। हमारे यहाँ विवाह केवल सहमति नहीं, संस्कार है। लेकिन समय के साथ न्यायपालिका ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सर्वोपरि माना है।

Supreme Court of India ने कई फैसलों में स्पष्ट किया कि सहमति से वयस्कों का साथ रहना अपराध नहीं है और यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का हिस्सा है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश D. Y. Chandrachud ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर जोर देते हुए कहा था कि अदालतें सामाजिक नैतिकता के आधार पर वयस्कों की पसंद में हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। न्यायालय ने यह भी माना कि यदि संबंध विवाह जैसे स्वरूप का हो तो महिला को घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत संरक्षण मिल सकता है। यहाँ मेरा प्रश्न न्यायपालिका की नीयत पर नहीं, बल्कि सामाजिक दुष्प्रभाव पर है।

क्या समाज इस परिवर्तन के लिए तैयार है? क्या हम विवाह संस्था को कमजोर कर रहे हैं? क्या हर असफल लिव-इन संबंध अंततः आपराधिक मुकदमे में बदलेगा? संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता तो देता है, लेकिन देश और सामाजिक समरसता का ताना बाना ध्वस्त करने की आज्ञा नहीं देता।

लिव-इन रिलेशनशिप और आपराधिक मुकदमे

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सहमति से वयस्कों का साथ रहना अपराध नहीं है। लेकिन जमीनी स्तर पर देखा गया है कि:-

रिश्ता टूटने पर 376 (झूठा वादा), 417 (धोखाधड़ी), 498ए जैसे आरोप लगाए जाते हैं। मैं फिर दोहराता हूँ - वास्तविक धोखा और शोषण के मामलों में कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यदि दो वयस्कों का सहमति से रिश्ता था, तो हर असफल प्रेम कहानी को आपराधिक मुकदमे में बदल देना न्याय का विस्तार नहीं, उसका विकृतिकरण है।

शादी का झूठा वादा और बलात्कार के मुकदमे

पिछले कई वर्षों में आइपीसी की धारा 376 के तहत शादी के झूठे वादे के आधार पर बलात्कार के मामलों में वृद्धि देखी गई है। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने कई फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि:-यदि शुरू से ही विवाह का इरादा धोखा देने का था, तो यह अपराध हो सकता है। लेकिन यदि दो वयस्कों के बीच सहमति से संबंध थे और बाद में किसी कारण विवाह नहीं हुआ, तो हर मामला स्वतः बलात्कार नहीं बन जाता। मैंने ऐसे मामले देखे हैं जहाँ वर्षों तक संबंध रहा, परिवारों को जानकारी थी, फिर रिश्ता टूट गया - और बाद में गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए। जब तक अदालत तय करे कि मामला वास्तविक था या नहीं, आरोपी की सामाजिक मृत्यु हो चुकी होती है।

विकसित देशों से क्या सीखें?

अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में घरेलू हिंसा कानून प्रायः जेंडर-न्यूट्रल हैं।

घरेलू हिंसा कानून जेंडर-न्यूट्रल
झूठी शिकायत पर स्पष्ट दंड
गिरफ्तारी से पहले जांच
तलाक मामलों में समयसीमा
मानसिक स्वास्थ्य सहायता तंत्र

भारत को भी सुधार पर विचार करना चाहिए:-

1. जेंडर-न्यूट्रल कानून
2. एफआइआर से पहले अनिवार्य प्रारंभिक जांच
3. झूठे मामलों में त्वरित दंड
4. पुरुष आयोग की स्थापना
5. पहचान गोपनीयता में समानता
6. तलाक और पारिवारिक मामलों की समयबद्ध सुनवाई

मेरी व्यक्तिगत अपील

आज मीडिया, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, बड़े तबके का समाज और शिक्षण संस्थाओं ने नारी को इतना अति-आत्मविश्वास से भर दिया है कि उन्होंने अपने विवेक के बजाय दूसरों की बातों से फैसले लेना शुरू कर दिया है, और पुरुष को इन सभी सिस्टम में विलेन के रूप में घोषित कर दिया गया है।

यह पूरा तबका यह भूल गया है कि ईश्वर ने चाहे स्त्रीलिंग हो या पुल्लिंग - दोनों को एक साथ, अपनी-अपनी अलग-अलग कला और विशेषज्ञताओं के साथ गढ़ा है।

जब तक इन दोनों विशेषज्ञताओं का समागम नहीं होता, तब तक एक सुदृढ़ समाज का निर्माण भी नहीं होता।

यदि दोनों पहियों में असंतुलन हो जाएगा - जिसकी शुरुआत मेरे ख्याल से हो चुकी है - तो उसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं, और आने वाले 10-15 वर्षों में इन दुष्परिणामों की प्रतिशत में भारी वृद्धि होगी।

भारतीय परिवारों में विखंडन बहुत तेज़ी से होगा। इसके लिए मैं पुरुषों से ज़्यादा महिलाओं को जिम्मेदार मानता हूँ, क्योंकि वे स्वयं को सुपर पावर, सुपर टैलेंटेड समझने लगी हैं।

मैं महिलाओं से क्षमा चाहता हूँ कि यह बात लिख रहा हूँ, लेकिन मेरी नीयत और उद्देश्य गलत नहीं है। मैं जिस तरह से परिवारों का विखंडन हो रहा है, उसे लेकर चिंतित हूँ। अति-आत्मविश्वास की वजह से वे अपने परिवारों को खो रही हैं। उनके भीतर समझौते की कोई स्थिति नहीं बची है।

मैंने अपने जीवनकाल में ऐसे बड़े घरों को देखा है, जिनमें वरिष्ठ प्रशासनिक, न्यायिक अधिकारी या राजनेता रहे हैं। उनकी नौकरी के दौरान इस तरह की घटनाएँ जब घटती हैं, तो वे स्वयं डर के कारण कुछ कार्रवाई नहीं कर पाते। और उनके घर में आई हुई बहू या पत्नी का अत्याचार वह पुरुष या वह पूरा परिवार बेदर्दी से मजबूरन सहन करता है।

मैं जयपुर के बारे में इतना जानता हूँ कि लगभग 200 तलाक के केस जयपुर ज़िले में रोज़ाना फाइल होते हैं। यह अपने आप में प्रमाण है कि किस कदर ज़िंदगी बर्बाद हो रही है।

इसके लिए दोनों ही वर्ग जिम्मेदार हैं - एक अति सहनशीलता की वजह से और दूसरा अति-अहंकार की वजह से। आज कई निर्दोष पुरुष अदालतों में खड़े हैं, उनके बूढ़े माता-पिता थानों के चक्कर लगा रहे हैं, बच्चे मनोवैज्ञानिक आघात झेल रहे हैं। और कुछ पुरुष - चुपचाप, बिना शोर - अपनी जान दे रहे हैं। क्या हम तब जागेंगे जब आँकड़े और बढ़ेंगे? या हम अभी कानूनों की समीक्षा, संतुलन और सुधार की दिशा में कदम उठाएँगे?

न्याय एकतरफा नहीं हो सकता।
कानून सुरक्षा दे, भय नहीं।
और यदि कहीं संतुलन बिगड़ा है, तो उसे ठीक करना ही लोकतंत्र की परिपक्वता है।

**-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
एडवाइजर, एडिटर्स क्लब ऑफ़ इंडिया
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।**

अप्रैल से फिर जम्मू तक दौड़ेगी भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस

जोधपुर, (कासं)। गर्मी की छुट्टियों से पहले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस को 1 अप्रैल से पुनः अपने पूर्ण मार्ग पर संचालित करने का निर्णय लिया है, जिससे जोधपुर से जम्मू जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि पिछले वर्ष भारी बारिश के कारण ब्रिज संख्या-17 में आई तकनीकी खराबी के चलते ट्रेन संख्या 14803/14804 भगत की कोठी-जम्मूतवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस को पठानकोट रेलवे स्टेशन से जम्मूतवी रेलवे स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द करना पड़ा था। अब कठुआ-माधोपुर रेलखंड पर मरम्मत और तकनीकी कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसके बाद रेलवे ने ट्रेन को फिर से पूरे मार्ग पर चलाने का फैसला किया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 14803 भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस 1 अप्रैल से तथा 14804 जम्मूतवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस 2 अप्रैल से संचालित होगी। इसके लिए अग्रिम आरक्षण भी शुरू कर दिया गया है। वहीं ट्रेनों में अतिरिक्त यात्री भार को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत देने के लिए जोधपुर-रामदेवरा-भगत की कोठी के बीच चलाई जा रही स्पेशल ट्रेन 26 मार्च तक चलेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के अनुसार,ट्रेन संख्या 04867, जोधपुर-रामदेवरा स्पेशल 19 मार्च से 26 मार्च तक (कुल 8 ट्रिप) संचालित की जा रही है। यह ट्रेन जोधपुर से सुबह 09.30 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजे रामदेवरा पहुंच रही है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04868,रामदेवरा-भगत की कोठी स्पेशल भी 26 मार्च तक चलेगी,जो रामदेवरा से दोपहर 2 बजे रवाना होकर शाम 5.30 बजे भगत की कोठी पहुंच रही है। ट्रेन का मार्ग में जोधपुर, राईका बाग, मंडोर, मारवाड़ मथानियां, ओसियां, मारवाड़ लोहावट और फलोदी स्टेशनों पर ठहराव है जिसमें 8 साधारण श्रेणी,2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 10 कोच लगाए गए हैं।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 23 मार्च, 2026

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 8:50 तक, विष्कुम्भ योग दिन 12:22 तक, बव करण प्रातः 7:58 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य-मीन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:20 से सूर्योदय तक है। रवियोग और कुमार योग प्रातः 8:50 से आरम्भ होगा। आज श्री पंचमी, लक्ष्मी पंचमी, कल्पादि है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:02 तक, शुभ 9:33 से 11:03 तक, चर 2:04 से 3:34 तक, लाभ अमृत 3:44 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 6:35

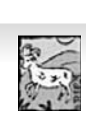

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृष
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आज व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिल सकती है।

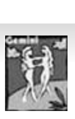

मिथुन
आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही आज ठीक नहीं रहेगी। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

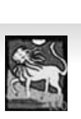

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

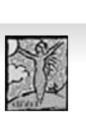

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में [illegible] आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां अभी बनी रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

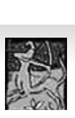

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

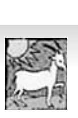

मकर
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

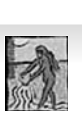

कुंभ
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेंगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या दूर हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

एक ही दिन में छह हजार से अधिक पर्यटकों ने किया वन्यजीवों का दीदार

जयपुर (कासं)। नाहरगढ़ जैविक उद्यान सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। रविवार को उद्यान में पर्यटकों की रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिली, जब एक ही दिन में 6 हजार से अधिक पर्यटकों ने यहां पहुंचकर वन्यजीवों का दीदार किया।

एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बदलते मौसम का सुहावना मिजाज और अवकाश का दिन होने के

- **नाहरगढ़ जैविक उद्यान में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, पर्यटकों का टूटा रिकॉर्ड**

कारण बड़ी संख्या में पर्यटक उद्यान की ओर आकर्षित हुए। रविवार को कुल 6029 सैलानियों ने उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों को नजदीक से देखने का अनुभव प्राप्त किया, जो एक दिन में आने वाले पर्यटकों की अब तक की सर्वाधिक संख्या है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। कुल 457 पर्यटकों ने इन दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव लिया। बाघों की गर्जना और शेरों की शाही चाल ने सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित टाइगर एवं लायन सफारी इन दिनों न केवल जयपुरवासियों बल्कि अन्य जिलों एवं राज्यों से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शहर के समीप प्राकृतिक हरियाली और वन्यजीवों का यह संगम पर्यटकों को पारिवारिक सैर के साथ रोमांच का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में उद्यान में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ एवं रैंजर शुभम शर्मा द्वारा रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

एसीएफ राठौड़ की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन एवं भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पर्यटकों को टिकटिंग, वाहन सुविधा, मार्गदर्शन एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। वन विभाग की सतत निगरानी एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के प्रमुख एवं लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शुमार हो गया है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त उदाहरण है, बल्कि पर्यटकों के लिए शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक अनुभव का प्रमुख केंद्र भी बनता जा रहा है।

नाहरगढ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी, लोगों ने बाघ समेत कई वन्य जीवों का दीदार किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज जोबनेर व सांभर के दौरे पर

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को जोबनेर स्थित ज्वाला माता मंदिर में दोपहर 1 बजे तथा सांभर स्थित शाकम्भरी माता मंदिर में दोपहर 2 बजे दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और प्रशासन के साथ-साथ संगठन स्तर पर भी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

- **ज्वाला माता व शाकम्भरी माता के दर्शन करेंगे, कई स्थानों पर होगा स्वागत**

भाजपा जयपुर देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने रविवार को कालवाड़, फुलेरा, सांभर सहित विभिन्न मंडलों की बैठकें लेकर कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपते हुए दौरे को सफल बनाने के लिए अनुशासन, समन्वय और सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत की तैयारियां की गई हैं। जगह-जगह स्वागत द्वार, बैनर और जनसंपर्क की व्यवस्थाएं की गई हैं।

जर्जर स्कूलों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 300 करोड़ रुपए मंजूर किए

- **सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया**
- **विद्यार्थियों को सुरक्षित-आधुनिक शैक्षिणक वातावरण उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है : मुख्यमंत्री**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जर्जर विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना का निर्माण हमारी प्राथमिकता है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायक शैक्षिणक वातावरण मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में केंद्र सरकार के इस सहयोग से प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार होगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

"घूमर" समारोह में शरीक हुईं दिया कुमारी

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को मानसरोवर में राष्ट्र सेविका समिति, जयपुर प्रांत द्वारा आयोजित हिन्दू नववर्ष समारोह घूमर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्यजनों को नव संवत्सर की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और नारी शक्ति के गौरव का सुंदर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और संस्कारों का संचार करते हैं।

दिया कुमारी ने कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि घूमर राजस्थान की पहचान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी को मिलकर अपने रीति-रिवाज, परंपरागत संस्कृति और त्योहारों को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही नई पीढ़ी को इन परंपराओं से अवगत कराना भी आवश्यक है, ताकि वे इनके महत्व को समझ सकें।

इस अवसर पर जयपुर सांसद मंजू शर्मा, राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हाल्देकर, संयोजिका सपना वर्मा, प्रांत कार्यवाहिका संगीता जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

सिटी पैलेस से तालकटोरा तक निकली बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी

राजधानी जयपुर में रविवार शाम बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी निकाली गई। इस दौरान हाथी-घोड़े के लवाजमें और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोहा।

जयपुर। राजस्थान की समृद्ध परंपरा और लोक संस्कृति का अद्भुत नजारा रविवार शाम बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी में देखने को मिला। सिटी पैलेस से रवाना हुई गणगौर माता की सवारी त्रिपोलिया गेट, छोटी चौपड़ और गणगौरी बाजार से होते हुए तालकटोरा स्थित पौंड्रिक पार्क तक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी रही।

शाही सवारी में 30 से अधिक पारंपरिक लवाजमे और करीब 200 लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। सवारी के त्रिपोलिया गेट से बाहर निकलते ही जयकारों की गूंज सुनाई दी, वहीं महिलाएं सिर पर कलश लेकर पीछे-पीछे चलती नजर आईं।

सवारी से पूर्व कच्ची घोड़ी, गैर नृत्य और कालबेलिया नृत्य सहित विभिन्न लोक कलाओं की प्रस्तुतियां दी गईं। अलवर के भपंग वादकों ने राजस्थानी धुनों से वातावरण को और जीवंत बना दिया।

सवारी में हाथी, घोड़े, ऊंट और बैलगाड़ियों के साथ जयपुर पूर्व राजपरिवार का शाही काफिला भी शामिल रहा। हाथियों पर पचरंगा ध्वज और चांदी की गदा विशेष आकर्षण रहे। एक हाथी द्वारा विदेशी पर्यटक को सूंड से आशीर्वाद देने का दृश्य भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई थी।

बड़ी संख्या में लोग इस पारंपरिक आयोजन को देखने पहुंचे और रंग-बिरंगी झांकियों व लोक संस्कृति की झलक को अपने कैमरों में कैद किया। पूरे मार्ग में उत्सवमय माहौल बना रहा और जयपुर की सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला।

राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंजा जयपुर

जयपुर । राजधानी जयपुर में रविवार शाम राष्ट्रभक्ति और साहित्य का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब अखिल भारतीय साहित्य परिषद, जयपुर विभाग द्वारा राष्ट्र साधना के 100 वर्ष विषय पर भव्य काव्य संध्या का आयोजन मानसरोवर क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रप्रेम, संस्कृति और भारतीय गौरव के भावों से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और मां शारदे के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। बांसवाड़ा के कवि बृजमोहन तूफान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम संयोजक रवि पारीक ने बताया कि परिषद की ओर से जयपुर में पहली बार आयोजित इस भव्य काव्य संध्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने राष्ट्रभक्ति के ओजपूर्ण काव्य से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा कार्यक्रम में अंत तक उपस्थित रहे।

सम्मेलन 1 मई को

जयपुर। अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा, जयपुर के तत्वावधान में आगामी 1 मई को हरियाणा गौड़ ब्राह्मण छात्रावास परिसर, अलियाबाद मोड़, महाराजपुरा, तहसील निवाई, जिला-टोंक में आयोजित होने वाले आदर्श विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द बंबाला ने की बैठक में सामूहिक विवाह की विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ तथा नगद राशि की घोषणा सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

पुलिस दूरसंचार विभाग के 110 कार्मिकों को आज मिलेगा सम्मान

जयपुर । पुलिस दूरसंचार विभाग के जांबाज अधिकारियों और कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा को सराहने के लिए सोमवार प्रात: 7:30 बजे एक भव्य पदक वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के घाट गेट स्थित पुलिस दूरसंचार लाइन में आयोजित होने वाले इस गरिमामय कार्यक्रम में विभाग के 110 कार्मिकों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह के

- **पुलिस महानिदेशक संजय अग्रवाल और एडीजी वीके सिंह करेंगे उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पदक वितरण**

मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय अग्रवाल होंगे। उनके साथ अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएँ वी.के. सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहकर कार्मिकों का उत्साहवर्धन करेंगे।

समारोह के दौरान कुल 110 पुलिस दूरसंचार कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें 31 कार्मिकों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 38 को उत्कृष्ट सेवा पदक, 7 को डीजीपी डिस्क, 3 को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 9 को अति उत्तम सेवा चिन्ह तथा 22 कार्मिकों को उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि इन सम्मानित होने वाले कार्मिकों में कुछ सेवानिवृत्त कार्मिक भी शामिल हैं, जिन्हें इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन न केवल सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि पुलिस दूरसंचार विभाग की समर्पित कार्यशैली को भी सम्मानित करेगा।

नाम परिवर्तन

मैंने मेरा नाम राधारानी गोयल से बदलकर राधा गर्ग पत्नी श्री जुगल बिहारी गर्ग रख लिया है। भविष्य में मुझे राधा गर्ग नाम से जाना जावें। पता-बी-63, शिवपथ, संजय कॉलोनी, RPA रोड, पानीपेच, जयपुर

राजस्थान सरकार

कार्यालय खनि अभियन्ता, भीलवाड़ा

खनिज भवन, आजाद नगर, भीलवाड़ा- 311001 | E-Mail: me.bhilwara@rajasthan.gov.in

क्रमांक: ख.अ./भील/सीसी.1/ख.प. 26/2020/ **सार्वजनिक सूचना:** दिनांक: 17/03/2026

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि कार्यालय खनि अभियन्ता, भीलवाड़ा के क्षेत्राधिकार में श्री प्रेमप्रकाश मीणा पुत्र श्री श्रीफल मीणा निवासी राघेकी तहसील बामनवास जिला सवाईमाधोपुर (राज.) के पक्ष में खनन पट्टा वास्ते क्वार्टज एव माईका निकट ग्राम ओडियाखेड़ा तहसील जहाजपुर जिला भीलवाड़ा में अतिरिक्त निदेशक (खान), उदयपुर- जोन, उदयपुर के आदेश क्रमांक अनिखान/उदय-जोन/सी.सी.2/भील/एम.एल.26/2020/2021/1116 दिनांक 06.07.2021 द्वारा क्षेत्रफल 1.0025 हैक्टर संविदा पंजियन की तिथि से 50 वर्ष की अवधि के लिए स्वीकृति किया गया। जिसकी संविदा का निष्पादन दिनांक 16.07.2021 को किया जाकर पंजियन दिनांक 13.08.2021 को हुआ। पट्टाधारी श्री प्रेमप्रकाश मीणा का स्वर्गवास दिनांक 26.12.2025 को हो जाने से पट्टाधारी की पत्नि श्रीमती अनीता मीणा निवासी ग्राम माताजी का मन्दिर के पास, राघेकी तहसील बामनवास जिला सवाईमाधोपुर (राज.) द्वारा 25.02.2026 को इस कार्यालय में सूचना दी गई एंव उक्त खनन पट्टे का नामान्तरण अपने पुत्र श्री मुकुल मीना पुत्र स्व. श्री प्रेम प्रकाश मीणा के पक्ष में करने हेतु आवेदन पत्र दिनांक 23.01.2026 को ऑनलाईन आवेदित करते हुए दिनांक 25.02.2026 को प्रति कार्यालय में प्रस्तुत की गई। आवदेन के साथ पट्टेधारी की पुत्री सुश्री आस्था मीणा एवं स्वयं (श्रीमति अनीता मीणा) की सहमति प्रस्तुत की है। अतः नामान्तरण अथवा उत्तराधिकार के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तिथि के 15 दिवस में अपनी आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करे, बाद अवधि किसी प्रकार की आपत्ति मान्य नही होगी, खनन पट्टा नामान्तरण की कार्यवाही श्री मुकुल मीणा पुत्र स्व. श्री प्रेम प्रकाश मीणा निवासी ग्राम राघेकी तहसील बामनवास जिला सवाईमाधोपुर (राज.) के पक्ष में सम्पादित की जावेगी, सो सूचित होवें। भवदीय: खनि. अभियन्ता, भीलवाड़ा

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक कराएं।

खेजड़ी सहित हरे पेड़ों के संरक्षण के लिए सख्त कानून की तैयारी

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण तीसरी बैठक आयोजित

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राज्य वृक्ष खेजड़ी एवं हरे पेड़ों के संरक्षण, संवर्धन तथा पर्यावरण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून लाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी क्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य विभाग के मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण तीसरी बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधि विभाग, राजस्व विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन विभाग सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पूर्व में आयोजित द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों के क्रम में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया गया, जिस पर विस्तृत चर्चा की गई।

विचार-विमर्श के दौरान विधेयक के विभिन्न बिंदुओं पर गहनता से अध्ययन करते हुए अतिशीघ्र अंतिम प्रारूप तैयार करने की रूपरेखा निर्धारित की गई। इस दौरान विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि प्रस्तावित कानून से आमजन को किसी प्रकार की अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए पेड़ों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने खेजड़ी संरक्षण को लेकर तीसरी बैठक ली।

हरे पेड़ों की कटाई पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कठोर प्रावधानों को विधेयक में शामिल करने पर चर्चा हुई। इसके अंतर्गत क्षेत्राधिकार, न्यायिक प्रक्रिया, जांच, अपील, दंड प्रावधान, प्राधिकरण, क्रियान्वयन व्यवस्था सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार किया गया।

साथ ही संरक्षित पेड़ों की सूची तैयार कर उसे विधेयक में शामिल करने का निर्णय लिया गया, जिससे संवेदनशील प्रजातियों का विशेष संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

|| तीये की बैठक ||

श्री विष्णु मोदी जी

(24.03.1950 – 21.03.2026)

पूर्व सांसद (अजमेर)

एवं पूर्व विधायक (पुष्कर एवं मसूदा)

तीये की बैठक

दिनांक: सोमवार, 23 मार्च, 2026

समय: शाम 5:00 बजे से 6:00 बजे तक

स्थान: नीरजा मोदी स्कूल, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान

शोकाकुल

नीरजा मोदी (पत्नी)

सौरभ एवं आरती मोदी (पुत्र एवं पुत्रवधू)

अर्पिता एवं विवेक गुप्ता (पुत्री एवं दामाद)

स्नेह लता एवं राजेन्द्र मंगल (बहन एवं बहनोई)

कविता एवं अशोक गोयल (बहन एवं बहनोई)

गौरी, शरण्या (दोहिती) एवं माधव राज (पोता)

एवं समस्त मोदी परिवार

नागौर में लाखों का अवैध मादक पदार्थ पकड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

तीन अलग-अलग थानों में स्मैक, अफीम सहित डोडा-पोस्त के पौधे जब्त किये

नागौर, (निसं)। नागौर जिले में नशा मुक्त अभियान को लेकर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत नागौर जिला पुलिस ने एक ही दिन में तीन अलग-अलग थानों के क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई की है। पुलिस ने लाखों रुपये कीमत की स्मैक, अफीम और डोडा-पोस्त के पौधे जब्त कर

■ 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत पुलिस ने कार्रवाई की

तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

सहायक पुलिस अधीक्षक जतिन जैन ने बताया कि पुलिस थाना सदर नागौर की टीम ने गश्त के दौरान रायधनु क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेश को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 86 ग्राम स्मैक, जिसकी कीमत लगभग 10.70 लाख रुपये आंकी गई है, के साथ ही दो लाख पंद्रह हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। आरोपी नरेश सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पूर्व में करीब 30 आपराधिक मामले दर्ज

आरोपी ने खेत में अन्य फसलों के बीच छिपाकर डोडा-पोस्त की अवैध खेती कर रखी थी।

हैं। इसी क्रम में पुलिस थाना श्रीबालाजी की टीम ने तितरी-जोधियासी क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी शिवराम को गिरफ्तार किया। उसके मकान से 1 किलो 643 ग्राम अफीम, 50,100 रुपये नकद और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया। बरामद अफीम की कीमत करीब 8.25 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं, पुलिस थाना खींवसर क्षेत्र में भी बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी तिलोकराम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके खेत और मकान से कुल 600 अवैध डोडा-पोस्त के पौधे जब्त किए, जिनमें 150 सूखे और 450 हरे-गीले पौधे शामिल हैं। आरोपी ने खेत में अन्य फसलों के बीच छिपाकर यह अवैध खेती कर रखी थी।

बीकानेर में होटल से डोडा पोस्त बरामद

बीकानेर, (निसं)। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से शोभासर चौराहा स्थित होटल-रेस्टोरेंट से 20.625 किग्रा डोडा-पोस्त बरामद कर संचालक को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स को शोभासर चौराहा स्थित बाबा होटल एंड रेस्टोरेंट पर खाने के साथ ही मादक पदार्थ बेचे जाने की सूचना मिली थी। एएनटीएफ के इंचार्ज महेन्द्रदत्त शर्मा की टीम और बीछवाल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से होटल-रेस्टोरेंट की घेराबंदी की। पुलिस ने डॉग स्क्वायड के साथ दबिश देकर छानबीन की। इस दौरान डॉग स्क्वायड ने एक प्लास्टिक के कट्टे की तरफ संकेत दिया। पुलिस ने तलाशी ली तो उसमें से 20.625 किग्रा डोडा-पोस्त बरामद हो गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर संचालक पांचू में शोभाना निवासी राजूसिंह को गिरफ्तार कर लिया।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने सांवरिया सेठ के दर्शन किए

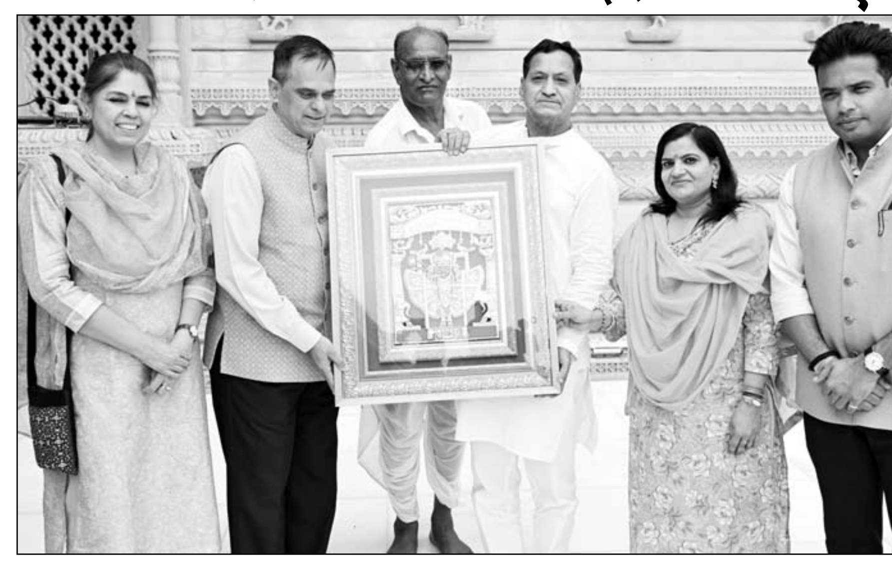

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन को अधिकारियों ने सांवरिया सेठ की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया।

मंडफिया, (निसं)। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने मेवाड़ के प्रसिद्ध आस्था केंद्र श्री सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचकर भगवान श्री सांवरिया सेठ के दर्शन किए तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में उनके आगमन पर मंदिर मंडल एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। मंदिर में पुजारियों द्वारा विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इसके पश्चात मुख्य सचिव को चरणामृत पिलाया गया तथा प्रसाद भेंट कर उपरना ओढ़ाकर पारंपरिक रूप से सम्मानित किया गया। दर्शन के दौरान मुख्य सचिव ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर सुव्यवस्थित प्रबंधन श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस अवसर पर उदयपुर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलैक्टर आलोक रंजन, मंदिर मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, अतिरिक्त जिला कलैक्टर, मुख्य मंदिर

■ मुख्य सचिव ने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की

मंडल की मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम ने मुख्य सचिव को सांवरिया सेठ की तस्वीर भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मंदिर विकास, सेवा प्रकल्पों एवं श्रद्धालुओं के लिए संचालित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव द्वारा प्रस्तुत की गई।

दर्शन कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एसडीएम रजनी मीणा, भदेसर पुलिस उपाधीक्षक विनोद लखारा, मंदिर मंडल के द्वितीय प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र सिंह, किशन लाल अहीर सहित मंदिर मंडल के सदस्य एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। मुख्य सचिव के दौरे को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे दर्शन व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रही। उनके इस आध्यात्मिक दौरे को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने महत्वपूर्ण बताते हुए प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को और सुदृढ़ करने वाला कदम माना।

विकास कार्यों पर विशेष चर्चा :-गौरतलब है कि वर्ष 1993 में जब मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन पूर्व में यहाँ निम्बाहेड़ा में एसडीएम रह चुके हैं, तब की तुलना में वर्तमान में मंदिर परिसर में व्यापक विकास एवं परिवर्तन देखने को मिला। बीते वर्षों में मंदिर परिसर का विस्तार, व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं में वृद्धि तथा सुरक्षा एवं प्रशासनिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में यह मंदिर भव्य आस्था केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है, जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन गया है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में दो शावकों के साथ नजर आई बाघिन 'एसटी-2302'

बाघिन का मूवमेंट करणी सागर के आसपास देखा गया, स्थिति को देखते हुए सरिस्का प्रशासन ने अलर्ट जारी किया

अलवर, (निसं)। अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघिन अपने दो शावकों के साथ अठखेलियां करती हुई नजर आई। यह मूवमेंट करणी सागर के आसपास देखा गया। यहां करणी माता मंदिर में इन दिनों मेले के चलते रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। स्थिति को देखते हुए सरिस्का प्रशासन ने अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

पिछले कई दिनों से बाघिन का मंदिर के आसपास ही विचरण है। जिसे देखते हुए वन प्रशासन ने करणी सागर के पास दो वनकर्मियों की ड्यूटी लगाई

■ बाघिन एसटी-2302 का नाम भी करणी है, जो कई बार मंदिर से 100 मीटर दूर बने ऐतिहासिक करणी सागर के आसपास दिखाई दे चुकी है

है, ताकि कोई भक्त जंगल या सागर की तरफ नहीं आए। वरना खतरा हो सकता है। वैसे मंदिर आने-जाने में कोई डर नहीं है। नवरात्र में करणी माता मेले में रोजाना श्रद्धालु सुबह 6 बजे से आना शुरू हो जाते हैं, जबकि बाघिन एसटी-2302 अपने शावकों के साथ शनिवार को करणी माता मंदिर के आसपास तक पहुंची है। असल में बगल में ही करणी सागर है। जहां पानी पीने के लिए वन्यजीव पहुंचते हैं। मेले के दौरान भक्तों की आवाजाही होने के कारण सरिस्का टाइगर रिजर्व प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। बाघिन एसटी-2302 का नाम भी करणी है, जो कई बार मंदिर से 100 मीटर दूर बने ऐतिहासिक करणी सागर के आसपास दिखाई दे चुकी है।

अलवर बफर रेंजर शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की जरूरत है। बाघिन का मंदिर के आसपास मूवमेंट है। वनकर्मी लगातार उस पर नजर बनाए हुए हैं। दो वनकर्मियों को करणी सागर पर तैनात कर रखा है। फिर भी लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है, इसलिए भक्तों को सीधे मंदिर पहुंचना चाहिए। कहीं जंगल में प्रवेश नहीं करें। उससे खतरा हो सकता है। हालांकि, मंदिर आने-जाने वाले रास्ते में कोई खतरा नहीं है।

मंदिरों से चांदी का छत्र और जेवर चोरी

श्रीगंगानगर, (निसं)। मंदिरों के ताले तोड़कर चोरी करने का मामला सामने आया है। चोर जेवरात और चढ़ावा चोरी कर ले गए। घटना जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र की है।

गांव महिंयावाली के वार्ड नंबर-13 में स्थित शनिवार रात को चोर आमने-सामने स्थित काली माता मंदिर और विरमानी माता मंदिर के ताले तोड़कर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया। चोर दोनों मंदिरों से सोने-चांदी के छत्र और चढ़ावा चोरी कर ले गए। सुबह जब ग्रामीणों को घटना का पता चला तो मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलने पर चूनावढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वहीं, घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़ने की मांग की है।

भीलवाड़ा : मंदिर में हुई चोरी का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। पारोली थाना पुलिस ने बागुदार स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर और चारण माताजी मंदिर में हुई चोरी का महज 24 घंटे में पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रार्थी रामलक्ष्मण वैष्णव निवासी बागुदार ने थाना पारोली पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 मार्च को दोपहर में अज्ञात चोर ने श्री चारभुजा नाथ मंदिर से चांदी का छत्र, चांदी की आरती और चांदी की दो गायें चोरी कर ली हैं। इसके अलावा पास ही स्थित चारण माताजी मंदिर से भी चांदी के दो छत्र चोरी होने की सूचना मिली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य और वृताधिकारी कोटड़ी सुरेश कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी सियाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास के बीटीएस खंगाले और करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया।तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अशोक पुत्र भूरा लाल सोनी निवासी बडलियास को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

दो घरों से 35 लाख के जेवर व नकदी पार

मांगलियावास, (निसं)। थाना क्षेत्र के अखेपुरा और रिछमालिया गांवों में एक ही रात में हुई चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी। अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए करीब 30 से 35 लाख रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। अखेपुरा में सांवर सिंह रावत के घर में चोरों ने कमरों के कुंदे बाहर से बंद कर वारदात को अंजाम दिया और नकदी व सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। इसके बाद किशनाराम मेहरात के घर में भी चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीणों के जाग जाने पर चोर बाइक छोड़कर भाग गए।

■ जाग होने पर बाइक छोड़कर भागे चोर

रिछमालिया गांव में बुद्धाराम देवासी के घर में चोर खिड़की तोड़कर घुसे और अलमारी से करीब 25 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

हनुमानगढ़ में नौ लाख की हेरोइन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पीलीबंगा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 45 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 9 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार थाना पीलीबंगा की टीम एसआई वीरचंद के नेतृत्व में गश्त कर रही थी। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो

■ दोनों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं, जिससे किसी अंतरराज्यीय गिरोह के संलिप्त होने की आशंका जताई जा रही है

युवकों को रोका गया और उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 45 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनप्रीत सिंह उर्फ काला निवासी भोजों की पट्टी मोड, जिला तरनतारन पंजाब और सुखविंदर सिंह निवासी सेदों, पट्टी मोड़, जिला तरनतारन पंजाब के रूप में हुई है। दोनों पंजाब के रहने वाले हैं, जिससे किसी अंतरराज्यीय गिरोह के संलिप्त होने की आशंका जताई जा रही है। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ में नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। इस दिशा में आगे की कार्रवाई जारी है।

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि जिले में नशे के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

हेरोइन सहित एक जने को पकड़ा

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक व्यक्ति को 10.45 ग्राम चिट्टे (हेरोइन) सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

थाना के सब इंस्पेक्टर माणकलाल ने बताया कि सांयकालीन गश्त के दौरान सूचना मिली कि बाइपास स्थित कब्रिस्तान के पास कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम में शामिल कॉन्स्टेबल गुलाब सिंह, जसवंत और जसवीर के साथ वे मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर वहां खड़ा व्यक्ति अचानक भागने लगा, लेकिन पुलिस जाब्ते की मदद से उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 10.45 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर आरोपी से नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम मोहनलाल उर्फ मुमताज पुत्र भजनलाल मिरासी निवासी वार्ड नंबर 4, सूरतगढ़ बताया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में आगे की जांच राजियासर सीआई कलावती चौधरी को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह चिट्टा कहां से लाया था और इसके पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

बदमाशों ने मकान से 25 लाख के जेवर और ढाई लाख रुपये चुराये

चोर रोशनदान की जाली काटकर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया

टोंक, (निसं)। पीपलू थाना क्षेत्र के ग्राम बगड़वा में दो मकानों से चोर शनिवार रात्रि को 25 लाख ज्वैलरी और 2.5 लाख नगदी चुरा कर ले गए। चोर रोशनदान की जाली काटकर अंदर घुसे और इस चोरी को अंजाम दिया है। वारदात के समय मकान मालिक और परिवार घर के बाहर टीनशेड के नीचे सो रहे थे। सुबह गाय का दूध निकालने के लिए परिजन उठे और बिखरा हुआ सामान देखा तो चोरी का मालूम चला।

■ वारदात के समय मकान मालिक और परिवार के लोग घर के बाहर टीनशेड के नीचे सो रहे थे

इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को भी बुलाया, टीम ने बक्सों समेत अन्य सामानों पर लगे फिंगरप्रिंट इकट्ठा किए हैं।

पीड़ित मदनलाल स्वामी के बताया कि चोरो ने पीछे गया तो वहां रोशनदान पर सीढ़ी से कमरे में घुसकर वहां से एक किलो वजनी चांदी की तीन सिल्लियां, आधा किलो चांदी के जेवर,

चोरी की वारदात के बाद मकान में सामान बिखरा पड़ा है।

तीन तोला सोने की राखड़ी, दो तोला सोने के कानों के झुमके, चार चांदी के सिक्के और करीब 2 लाख रुपए नकद चोरी कर ले गये। वहीं शुक्रवार बीती रात ही पड़ोसी राजू शर्मा के घर में भी चोर घुसे और उनके मकान से कमरे में रखे बक्से का ताला तोड़कर पुराने 11 चांदी के सिक्के, करीब 250 ग्राम चांदी की पायजेब, सोने के टॉप्स के अलावा 53 हजार रुपए चोर चुराकर ले गए थे।

इसी प्रकार मुख्यालय स्थित एस.पी. ऑफिस के सामने कलंदरी मस्जिद बंगला बेण्ड मास्टर वाके से चोरो ने सरीये व पाईप से मस्जिद का ताला तोड़कर मस्जिद का माईक, माईक की मशीन, कुलर की मोटरें, इन्वेटर के वायर, लाईट के वायर आदि सामान चोरी करके ले गए।

सीमेंट से भरा ट्रेलर पलटा, हाइवे पर वाहनों का लंबा जाम लगा

हाइवे पर करीब एक घंटे तक बाधित रहा आवागमन, घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया

मांगलियावास, (निसं) । मांगलियावास बाइपास स्थित अजमेरी गेट होटल के पास रविवार दोपहर में सीमेंट से भरा एक ट्रेलर असंतुलित होकर पलट गया, जिससे हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर की ओर जा रहा सीमेंट के कट्टों से लदा ट्रेलर चालक की लापरवाही के चलते अचानक असंतुलित हो गया और सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रेलर करीब 50 फीट तक घिसटता हुआ आगे बढ़ा, जिससे उसमें भरे सीमेंट के कट्टे सड़क पर बिखर गए। घटना में ट्रेलर चालक घायल हो गया, जिसे सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस के जरिए उपचार के लिए अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी डॉ. दीपेंद्र सैनी, एएसआई हुकम सिंह और हेड कांस्टेबल बाबूलाल मीणा सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया।

सड़क पर कट्टे बिखरने से वाहनों

पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटे ट्रेलर को हटवाया और सड़क से कट्टों को साफ करवाया।

की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई और हाइवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटे ट्रेलर को हटवाया और सड़क से कट्टों को साफ करवाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात सुचारू हो सका। फिलहाल इस संबंध में किसी भी पक्ष द्वारा मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

भारतीय वायुसेना की संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तानी हैंडलर्स को पहुंचाने वाला गिरफ्तार

राजस्थान इंटेलीजेंस ने असम के एयरफोर्स स्टेशन छबुआ से सिविलकर्मी को गिरफ्तार किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान इंटेलिजेंस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए असम के एयरफोर्स स्टेशन छबुआ से जासूसी के आरोप में एक सिविल कर्मी को गिरफ्तार कर देश में सक्रिय एक बड़े जासूसी नेटवर्क का खुलासा किया है। आरोपी भारतीय वायुसेना से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां पाकिस्तान के हैंडलर्स तक पहुंचा रहा था।

आरोपी सुमित कुमार

- **आरोपी सुमित एयरफोर्स स्टेशन छबुआ, डिब्रूगढ़ असम में एमटीएस के पद पर कार्यरत था। वह एयरफोर्स से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं एकत्रित करता और सोशल मीडिया के जरिए पाक हैंडलर्स तक पहुंचाता था।**
- **पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ने एयरफोर्स स्टेशन नाल जिला बीकानेर सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इनमें लडाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों/कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय जानकारी शामिल है। आरोपी अपने नाम से जारी मोबाइल नंबरों के जरिए पाक हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनवाने में भी मदद करता था।**

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक इंटेलीजेंस प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि इस पूरे मामले की शुरुआत जनवरी 2026 में जैसलमेर निवासी झबराराम की गिरफ्तारी से हुई थी। उससे पूछताछ और अनुसंधान के दौरान एक अन्य संदिग्ध सुमित कुमार का नाम सामने आया, जो लगातार पाक खुफिया एजेंसियों के संपर्क में था। जांच में सामने आया कि आरोपी सुमित कुमार (36) पुत्र बेनी माधव निवासी लाहुरपार प्रयागराज उत्तर प्रदेश वर्तमान में एयरफोर्स स्टेशन छबुआ, डिब्रूगढ़ असम में एमटीएस के पद पर कार्यरत था। वह अपने पद का दुरुपयोग करते हुए एयरफोर्स स्टेशन से जुड़ी गोपनीय सूचनाएं एकत्रित करता और सोशल मीडिया के जरिए पाक हैंडलर्स तक पहुंचाता था। राजस्थान इंटेलिजेंस की टीम ने एयरफोर्स इंटेलिजेंस, नई दिल्ली के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को छबुआ से डिटेन किया और जयपुर स्थित केंद्रीय पूछताछ केंद्र लाया गया। यहां विभिन्न खुफिया एजेंसियों द्वारा संयुक्त पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी वर्ष 2023 से पाक खुफिया एजेंसी के संपर्क में था और धनराशि के बदले संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ने एयरफोर्स स्टेशन छबुआ के साथ-साथ एयरफोर्स स्टेशन नाल जिला बीकानेर सहित अन्य सैन्य ठिकानों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इनमें लडाकू विमानों की लोकेशन, मिसाइल सिस्टम और अधिकारियों/कर्मचारियों से संबंधित गोपनीय जानकारी शामिल है। इसके अलावा आरोपी अपने नाम से जारी मोबाइल नंबरों के जरिए पाक हैंडलर्स के लिए सोशल मीडिया अकाउंट बनवाने में भी मदद करता था।

इस गंभीर मामले में रविवार 22 मार्च को आरोपी को शासकीय गुप्त बात अधिनियम, 1923 एवं बीएनएस 2023 की विभिन्न धाराओं के तहत स्पेशल पुलिस स्टेशन, राजस्थान जयपुर में दर्ज प्रकरण में गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई से देश में सक्रिय पाक समर्थित जासूसी नेटवर्क का बड़ा खुलासा हुआ है और आगे की जांच जारी है।

युवक ने पहाड़ी पर फंदा लगाकर आत्महत्या की

- **नींदड़ की पहाड़ी पर पेड से फंदे पर लटका मिला शव**

जयपुर । हरमाड़ा थाना क्षेत्र में नींदड़ की पहाड़ी पर रविवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एफएसएल टीम की मदद से मौके से साक्ष्य जुटा कर शव को कांवटिया अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

थानाधिकारी उदय यादव ने बताया कि हरमाड़ा के लोहामंडी निवासी विजेंद्र सैनी (31) ने फंदा लगाकर आत्महत्या की है। वह एक फैक्ट्री में काम करता था। शनिवार सुबह वह बिना किसी को बताए घर से निकल गया था और वापस नहीं लौटा। परिजन उसकी तलाश कर रहे थे। रविवार सुबह नींदड़ की पहाड़ी पर सुनसान स्थान पर उसका शव पेड़ से लटका मिला। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि करीब 15 दिन पहले विजेंद्र किसी बात से नाराज होकर अपना मोबाइल तोड़ चुका था। शनिवार को भी वह बिना कुछ बताए घर से चला गया था। आशंका है कि उसने देर शाम सुनसान स्थान पर रस्सी से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है।

शादी के नाम पर लूटने वाली दुल्हन गैंग का भंडाफोड़

- **बिंदायका थाना पुलिस ने की दिल्ली से दो महिलाएं गिरफ्तार**

जयपुर। बिन्दायका पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो मुख्य महिला आरोपियों को गिरफ्तार किया है । यह गिरोह भोले-भाले लोगों को शादी का झांसा देकर उनसे लाखों रुपये ऐंठता था और शादी के कुछ ही समय बाद दुल्हन घर में रखे जेवर व नकदी समेट कर फरार हो जाती थी । पुलिस इस मामले में बिचौलिए दलाल को पहले ही जेल भेज चुकी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि बिन्दायका थाना पुलिस ने लुटेरी दुल्हन गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वंदना उर्फ कोमल (20) और आरती उर्फ लक्ष्मी (45) गिरफ्तार किया गया है। दोनो ही आरोपित महिलाएं प्रहलादपुर नई दिल्ली की रहने वाली है। वहीं पूर्व में विक्रम दास (38) निवासी जोधपुर (दलाल) को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे एक संगठित गिरोह के रूप में काम करते हैं । दलाल के जरिए शिकार फंसाया जाता था और शादी के बाद दुल्हन मौका पाकर कीमती सामान लेकर भाग जाती थी । ठगी गई राशि को गिरोह के सदस्य सन्नी, प्रवीण और विक्रम आपस में बांट लेते थे ।

थानाधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि परिवादी अखिलेश शर्मा ने मामला दर्ज कराया था कि आरोपी विक्रम वैष्णव और उसके साथियों ने शादी करवाने के नाम पर उससे 2 लाख 10 हजार रुपये लिए थे । साजिश के तहत 30 जून 2025 को दिल्ली के एक मंदिर में अखिलेश की शादी आरोपी महिला से करवाई गई । लेकिन शादी के कुछ ही समय बाद दुल्हन घर से गहने और नकदी लेकर रफूचक्कर हो गई । घटना की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश गुप्ता व सहायक पुलिस आयुक्त हेमेन्द्र शर्मा के सुपरविजन में विशेष टीम गठित की गई । टीम ने दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात सहित कई राज्यों में दबिश दी । तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दिल्ली के प्रहलादपुर इलाके से मुख्य आरोपी महिला वंदना उर्फ कोमल और उसकी मुंह बोली मां आरती उर्फ लक्ष्मी को दबोच लिया । इस कार्रवाई में थानाधिकारी विनोद कुमार, एएसआई बाबूलाल, महिला कांस्टेबल रिंकू कुमारी और कांस्टेबल बहादुर सिंह व श्रीराम की विशेष भूमिका रही।

5 किलो डोडा-चूरा के साथ तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा

जयपुर । जयपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन एंटी वेनम के तहत दूदू थाना पुलिस ने रविवार को नाकाबंदी के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.10 किलोग्राम अवैध डोडा छिलका और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है । जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि दूदू पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जीवराज नाम का व्यक्ति मोटरसाइकिल पर डोडा छिलका बेचने के फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस ने धांधोली से कचनारिया जाने वाले रास्ते पर नाकाबंदी की । नाकाबंदी के दौरान सामने से आ रहा युवक पुलिस जाप्ते को देखकर भागने लगा। जिसे टीम ने घेराबंदी कर पकड़ लिया । तलाशी लेने पर उसकी मोटरसाइकिल पर रखे सफेद कट्टे से 5 किलो 10 ग्राम डोडा छिलका बरामद हुआ । पुलिस ने आरोपी जीवराज (23) निवासी धांधोली को गिरफ्तार किया।

सोलफुल क़व्वाली फेस्टिवल में दिखेगी गंगा-जमुनी तहजीब

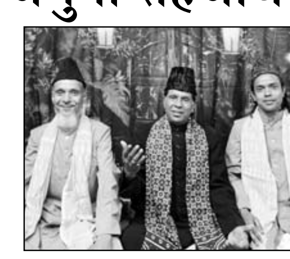

- **जवाहर कला केन्द्र में कल से सजेगी सूफियाना महफिल**

जयपुर (कासं)। भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द को समर्पित सोलफुल क़व्वाली फेस्टिवल का आयोजन 24 और 25 मार्च को जयपुर के जवाहर कला केंद्र में किया जाएगा। यह आयोजन स्वागत जयपुर फाउंडेशन और नॉर्थ जोन कल्चरल सेंटर, पटियाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। स्वागत जयपुर फाउंडेशन के अध्यक्ष इकबाल खान नियाजी ने बताया कि यह दो दिवसीय फेस्टिवल राजस्थान के प्रसिद्ध कव्वाल मुहम्मद सिद्दीक़ की याद में ईद के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

फेस्टिवल में अजमेर दरगाह के शाही क़व्वाल मोहम्मद मुबीन, कोटा के मशहूर क़व्वाल हिफ़्ज़ुर्रहमान हाकिमी और जयपुर के उस्ताद अनवार हुसैन नियाजी अपनी गायिकी के जरिए सूफियाना कलाम पेश करेंगे, जो प्रेम, शांति और इंसानियत का संदेश देंगे। कार्यक्रम का आयोजन दोनों दिन शाम 6 बजे से किया जाएगा। इस सांस्कृतिक उत्सव में आमजन के लिए प्रवेश निःशुल्क रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग लेकर सूफी संगीत की इस विरासत का आनंद ले सकें। यह फेस्टिवल न केवल संगीत प्रेमियों के लिए एक खास अवसर है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द, एकता और भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है।

‘पंचायत और निकाय चुनाव टालना चाह रही है सरकार’

जयपुर (कासं)। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की चरमराती प्रशासनिक व्यवस्था पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा है कि राजस्थान में सिस्टम का पूर्ण ब्रेकडाउन हो चुका है। उन्होंने कहा कि आज हालात ऐसे हैं कि दीया लेकर ढूंढने पर भी सरकार कहीं नजर नहीं आती। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रदेश में निर्वाचित सरकार का अस्तित्व ही समाप्त हो गया है। जूली ने कहा कि यह राजस्थान का दुर्भाग्य है कि वर्तमान भाजपा सरकार जनता के प्रति जवाबदेह होने के बजाय केवल दिल्ली दरबार के एक्सटेंशन काउंटर की भूमिका निभा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, “एक केंद्रीय मंत्री सरेआम कर्मचारियों का भविष्य बर्बाद करने की धमकी दे रहे हैं और राज्य सरकार मुंह में दही जमाकर बैठी है। यह चुप्पी न केवल कायरतापूर्ण है, बल्कि प्रदेश के लाखों कर्मचारियों के हितों के साथ विश्वासघात है, कोई 20 साल का पट्टा लिखा कर नहीं लाया है, लोकतंत्र में जनता ही माई-बाप होती है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी किसी व्यक्ति या दल के गुलाम नहीं, बल्कि संविधान के सजग प्रहरी हैं। जो संविधान के साथ चलेगा, टीकाराम जूली उसके लिए मजबूत कवच बनकर खड़ा रहेगा।” जूली ने सरकार पर स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों से भागने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ओबीसी आरक्षण आयोग का कार्यकाल 31 मार्च को समाप्त हो रहा है, लेकिन सरकार चुनाव टालने के लिए नए-नए बहाने खोज रही है।

सुप्रीम कोर्ट के किशनसिंह तोमर बनाम म्युनिसिपल कॉरपोरेशन ऑफ अहमदाबाद (2006) मामले का हवाला देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि शीर्ष अदालत के आदेशानुसार चुनाव समय पर कराना अनिवार्य है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि स्वयं मुख्यमंत्री के पास गृह विभाग होने के बावजूद अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। जोधपुर के भीकमकोर में दिनदहाड़े हुई हत्या इसका जीवंत प्रमाण है। प्रदेश में कानून का इकबाल खत्म हो चुका है। जयपुर के कांवटिया अस्पताल के विस्तार और नए ट्रॉमा सेंटर का प्रस्ताव पिछले दो वर्षों से फाइलों में दम तोड़ रहा है। जयपुर मेट्रो फेज-2 की फाइनल डीपीआर पिछले 9 महीनों से केंद्र सरकार के पास लंबित पड़ी धूल खा रही है।

अब सप्ताह भर नहीं चलेगी हीटवेव

जयपुर । कमजोर पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को प्रदेश के आधा दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। पोकरण में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी एक सप्ताह हीटवेव नहीं चलने की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को सीकर, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर सहित करीब आधा दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। बारिश से रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। दोपहर में पोकरण में कुछ स्थानों पर ओले गिरे। रविवार को बाड़मेर प्रदेश में सबसे गर्म रहा, यहां का अधिकतम तापमान 35.2 और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को सबसे ज्यादा बारिश जैसलमेर में 13 मिमी दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश के अधिकांश भागों में आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यतः शुष्क रहने की संभावना है। राज्य में आगामी एक सप्ताह हीटवेव की संभावना नहीं है।

जयपुर में शनिवार रात को हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि रविवार को दिनभर धूप खिली और हल्के एवं छितराए बादल नजर आए।

स्टोरी टेलर दिव्य प्रकाश ने सुनाई छोटे शहर की रूहानी कहानी

“टेंशन मत ले यार” ने दिया देखने का नया नजरिया

जयपुर । बॉलीवुड के मशहूर स्टोरीटेलर दिव्य प्रकाश दुबे ने रविवार को स्टोरी टेलिंग शो टेंशन मत ले यार...में जिन्दगी को हल्के दिल से देखने के नजरिए से रूबरू कराया। द कला मंच जयपुर की ओर से यहां महाराणा प्रताप सभागार में हुए इस खास शो में दुबे ने छोटे शहर की कहानी कही, जिसका ताना-बाना एक लड़के से जुड़ी जीवन यात्रा के इर्द-गिर्द बुना गया। समकालीन कहानी कहने के जादूगर दुबे के सहज और सरल तरीके से शहर के कहानीप्रेमियों को भावनात्मक रूप से अंत तक जोड़े रखा। उनका चुटीला व चुटकलों से भरा अंदाज, हंसी मजाक के साथ अगले ही पल भावुक करने के उनके कमाले फन ने रुहानी कहानी के मर्म को शिद्दत से महसूस कराया। गौरतलब है कि यह शो दूसरी बार यहां जयपुर में हुआ। इमर्सिव स्टोरीटेलिंग के एक सुखद एवं अनोखे अनुभव से लबरेज यह प्रोग्राम खासतौर से युवाओं के मद्देनजर इस तरह से डिजाइन किया गया, ताकि उनकी जिन्दगी का फलसफा और उनकी मुश्किल राहों को आसान बना सके। इससे पहले कार्यक्रम के फ्रेमर्स और फाउंडर राजेश शर्मा और व सतिन्दर सिंह ने बताया कि वे आगामी दिनों में शहर के लोगों के लिए बेहतरीन शोज का आयोजन करेंगे।

ज्ञात रहे कि दिव्य प्रकाश दुबे ने शर्तें लागू, मसाला चाय, मुसाफिर कैफे, अक्टूबर जंक्शन, इब्नेबतूती, आको-बाको और यार पापा जैसी 8 बेस्टसेलर किताबें लिखी हैं। स्टोरीबाज़ी के माध्यम से वे अपनी कहानियां सुनाते हैं। ऑडिबल के लिए पिया मिलन चौक, दिल लोकल और दो दुनी प्यार जैसे लोकप्रिय शो प्रस्तुत किए हैं। करीब 10 साल कॉरपोरेट और कंटेंट की दुनिया में काम करने के बाद अब वे एक फुल-टाइम लेखक हैं। मणिरत्नम की फिल्म पोन्नियिन सेल्वन के दोनों भागों और इम्तियाज अली की वेब सीरीज़ डॉक्टर अरोरा के डायलॉग लिख चुके हैं। साथ ही, राइटर्स रूम के तहत नए लेखकों के साथ मिलकर फिल्म, वेब सीरीज़ और ऑडियो शो विकसित करते हैं। उनकी किताब मुसाफिर कैफे पर आधारित एक वेब सीरीज़ भी नेटफ्लिक्स पर जल्द आने वाली है।

4840 किलो मिलावटी मिर्च पाउडर सीज

जयपुर (कासं)। राजधानी जयपुर के विश्वकर्मा एरिया स्थित जैसल्या में मैसर्स वर्षा एंटरप्राइजेज पर केंद्रीय खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने मिलावटी मिर्च बनाने वाले फैक्ट्री पर कार्यवाही की। टीम ने यहां कलर एवं चापड़ मिलाकर तैयार किया जा रहा 4840 किलो मिर्च पाउडर सीज किया और दो नमूने एफएसएस एक्ट के तहत लिए गए। फर्म मालिक मुजाहिदा बेगम ने बताया कि यह मिर्च पाउडर धीरज नाम के कारोबारी द्वारा तैयार करवाकर बाजार में रिटेल में बेचा जाता है। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आरोपियों पर नियमानुसार कार्रवाई की जावेगी। यह कार्रवाई राज्य सरकार की खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला के निर्देशन एवं अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह व संयुक्त आयुक्त डॉक्टर विजय प्रकाश शर्मा के सुपरविजन में हुई।

शक्ति वंदन महोत्सव के विजेता सम्मानित

जयपुर । नारी सम्मान-स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को समर्पित शक्ति वंदन महोत्सव में आयोजित विशेष रील प्रतियोगिता के विजेताओं को निवर्तमान महापौर डॉ सौम्या गुर्जर ने झालाना स्थित आरआईसी सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में रविवार को सम्मानित किया। महोत्सव में 400 महिलाओं को निःशुल्क स्टॉल प्रदान कर उन्हें स्वरोजगार का अवसर दिया गया, वहीं सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण के साथ स्वास्थ्य जागरूकता के कई महत्वपूर्ण सत्र भी आयोजित किए गए।

शक्ति वंदन महोत्सव में विशेष रील प्रतियोगिता के विजेताओं को निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सम्मानित किया।

कार्यक्रम के हर पल को सहेजने के लिए आयोजित रील प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने महोत्सव की गतिविधियों, भावनाओं और अनुभवों को बेहद रचनात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। इन रील्स के माध्यम से नारी शक्ति का उत्साह, भारतीय संस्कृति की झलक और सामाजिक संदेश प्रभावशाली रूप से सामने आए।

प्रतियोगिता में रजत जैन ने प्रथम, प्रीति अधिकारी ने द्वितीय तथा रिकी शेखावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित कर उनके प्रयासों की सराहना की गई।

निवर्तमान महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने सभी कंटेंट क्रिएटर्स की प्रशंसा करते हुए कहा कि डिजिटल माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने वाली ऐसी पहल अत्यंत प्रेरणादायी है।

उन्होंने विशेष रूप से कहा कि रील्स में माँ पन्नाधाय के त्याग, बलिदान और राष्ट्रप्रेम की प्रेरक गाथा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिससे युवाओं को अपने गौरवशाली इतिहास को करीब से जानने का अवसर मिला। इसके अलावा 500 महिलाओं के आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर में तलवारबाजी सीखने, स्टॉल पर महिलाओं उद्यिमयों की रचनाओं, प्रमुख विषयों पर हुए सत्रों के कंटेंट और सर्वाइकल कैंसर के टीकाकरण में एक हजार बच्चियों के टीकाकरण के क्रिएटिव को बेहतरीन ढंग से कवर किया और आमजन तक पहुंचाया।

सार-समाचार

श्रीराम जन्मोत्सव की तैयारियां जोरों पर

जयपुर । चांदपोल बाजार स्थित ठिकाना मंदिर श्री रामचन्द्रजी में चल रहे श्रीराम जन्मोत्सव में 23 मार्च को सरस कुंजू द्वारा अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ भव्य बधाई उत्सव का आयोजन किया जाएगा। यह उत्सव महाराज अलबेली माधुरी शरण के सान्निध्य एवं आशीर्वाद में सम्पन्न होगा। मंगल अवसर पर भगवान श्री रामचन्द्र जी के श्रीचरणों में बधाई अर्पित की जाएगी तथा भजन-कीर्तन, मंगलगान एवं बधाई पंक्तियों का सुमधुर गायन होगा। मंदिर परिसर भक्ति, श्रद्धा और आनंद की दिव्य अनुभूति से ओतप्रोत रहेगा। झांझ, मंजीरे, ढोलक एवं भजन-कीर्तन की मधुर स्वर लहरियों से सम्पूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठेगा और श्रद्धालुजन भाव-विभोर होकर प्रभु श्रीराम की महिमा का गुणगान करेंगे। महंत नरेंद्र तिवाड़ी ने बताया श्रीराम नवमी की तैयारियां धूमधाम से चल रही है।

मुख्यालय बना जनरल चैम्पियन

जयपुर । राजस्थान आवासन मण्डल की 30वीं चार दिवसीय कर्मचारी खेलकूद प्रतियोगिता का समापन समारोह नीरजा मोदी स्कूल, मानसरोवर में आयोजित हुआ। प्रतियोगिता में टेबल टेनिस, क्रिकेट, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन, कैरम सहित विभिन्न खेलों के फाइनल मुकाबले खेले गए, वहीं लंबी कूद व ऊंची कूद में मुख्यालय विजेता रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि सचिव गोपाल सिंह रहे एवं अध्यक्षता मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल ने की। विजेता खिलाड़ियों को पारितोषिक देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में मुख्यालय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जनरल चैम्पियन का खिताब जीता, जबकि वॉलीबॉल में जोन तृतीय और क्रिकेट में जोन द्वितीय प्रथम रहे। आयोजकों ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताएं कर्मचारियों में आपसी समन्वय, स्वास्थ्य जागरूकता और कार्य क्षमता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। कार्यक्रम में महिला, वरिष्ठ एवं दिव्यांग कर्मचारियों की भी विभिन्न खेल स्पर्धाएं आयोजित की गईं।

“मातृ शक्ति” विषय केन्द्रित कार्यक्रम

जयपुर। श्रीअरविंद सोसायटी जयपुर केंद्र में 21 से 23 मार्च तक “मातृ शक्ति” विषय केन्द्रित कार्यक्रम हुए। सूरत से वरिष्ठ साधक केवलय स्मार्ट ने कहा कि नवरात्रि पर इस विषय पर सतसंग करना बहुत आनंद का विषय है। सत्य, चित्त और आनंद में जो चित्त शक्ति है, वही मातृ शक्ति है। जयपुर केंद्र के अध्यक्ष ए.के. सिंह ने कार्यक्रम के बारे में बताया कि सत्र में महर्षि अरविन्द के समग्र योग, अतिमानसिक योग, योग कैसे प्रारंभ करे, योग शक्ति के अवरोहण, कुण्डलिनी शक्ति तथा योग शक्ति के आत्मसात आदि योग विषय पर चर्चा हुई । सत्र में प्रश्न उत्तर का समय भी रखा गया। जयपुर केंद्र की सचिव लता तुलस्यान ने बताया कि अंतिम सत्र 23 मार्च को रहेगा।

कालिका पेट्रोलिंग यूनिट सक्रिय

जयपुर । शहर में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जयपुर पुलिस की ‘कालिका पेट्रोलिंग यूनिट’ लगातार सक्रिय है। पुलिस आयुक्तालय के निर्देश पर विशेष अभियान चलाकर सार्वजनिक स्थानों पर छेड़छाड़ और अभद्र हरकत करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त योगेश दाधिच के निर्देशन में गठित टीमों ने विभिन्न क्षेत्रों-जैसे शैक्षिणक संस्थानों, गर्ल्स हॉस्टल, पीजी, मॉल, पार्क और भीड़भाड़ वाले इलाकों में निगरानी बढ़ाई है। इसी क्रम में ज्योति नगर क्षेत्र में बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले एक मनचले को गिरफ्तार किया गया। वहीं झोटवाड़ा और शास्त्री नगर थाना क्षेत्रों में भी घरेलू हिंसा और महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार करने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ‘कालिका पेट्रोलिंग यूनिट’ द्वारा निर्भया हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों पर भी त्वरित कार्रवाई की जा रही है। महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर मोबाइल में सेव रखने की अपील की गई है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके।

गैस संकट के बीच साइबर ठगों का खतरा

जयपुर । राजस्थान में एलपीजी गैस सिलेंडर की बढ़ती मांग और संभावित कमी का फायदा उठाकर साइबर ठगों ने आमजन की मेहनत की कमाई पर हाथ साफ करना शुरू कर दिया है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने इस संबंध में एक विशेष एडवाइजरी जारी कर प्रदेशवासियों को सतर्क रहने की अपील की है। उपमहानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी मनोवैज्ञानिक दबाव और तकनीकी हेरफेर के जरिए लोगों को निशाना बना रहे हैं। पुलिस ने मुख्य रूप से पांच तरीकों की पहचान की है जिसमें ठग विभिन्न गैस कंपनियां की फर्जी वेबसाइट बनाकर लोगों को ऑनलाइन बुकिंग का झांसा देते हैं और उनकी बैंकिंग डिटेल्स चुरा लेते है। दूसरी अपराधी खुद को गैस एजेंसी का कर्मचारी बताकर कॉल करते हैं। वे केवाईसी अपडेट न होने पर कनेक्शन कटने या सब्सिडी रुकने का डर दिखाकर ओटीपी और यूपीआई पिन मांग लेते हैं। तीसरी आपकी सब्सिडी होल्ड पर है, तुरंत अपडेट करें जैसे मैसेज भेजकर फिशिंग लिंक्स पर क्लिक करवाया जाता है, जिससे मोबाइल का डेटा हैक हो जाता है। अपराधी एनीडेस्क या टीम व्यूअर जैसे ऐप डाउनलोड करवाते हैं, जिससे आपके फोन का पूरा कंट्रोल उनके पास चला जाता है ।

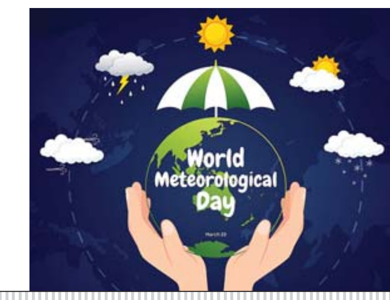

Understanding Weather, Securing the Future

Observed annually on March 23, World Meteorological Day marks the establishment of the World Meteorological Organization (WMO) in 1950. The day highlights the critical role of meteorology in safeguarding lives, supporting agriculture, strengthening disaster preparedness, and guiding climate action. Accurate weather forecasts and climate data help governments and communities respond to extreme events such as cyclones, heatwaves and floods. Each year, a specific theme focuses on pressing global climate concerns, encouraging innovation and international cooperation. The observance recognises meteorologists and climate scientists, whose work remains vital, in building resilient societies amid growing environmental challenges.

#THE TINY

New Bizarre

New Species Spotlight: Nature's Latest Additions of 2025

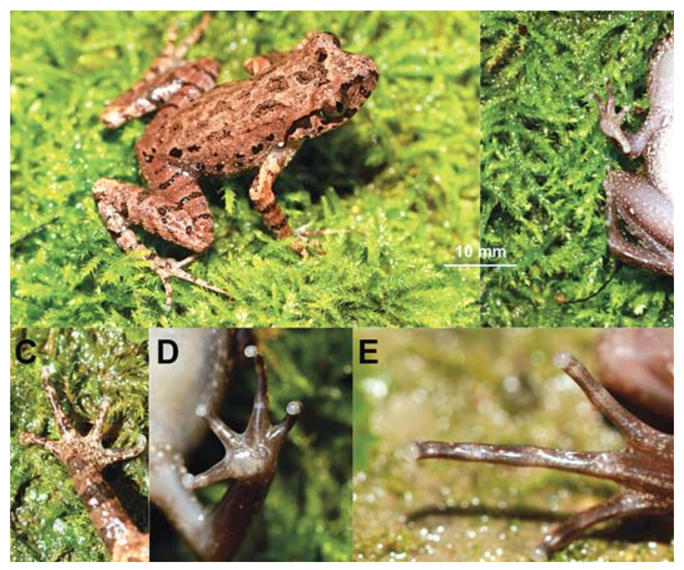

Every year, researchers unveil new life forms that expand our understanding of biodiversity. Here's a glimpse into newly described species that have been confirmed through scientific sources in 2025.

1. "Bone Collector" Caterpillar (Hawaii)

Discovery: A bizarre and carnivorous caterpillar, known as the 'bone collector,' was discovered in the Waianae mountain range of O'ahu, Hawaii. It lives among spider webs, feeds on trapped insects, and camouflages itself by attaching insect body parts, such as ant heads and fly wings, to its silk case.

Significance: This is the only known caterpillar that decorates itself with prey remains, turning its environment into a protective disguise. Its evolutionary lineage dates back at least six million years, older than the Hawaiian Islands themselves.

Conservation Concern: Extremely rare, only 62 individuals have been observed over two decades, and its limited habitat faces threats from invasive species.

2. Xishui Leaf-Litter Toad (Leptobrachella xishuiensis)

Discovery: A new leaf-litter dwelling toad species, Leptobrachella xishuiensis, has been described from bamboo forests in Xishui County, Guizhou Province, China.

Description: The toad features rudimentary webbed toes, a greyish-white belly, and purplish-grey limbs, chest, and throat. It was found at elevations around 1600 meters.

3. All-Black Bee of Molokai (Hylaeus paumako)

Discovery: Hylaeus paumako, a newly described bee species, was discovered on the Hawaiian island of Molokoi. It was officially described in 2025.

Notable Feature: Unique among its genus, both male and female specimens are entirely black, males especially lack the usual yellow facial markings. This is the first new bee identified on Molokai in over a century.

4. European Orchard Bee Expansion

Observation: The European orchard bee (Osmia cornuta) has established populations in southern England, particularly London's Greenwich, representing an expansion northward, likely facilitated by warmer, drier springs due to climate change.

Ecological Impact: This solitary bee is an excellent pollinator, especially for fruit trees, and thrives in urban environments using bee houses and cavities.

A bronze memorial and statue designed by Réunion artist Jack Beng-Thi in Sainte-Suzanne honors Edmond Albius, who discovered how to pollinate vanilla flowers by hand.

"He Invented And They Made The Money"

PART:2

Edmond, emancipated at 19, took a last name for the first time, becoming Edmond Albius. (Albus is Latin for white, like the vanilla orchid.) He had hoped to secure a job as a cook on a ship bound for France, but instead, he went to work in the home of a navy captain, earning 15 Francs per month and ten pints of rice per week, according to archival documents. One day in 1851, items were taken from his employer's home. On August 19, Edmond was arrested. According to official records from the time, Edmond confessed to stealing 'a pair of silver bracelets out of a Chinese casket, a small wallet and a silver chain.' The public records don't include other incriminating evidence, making it impossible to know definitively whether Edmond was guilty. He was sentenced to five years of hard labour and forced to pay the costs of his trial.

#ALL THAT'S GOOD

● Bulbul Joshi

To get a sense of what Bellevue might have looked like, one should spend an afternoon visiting Villèle, one of the island's best-preserved historic plantations, which operates as a museum and memorial to slavery. The main plantation house, completed in 1788, was home to the Panon Desbassayns and Villèle families. The house sits perched on a hill above the sea, with cream trim, blue shutters and a manicured garden. "It's a place of memory, where 470 slaves died, not from gunshots but exhaustion," says the guide, Patrick Coukan, himself descended from enslaved workers on Réunion. On a wall in the entryway hangs an enormous framed Desbassayns family tree extending across the centuries, tracing lines in Réunion and France. "The work of a slave was from three in the morning until nine at night," Coukan tells. "The only vacation was when they slept."

Farther inside, among antique furniture, Chinese porcelain and Baccarat crystal candelabras, iron shackles and framed plans for a transport ship, the Le Brookes, are displayed. "The biggest cemetery of Blacks, of slaves. The ocean, the seas of the world." The tour continues, leading around a corner. Above the Desbassayns' dining room table hangs a portrait of Edmond as an adult, posing in a white dinner jacket and bow tie, a vanilla vine in one hand. The image, completed in 1863, is a reproduction of a lithograph by a local artist, Antoine Roussin. "The inventor of the pollination of the vanilla flower," Coukan says, pausing in front of the portrait. "Plenty filled their pockets from his invention."

Though published reports claimed that Bellier-Beaumont rewarded Edmond for his discovery by granting his freedom, Jennings insists that never happened. Instead, he told me, Edmond remained in his master's charge until December 20, 1848, when abolition arrived, freeing the island's 62,000 enslaved people.

Côme demonstrates the method of échaudage, or scalding the green vanilla beans, immersing them in 145-degree water for three minutes, which prevents them from opening.

Edmond, emancipated at 19, took a last name for the first time, becoming Edmond Albius. (Albus is Latin for white, like the vanilla orchid.) He had hoped to secure a job as a cook on a ship bound for France, but instead, he went to work in the home of a navy captain, earning 15 Francs per month and ten pints of rice per week, according to archival documents. One day in 1851, items were taken from his employer's home. On August 19, Edmond was arrested. According to official records from the time, Edmond confessed to stealing 'a pair of silver bracelets out of a Chinese casket, a small wallet and a silver chain.' The public records don't include other incriminating evidence, making it impossible to know definitively whether Edmond was guilty. He was sentenced to five years of hard labour and forced to pay the costs of his trial.

More than 5,800 miles away, in Paris, an exotic spice shop offers vanilla products—including Côme's—from all over the world tucked inside its Vanilla Cellar, the Cave à Vanilles.

Farmer Louis Leichnig inspects vanilla beans on his farm in the commune of Saint-Philippe, where most of his plants grow clinging to the tall trunks of red palm trees.

Bellier-Beaumont pleaded for leniency, barraging the legal authorities with letters defending Edmond's character. The frayed, yellowing letters are now contained in the Departmental Archives in Saint-Denis. "Edmond certainly has indisputable rights to public gratitude and government clemency," he wrote in one letter, sent to the prosecutor general in 1855. "The country is indebted to him for a new branch of industry."

Though Bellier-Beaumont succeeded in getting Edmond released that year after three years in prison, Edmond never benefited from the fortunes his innovation produced. He moved back to Sainte-Suzanne, working odd jobs in agriculture and as a stonemason and a cook. He never returned to vanilla production. In 1871, he married, but he was widowed five years later. He died alone in 1880 at the age of 51. "The very man who, at great profit to this colony, discovered how to pollinate vanilla flowers, has died in the public hospital at Sainte-Suzanne," read his perfunctory obituary in the local Réunion newspaper. "It was a destitute and miserable end."

Réunion today is home to about 150 vanilla growers, a dramatic drop since the 1930s when several thousand blanketed the island. Each operates outside the global market, unable to keep pace with Madagascar and other fruitful vanilla-producing regions. Instead, Réunion growers almost exclusively serve a local and tourist clientele, marketing their pods as luxury goods.

Bertrand Côme is one such producer and an outspoken champion of Réunion vanilla. A native of the mountainous Vosges region of France, Côme came to Réunion as an agronomy student in 1987, completing a thesis on vanilla blights, and never left. "I fell in love with vanilla," he said. "I fell in love with Réunion."

Later, the vanilla beans dry in the sun for two weeks, followed by months of dehydrating the pods in the shade. Then, the dried beans are enclosed in a teak maturation trunk for at least a year.

The vanilla industry was already in crisis when he arrived. After Réunion's cooperative of vanilla growers, for which he initially worked, failed in 1995, he helped create its replacement, Provanille, becoming its director. Today, Provanille operates as a sort of central processing facility, transforming green vanilla from local farmers into cured black beans. In 2009, Côme opened his own picturesque vanilla business, La Vanilleraie, a tourist attraction on a historic estate, Le Grand Hazier, dating back to the 1670s, and still active as a sugar plantation.

Old quarters that housed enslaved workers, now used as offices for a local agricultural organization, line the edge of the property. In front of the old plantation house, newly restored but not yet open to visitors, Côme planted vanilla vines on neat rows of trees facing the sea. Where ruined stables, also restored, had been, he built a gift shop, selling vanilla beans, vanilla-infused jams and rums, and house-made vanilla ice cream for consuming on the property. (Given the price and potency of vanilla beans, no Réunion producers offer tastings of pure vanilla onsite.)

Côme collects vanilla beans at La Vanilleraie, his farm in Sainte-Suzanne, where he sells vanilla vinegar, rum jam, syrup and other vanilla-infused goodies.

Apart from one small yearly shipment to a boutique spice business in France, Côme sells all of his vanilla, around 300,000 dried beans annually, here in his shop. In 2024, he received 45,000 visitors, plenty enough to sell out, particularly in a challenging growing year when heavy rains and unusually high temperatures brought crop yields way down. "I had to close for a month because I didn't have enough vanilla," he said.

Côme processes his own vanilla along with beans from some 25 other small growers across the island. When the fresh green beans come into his curing facility, open to visitors next door to the gift shop, Côme plunges them into 145-degree water for three minutes, to 'kill' them, the échaudage, or scalding, part of the process, then wraps them in towels to steam for a day. From there, they're laid outside in wood racks to dry in the sun for two weeks, then transferred to wire racks inside, where they continue to dry out for a couple more months. Finally, they're sealed up in teak trunks for another year or so to 'finish developing the aroma,' Côme explained. Every batch is regularly checked and sorted to ensure no mold has developed. "Vanilla is not a lazy job."

Unusually, Côme marks the particular provenance of his vanilla beans, the location on the island where each batch was grown, which he sells at a premium in his shop, at 20 for a tube of three beans. Just as winemakers talk of 'terroir,' how the soil and location of the grapevines affect a wine's flavour, Côme is convinced that vanilla has similar nuances. The notion is novel, and controversial. Côme told me, "When I was at Provanille, all the growers were against it. They said, 'If I have bad terroir, my vanilla isn't going to sell as well. I'll have to charge less.'"

Leichnig inspects green vanilla beans, which grow deep in the forest on lands his family has farmed since the 1700s. Today, he specializes in "frosted" vanilla and other ultra-premium varieties.

Côme hopes to back up his theories with science. He's enlisted a graduate student from the Sorbonne in Paris to analyze the aromatic molecules in vanilla grown in different French territories, in Réunion, New Caledonia, Tahiti and Guadeloupe in the Caribbean. His research is just beginning. "The aroma of vanilla has 180 different molecules," Côme said. "The most important being vanillin, but there are plenty of others. It's this diversity that accounts for its particular taste." Côme is not alone among Réunion's producers in striving to find and sell vanilla's distinctive, if as yet, unrecognized qualities. Louis Leichnig is a veteran vanilla grower whose family has been on the island since the 18th century.

Leichnig looks like a character out of a Rudyard Kipling story, with an unruly white beard and a machete and a pith helmet woven from dried screw pine leaves, a local handicraft material. He grows his vines deep in the forest among wild citrus and litchi trees. "This is an old plantation," he said.

With a long stick, he pulled a vine off a tree, looping it back on itself before tying it to the tree again, a process known as bouclage. "We're stressing the plant," he said. "It wants to climb up there to reach the light. Here, it's humid. It will flower on these vines we brought down, and then we'll pollinate them to have beans."

More than 30 years ago, when he started processing green vanilla, curing techniques were closely guarded by a few dominant players. "It was almost colonial," he said. "We didn't have a recipe."

Today, Leichnig specializes in ultra-premium vanilla, a distinctive range of dried beans made with his own proprietary curing techniques. For example, he sells 'fresh' beans, a style he helped pioneer, that are only partially dried, the additional water content making them extra plump. But his real focus is 'frosted' vanilla, givrée in French, with such a high concentration of vanillin that big white crystals, sparkling like snowflakes, form along the outside of the bean as it dries. The crystals are a natural phenomenon, appearing unpredictably during the curing process, but Leichnig has mastered a technique, his own trade secret, for bringing them out every time. "We also buy with our eyes," he explained. The frosted vanilla's aromas were intense, the appearance quite striking, and Leichnig described its flavours when used in cooking as elegant and complex. "The whole history of vanilla comes from Réunion, and it continues," he said. "It's expensive to produce vanilla these days. We're not competitive. So, we're forced to deliver a different product, a product of quality."

Concluded.

rajeshsharma1049@gmail.com

The mansion at Villèle was once home to a sugar cane plantation. Today, it serves as a museum and memorial documenting the island's colonial past.

#BATHING

Did People in Medieval Times Really Bathe Only Once a Year?

Medieval Hygiene and Weddings: Bathing Once a Year, June Brides, and the Origins of Bridal Bouquets

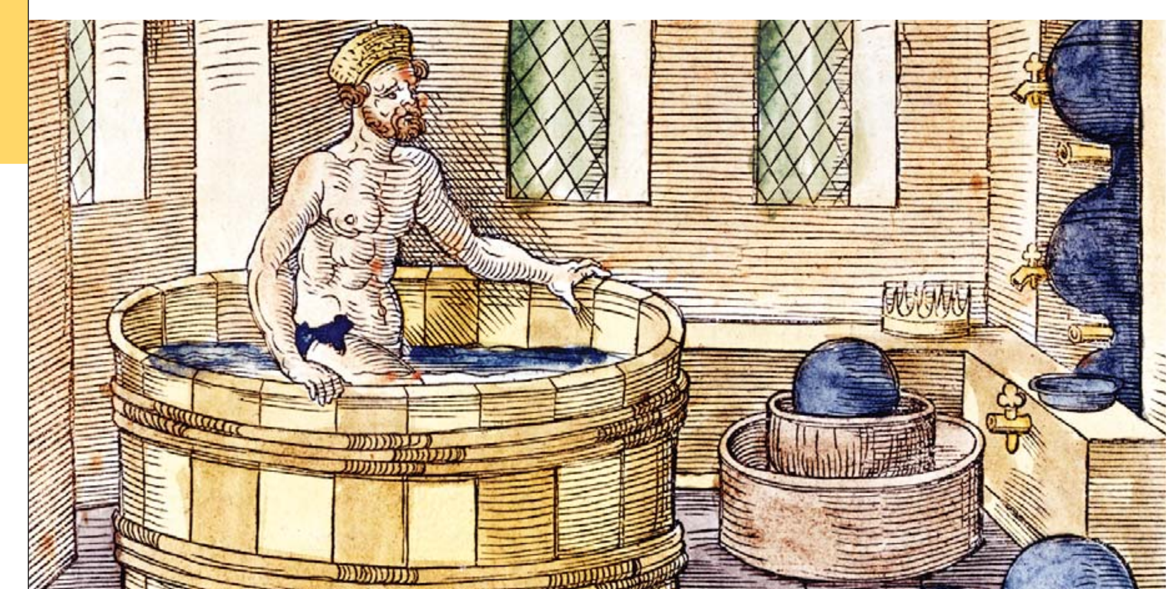

When we think of medieval Europe, images of castles, knights, and epic battles come to mind, but life in the Middle Ages was also marked by unusual (and sometimes unpleasant) hygiene practices and curious customs that still echo in our modern traditions.

You may have heard the claim that people bathed only once a year, that June was the most popular month for weddings, and that brides carried bouquets to mask body odour. But how much of this is truth, and how much is myth? Let's take a closer look.

Did People in Medieval Times Really Bathe Only Once a Year?

Partially true, but often exaggerated.

While it's a common belief that medieval people only bathed once a year, the reality is more nuanced. Bathing practices varied by time period, region, and social class.

- In early medieval Europe (500-1000 CE), frequent bathing declined with the fall of the Roman Empire, which had promoted public baths and hygiene.
- By the High and Late Middle Ages (1000-1500 CE), public bathhouses were found in many towns, and people bathed more often than commonly believed.
- However, during colder months, and especially in rural areas, bathing was less frequent, once or twice a year may have been the norm for the poor.

Soap existed, made from animal fat and lye, but was harsh and expensive. Wealthier individuals bathed more regularly, often in wooden tubs filled with heated water and scented herbs.

So, while some medieval people might have gone months without a proper bath, the 'once-a-year' idea is an oversimplification.

Why Were Weddings Popular in June?

Now, this one has some historical basis. June weddings were indeed popular in medieval Europe, and there are a few reasons why!

1. **Practicality:** After winter and early spring, June offered better weather, more available food, and easier travel for guests.
2. **Fertility and Pagan Roots:** The month of June was associated with Juno, the Roman goddess of marriage and childbirth, making it a lucky time to wed.
3. **Bathing Timing (Here's where the myth comes in):** It's often claimed that people took their annual bath in May, so by June, they were still 'fresh' enough for a wedding.

While amusing, there's little hard evidence that bathing schedules were this fixed. It's more likely that the combination of climate, tradition, and agricultural cycles made June an ideal month for marriage.

The Real Reason Brides Carried Bouquets

The idea that brides carried bouquets to mask body odour has become a popular tidbit in wedding trivia, but it's only partly true.

In medieval and Renaissance times, people did use fragrant herbs and flowers like lavender, rosemary, and garlic to ward off evil spirits, disease (especially the plague), and bad smells. So, bridal bouquets likely served symbolic and practical purposes.

- *Spiritual protection:* Herbs were thought to purify and protect.
- *Fragrance:* They may have helped with body odour, especially in hot weather or during long ceremonies.
- *Fertility and beauty:* Flowers symbolized new life and natural beauty.

Over time, the practical elements faded, and the bouquet became more decorative and symbolic, evolving into the elaborate floral arrangements that we see today.

Tradition, Myth, and a Bit of Both

So, did medieval people bathe once a year? Some did, but others bathed more often than we give them credit for. Did people get married in June because they were cleaner? Not exactly, but the timing made practical and spiritual sense. And did brides carry flowers to hide bad smells? Maybe a little, but also to invite blessings and ward off misfortune.

In short, like many traditions, the truth is a mix of practicality, superstition, and evolving custom. And while much has changed since the Middle Ages, these fascinating stories remind us how deeply the past continues to shape our present, even in ways we don't always realize.

THE WALL

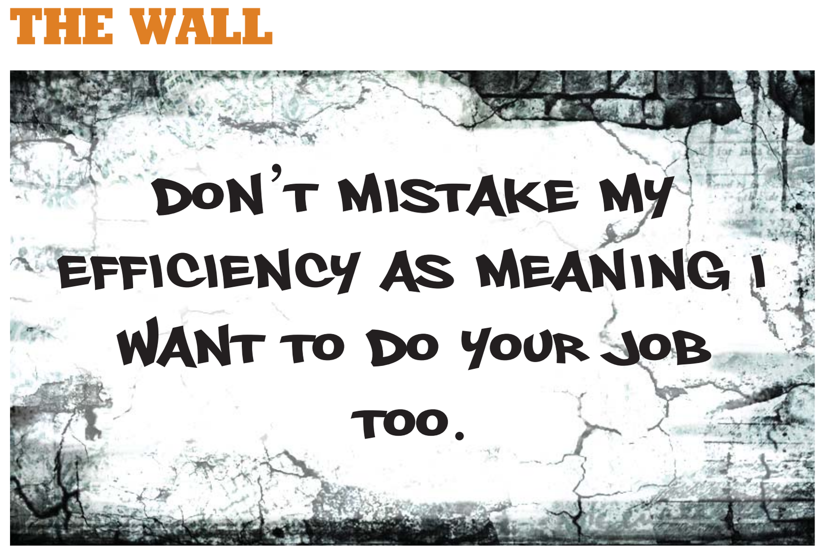

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

पावटा : हमले में घायल युवक की ढाई महीने बाद इलाज के दौरान मौत

बदमाशों ने युवक पर हमला कर दिया था, परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया था

पावटा, (निसं)। क्षेत्र के ग्राम बियावास में मालियों की ढाणी में दो महीने बीस दिन पहले हुए जानलेवा हमले के मामले में अब बड़ा मोड़ सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवक ने लंबा इलाज चलने के बाद आखिरकार शनिवार को दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में एक बार फिर से सनसनी फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, करीब दो महीने बीस दिन पूर्व कुछ बदमाशों ने युवक पर जान से मारने की नियत से हमला कर दिया था। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे परिजनों द्वारा तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पिछले दो महिने बीस दिन से उसका इलाज चल रहा था। परिजनों ने बताया कि युवक ने जिंदगी और मौत के बीच लंबी जंग लड़ी, लेकिन आखिरकार इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इसके बाद परिजन और ग्रामीण दोपहर मृतक युवक के शव को वाहन में लेकर विराटनगर थाना पहुंचे और थाना परिसर में धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी, परिजनों को आर्थिक सहायता और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। सूचना पर विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल, सीओ उमेश निठारवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष उत्तर सुरेश बादलीबाल मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से वार्ता की।

परिजन और ग्रामीण मांगों को लेकर विराटनगर थाना परिसर में धरने पर बैठ गए।

बादलीवाल ने फोन पर विधायक कुलदीप धनखड़ को मामले की जानकारी दी। इसके बाद विधायक की ओर से मृतका की पत्नी को संविदा पर नौकरी दिलाने, जनसहयोग से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद शाम करीब तीन बजे धरना समाप्त हुआ। इसके बाद परिजन शव को लेकर उपजिला चिकित्सालय पहुंचे, जहा चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में पुलिस ने पहले ही

- **मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी, परिजनों को आर्थिक सहायता और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई**

आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। अब युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले को हत्या में परिवर्तित कर लिया है।

विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि नामजद आरोपित राजकुमार सैनी, योगेश सैनी और कोमल सैनी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया था। मामले में फरार अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं ग्रामीणों ने दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

कोटा : घर में मृत अवस्था में मिली 50 वर्षीय महिला

परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस जांच में जुटी

कोटा, (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में एक 50 वर्षीय महिला अपने घर में मृत अवस्था में मिली। कमरे में महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर आरकेपुरम् थाना पुलिस टीम सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गये। मृतका के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

- **पुलिस टीम सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गये**

जानकारी के अनुसार आरकेपुरम् इलाके के गणेश नगर में एक घर में रविवार को महिला का शव मिला। बताया जा रहा है कि महिला घर में अकेली रहती थी। सूचना मिलने के बाद परिजन रिश्तेदार और पुलिस भी मौके पर पहुंचे। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब दूध वाला दूध देने आया और आवाज देने पर भी महिला ने दरवाजा नहीं खोला। आरकेपुरम् थानाधिकारी प्रशिक्षु आईपीएस सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि मृतका गणेशनगर निवासी बृजेश शर्मा (50) थी। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम लेकर मौके पर पहुंचे और साक्ष्य भी एकत्र किये गये हैं। मृतका महिला मकान में दूसरी मंजिल पर अकेली रहती थी और नीचे किराएदार रहते थे लेकिन अभी कोई नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही अन्य परिजन भी पहुंच गए थे। मृतका की मौत संदिग्ध है। मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पायेगा मामला दर्ज कर हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है।

आठ साल से लापता युवक परिवार से मिला

सूरतगढ़, (निसं)। किशनपुरा आबादी स्थित गुरु भरोसा सेवा संस्था की मानवीय सेवा का एक और उदाहरण रविवार को सामने आया है। संस्था ने आठ साल से लापता एक युवक को उसके परिवार से मिलवाया।

सेवादार सिकंदर सिंह, कृष्ण चौधरी और धनवीर सिंह हुंदल ने बताया कि 27 सितंबर 2023 को उप जिला चिकित्सालय सूरतगढ़ परिसर में एक अज्ञात पुरुष अचेत और असहाय अवस्था में मिला था। समाजसेवी सदस्यों ने उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिलवाकर संस्था में देखभाल के लिए पहुंचाया। संस्था में लाए जाने के समय युवक की हालत बेहद गंभीर थी। उसके बाएं पैर में गहरा घाव था, जिसमें सफेद कीड़े रेंग रहे थे और निचले हिस्से में मवाद भरा हुआ था। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह अपना पूरा पता भी नहीं बता पा रहा था। संस्था ने उप जिला चिकित्सालय के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत भूषण और राजकीय जिला चिकित्सालय श्रीगंगानगर के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम अग्रवाल के निर्देशन में युवक का उपचार शुरू कराया। लगातार इलाज, देखभाल और संस्था में मिले पारिवारिक माहौल से युवक की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। संस्था के पुनर्वास सेवादारों की लगातार पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम सुरेशराम और निवास ग्राम सोभरा, तहसील खटीमा (उत्तराखंड) बताया। इसके बाद संस्था ने खटीमा प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में उसका वीडियो प्रसारित करवाया, जिससे उसके परिजनों तक सूचना पहुंच सकी।

- **गुरु भरोसा सेवा संस्था ने युवक को पुनर्वास कराया**

सूचना मिलने पर सुरेशराम की मां, भाई और पत्नी संस्था पहुंचे। परिजनों ने बताया कि सुरेशराम करीब आठ वर्ष से घर से लापता था और काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला था। मां ने कहा कि उन्होंने तो मान लिया था कि सुरेश अब इस दुनिया में नहीं रहा, लेकिन आज ईश्वर ने उसे नया जीवन देकर वापस लौटा दिया। संस्था प्रबंधक समिति ने सुरेशराम को माला पहनाकर नए जीवन की शुरुआत के लिए प्रोत्साहित करते हुए विदाई दी। परिजनों ने संस्था और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। संस्था के मुख्य सेवादार ने बताया कि यह सेवा परमपिता परमात्मा की कृपा और समाजसेवी साथियों के सहयोग से संभव हो पाई है।

अवैध हथकढ़ शराब जब्त

गजसिंहपुर, (निसं)। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 लीटर अवैध हथकढ़ शराब बरामद की है। एएसआई रेशम सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में विरूराम पुत्र अमराराम नायक (52) को गिरफ्तार किया गया। विरूराम 10 एफएफ का निवासी है और उसे सड़क आम रोही 12 एफएफ से पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

हत्या का आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में डिग्गी थानाधिकारी गोपाल चौधरी के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा थाना डिग्गी क्षेत्र के कलमण्डा गांव में पीड़ित हकीम खान के ऊपर पेट्रोल डालकर जलाकर हत्या करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी अब्दुल रशीद अहमद पुत्र रमजान खान निवासी मालकोशनी तहसील बिलाडा जिला जोधपुर को कार्यवाही करते हुए 8 घंटो के अथक प्रयासों के बाद मण्डला जिला पाली से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर हुये कार हादसे में तीन जने घायल

कार सवार चार जने इंदौर से दिल्ली जाने के लिये निकले थे, बूढ़ादीत क्षेत्र में हादसा हुआ

कोटा, (निसं)। बूढ़ादीत थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार तड़के तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार चालक को छोड़कर कार में सवार तीन जने घायल हो गये, चालक को हल्की चोटें आई। जानकारी के अनुसार कार में सवार चार जने इंदौर से दिल्ली जाने के लिये निकले थे। बूढ़ादीत क्षेत्र में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। घटना की सूचना मिलते ही बूढ़ादीत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हादसे में घायलों को प्राथमिक उपचार के लिये सुल्तानपुर चिकित्सालय लाया गया, जहां से घायलों को कोटा रैफर किया गया।

- **कार चालक ने बताया कि नींद की झपकी लगने से कार अनियंत्रित हो गई थी**

बूढ़ादीत थानाधिकारी दिप्ती ने बताया कि चार जने कार से इंदौर से दिल्ली जा रहे थे, बूढ़ादीत क्षेत्र में मंडावर टोल से कुछ दूरी पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। थानाधिकारी ने बताया कि कार चालक ने बताया कि नींद की झपकी लगने से कार अनियंत्रित हो गई थी। कार हादसे में घायलों में दिल्ली निवासी आशु (28), किशन (30) और संदीप (30) के चोटें आई है वहीं कार चालक सुमित के हल्की चोट आई। घायलों को तत्काल गाड़ी से निकाला और उपचार के लिये अस्पताल भिजवाया गया।

बदमाशों ने वाहनों में तोड़फोड़ की

कोटा, (निसं)। नान्ता थाना इलाके में कुछ बदमाशों नें एक घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की एवं एक जने के साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गये। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट नान्ता थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार नान्ता इलाके के सुखाड़िया आवासीय योजना इलाके में शनिवार देर रात्रि को आठ-नौ बदमाश डंडे, सरिया व अन्य हथियार लेकर आये और घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ करने लगे। आवाज सुनकर जब पीड़ित आशिक हुसैन बाहर आया तो बदमाशों ने उस पर हमला कर उसके साथ मारपीट कर दी और मौके से फरार हो गये। अचानक हुई घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

किराना दुकान में भीषण आग लगने से सामान जला

बीकानेर, (निसं)। यहां देशनोक क्षेत्र में देर रात किराना दुकान में भीषण आग लग गई। वहीं आग पर रविवार सुबह काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन सामान जलकर राख हो गया। शनिवार देर रात नेशनल हाइवे पर रासीसर बस स्टैंड के समीप स्थित एक किराना (परचून) दुकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन टीम की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

- **गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार देर रात आग लग गई थी, लेकिन रविवार सुबह तक आग ने उग्र रूप ले लिया। सुबह के समय दुकान से अचानक धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दी। सूचना मिलते ही तत्काल अग्निशमन टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। इस दौरान देशनोक नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंधड़ा के समन्वय से राहत कार्य तेजी से शुरू हुआ। दमकल वाहन चालक मनोहर दान ने मुस्तैदी दिखाते हुए कम समय में मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। फायरमैन धनराज ने टीम के साथ मिलकर आग पर काबू पाने का मोर्चा संभाला और लपटों को आसपास फैलने से रोक लिया।

हालांकि आग की चपेट में आने से दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

नगरपालिका प्रशासन ने व्यापारियों और आमजन से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में बिजली की वायरिंग की नियमित जांच करवाएं और अग्नि सुरक्षा उपकरणों को क्रियाशील रखें। साथ ही किसी भी प्रकार की चिंगारी या शॉर्ट सर्किट के संकेत को नजरअंदाज न करें। स्थानीय नागरिकों और दमकल कर्मियों की तत्परता से एक बड़ा आर्थिक और जनहानि का खतरा टल गया।

मकान से लाखों के जेवर व नकदी चोरी

सायला, (निसं)। सायला थाना क्षेत्र के खरल गांव में अज्ञात चोरों ने एक रहवासीय मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार के एक सदस्य घर के बाहर सो रहे थे, बाकी अन्य बाहर गए हुए थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

खीमाराम पुत्र वेलाराम देवासी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनका रहवासीय मकान रबारियों के वास में स्थित है। उनका पुत्र मादाराम वर्तमान में देशावर गया हुआ है और पुत्रवधू अपने पीहर गई हुई थी। घर पर खीमाराम अकेले ही थे। 21-22 मार्च की रात्रि को खीमाराम कमरे का ताला लगाकर बाहर ओसरी में सो गए थे। सुबह करीब 6 बजे जब वे उठे और कमरा खोला, तो उनके होश उड़ गए। कमरे के पीछे की खिड़की टूटी हुई थी और सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने कमरे में रखे मंजूस का ताला तोड़कर उसमें रखे स्टील के डिब्बे को अपना निशाना बनाया। पीड़ित के अनुसार अज्ञात चोर चांदी के लगभग 4.5 किलोग्राम और सोने के लगभग 250 ग्राम आभूषण के अलावा 25 हजार रुपए नकद राशि चुराकर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। घर के पिछवाड़े और कमरे के पास अज्ञात चोरों के पैरों के निशान मिले हैं, जिनके आधार पर पुलिस ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

भरतपुर में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

पीहर पक्ष ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया, पुलिस ने जांच शुरु की

बयाना/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के गांव बंसी पहाड़पुर में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला कमरे में अकेली सो रही थी सुबह जब उसका पति कमरे में गया तो उसका शव छत के कुंदे से लटका हुआ था। महिला के भाई ने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए परेशान करने की एफआईआर दर्ज कराई है।

सनी निवासी कुबेर गढ़ी जिला फिरोजाबाद ने एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया कि मैंने अपनी बहन नगमा की शादी 3 महीने पहले कुरान निवासी बंसी पहाड़पुर से की थी। शादी में बहन के लिए खूब दहेज दिया था। उसके बाद भी मेरा जीजा कुरान शराब पीकर मेरी बहन नगमा के साथ मारपीट करता और दहेज की मांग करता था। कुरान नगमा से बाइक की डिमांड करता था। इसी बात को लेकर देर रात मेरी बहन नगमा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना कुरान ने फोन पर शनि को दी, जिसके बाद रविवार को उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के समय महिला कमरे में अकेली सो रही थी। महिला का पति दूसरे कमरे में सो रहा था। जब सुबह महिला का पति उठकर कमरे में गया तो महिला का शव छत के कुंदे से लटका हुआ था। महिला के शव को उतार कर अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

फलोदी में हुए रावल सिंह हत्याकांड के बाद लोगों में आक्रोश

मांगों को लेकर समाज के लोग मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज के फलोदी में शनिवार को हुए रावल सिंह हत्याकांड के बाद रविवार को समाज के लोग मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। समाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि मृतक के साथ पिछले साल नवंबर 2025 में बदमाशों ने मारपीट कर उसके हाथ-पैर तोड़ दिए थे, लेकिन पुलिस ने मिलीभगत कर आरोपियों को थाने से ही छोड़ दिया। प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। परिजनों और समाज के लोगों ने धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने की मांग की। धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से बहस हो गई। साथ ही धरनार्थियों ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को लेकर भी नाराजगी जताई।

- **लोगों का आरोप है कि युवक रावल सिंह के साथ पिछले साल भी बदमाशों ने मारपीट कर हाथ-पैर तोड़ दिए थे, लेकिन पुलिस ने मिलीभगत कर आरोपियों को थाने से ही छोड़ दिया था**
- **फलोदी के भीखमकोर गांव के मुख्य स्टैंड पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने पुरानी रंजिश के चलते रावल सिंह पातावत को गोलियों से भून दिया था और फरार हो गए थे**

जानकारी के अनुसार फलोदी के भीखमकोर गांव के मुख्य स्टैंड पर शनिवार दोपहर तीन बजे बाइक पर सवार होकर पहुंचे तीन बदमाशों ने पुरानी रंजिश के चलते रावल सिंह पातावत (26) को ताबड़तोड़ गोलियों से भून दिया, जिसके बाद वह खून से लथपथ हालत में जमीन पर गिर गया, तो बदमाशों ने पास जाकर सिर में गोली मार दी। तीनों बदमाश हेलमेट लगाकर आए थे। वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी घटनास्थल पर पहुंचे थे।

मारवाड़ राजपूत समाज समाज के हनुमान सिंह खांगटा ने बताया कि उसके साथ पहले भी मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें उसके हाथ-पैर तोड़ दिए गए थे। इस मामले में पुलिस की ओर से लापरवाही बरती गई और आरोपियों को जमानत मिल गई। जिसके चलते अब रावल सिंह को जान गंवानी पड़ी। इस मामले में उन्होंने मांग की है कि हम यही चाहते हैं कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने की मांग की।

समाज के नेता शंभूसिंह मेड़तिया ने कहा कि इस मामले में पुलिस और अपराधियों का गठजोड़ दिख रहा है। ओसियां क्षेत्र में अपराध पनप रहा है, लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। इस घटना से पूर्व में मृतक रावलसिंह के हाथ-पांव तोड़ दिए गए, लेकिन पुलिस, डॉक्टर आदि की मिलीभगत से आरोपियों को थाने में ही फ्री कर दिया गया। इस घटना के बाद अपराधियों के हौसले बुलंद हुए। जिसके बाद उन्होंने इस हत्याकांड को अंजाम दे दिया। हमारी मांग है कि इस मामले में मृतक के आश्रितों को नौकरी दी जाए, आर्थिक सहायता दी जाए, इसके साथ ही आरोपियों के मकान पर बुलडोजर चलाया जाए। हमारा यदि इस मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई नहीं की तो आने वाले दिनों में उठा प्रदर्शन किया जाएगा।

मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे समाज के नेता इस दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर से नाराज दिखे। धरने में मौजूद लोगों का कहना था कि विधानसभा क्षेत्र लोहावट का यह मामला है, लेकिन अभी तक ना वह खुद यहां पहुंचे और ना ही कोई प्रशासनिक अधिकारी उनसे बात करने पहुंचा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर भी कहा कि उनको समाज के लोगों ने वोट दिए थे, लेकिन धरना स्थल पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित नहीं किया, जिसके चलते अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे और अभी तक परिवार न्याय के इंतजार में है।

तेल के पीपे चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। पड़ाव स्थित जनता मार्केट में तेल व्यापारी के गोदाम से हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 22 तेल के पीपे भी बरामद कर लिए हैं, जिनकी कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

प्रकरण के अनुसार 19 मार्च को फायसागर रोड स्थित विकास कॉलोनी निवासी लेखराज गोलानी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 18 मार्च की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने गोदाम पर ताला लगाकर घर गए थे। अगले दिन सुबह जब वह वापस दुकान पर पहुंचे तो गोदाम का ताला टूटा हुआ मिला और अंदर रखे फॉर्च्यून तेल के 22 पीपे गायब थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। पड़ाव क्षेत्र से लेकर आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। जांच के दौरान आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

थाना प्रभारी भीखाराम काला के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में आबू नगर (उत्तर प्रदेश) निवासी अजगर खान, खादिम मोहल्ला निवासी सलीम और फूल गली निवासी अशरफ शामिल हैं। पुलिस इनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यह चोरी अजमेर दरगाह थाना क्षेत्र निवासी सलमान के कहने पर की थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी सलमान की तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों ने पहले बाइक की मदद से तेल के पीपे चोरी किये और बाद में ई-रिक्शा से उन्हें स्थानांतरित किया। सभी 22 पीपे फूल गली स्थित एक रेस्टोरेंट में छिपाकर रखे गए थे, जहां से पुलिस ने उन्हें बरामद कर लिया।

गेहूं की आड़ में उगाई जा रही अफीम की फसल बरामद

80 किलो 400 ग्राम वजनी अफीम के पौधे जब्त किए

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की पारोली थाना पुलिस ने सरा का खेड़ा क्षेत्र में गेहूं के खेत की आड़ में उगाई जा रही अफीम की फसल बरामद कर 80 किलो 400 ग्राम वजनी पौधे जब्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी सियाराम को 20 मार्च को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि सरा का खेड़ा की सरहद पर एक गेहूं के खेत के किनारे अवैध रूप से अफीम की बुवाई की गई है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर खेत का निरीक्षण किया। तलाशी के दौरान गेहूं की फसल के बीच बड़ी चतुराई से उगाए गए अफीम के छोटे-बड़े 5595 पौधे पाए गए, जिनमें डोडे लगे हुए थे। पुलिस ने खेत से बरामद अफीम के पौधों को उखाड़कर उनका वजन करवाया, जो कुल 80 किलो 400 ग्राम पाया गया। पुलिस ने पौधों को कब्जे में लेकर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) राजेश आर्य और वृताधिकारी (कोटड़ी) सुरेश कुमार के निकट सुपरविजन में की गई।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी सियाराम के साथ हेड कांस्टेबल हरिराज, कांस्टेबल भागीरथ (विशेष योगदान), मनीष, सुनील, शिवराज, श्योपाल, शैतान सिंह, मनोज और राजेश कुमार शामिल थे।

कैलादेवी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

करौली, (निसं)। कैलादेवी के चैत्र नवरात्र मेले में सातवें दिन एक बार फिर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार को लगभग 3 लाख श्रद्धालुओं ने मां कैलादेवी के दर्शन किए। 16 मार्च से शुरू हुए मेले में अब तक करीब 19 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। अमावस्या और पड़वा पर भारी भीड़ के बावजूद प्रशासन ने व्यवस्थाएं संभाली। श्रद्धालुओं ने जयकारों और लांगुरिया गीतों के साथ दर्शन किए।

- **16 मार्च से शुरू हुए मेले में अब तक करीब 19 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं**

ट्रस्ट के लीगल एडवाइजर संतोष सिंह ने बताया कि सप्तमी, अष्टमी और रामनवमी पर और अधिक भीड़ की संभावना है।

मंदिर ट्रस्ट के सोल ट्रस्टी कृष्ण चंद्रपाल के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विशेष प्रबंध किए गए हैं। वहीं लोगों के लिये रास्ते में कई जगह पर खाने-पीने के लिये भंडारे लगा रखे है। कैलादेवी के चैत्र नवरात्र मेले में हजारों की तादात में भक्त रास्ते में गीत गाते हुये दिखाई दे रहे हैं। मेले में आने वाले लोगों में मेले को लेकर एक अलग ही उत्साह बना हुआ है।

संक्षिप्त

बाइक फिसलने से दो घायल

निवाई। बाईपास पर स्थित महावीर ढाबे के पास एक बाइक फिसल गई। जिससे बाईक सवार दो जने घायल हो गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को एम्बुलेंस से उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने दोनों का प्राथमिक उपचार करने के टोंक रैफर कर दिया। थानाधिकारी घासीराम मीणा ने बताया कि रविवार की दोपहर विक्की वाल्मीकि पुत्र रामदयाल निवासी कोटा व अर्जुन वाल्मीकि पुत्र घनश्याम निवासी बूंदी बाईक पर सवार होकर टोंक की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक फिसल गई। जिससे दोनों गंभीर घायल हो गए।

प्रभात फेरी में गूंजे जयश्रीराम के जयघोष

निवाई। हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 व चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व के उपलक्ष्य में सूर्य की प्रथम किरण के साथ हिंदू समाज के लोगों ने भव्य प्रभात फेरी निकाली। जिससे आस-पास का वातावरण भक्तिमय हो गया। प्रभात फेरी के दौरान बस स्टैंड सर्किल पर विधि-विधान के साथ सनातन ध्वज की स्थापना की गई। कार्तिक पारीक एव लक्ष्य शर्मा ने बताया कि ध्वज स्थापना से पूर्व शनिवार संध्या को कईधार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। उन्होंने बताया कि बालाजी भक्त मंडल जमात, विश्वनाथ सागर मंडल एवं बस स्टैंड बालाजी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन करक महाआरती की गई। महाआरती करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। इस दौरान युवाओं ने केसरिया झंडे लहराते हुए जय श्रीराम के जयघोष लगाएं। जिससे आस-पास को वातावरण धर्ममय हो गया।

'सृष्टि की जननी है भगवती योगमाया कुष्मांडा'

दौसा । धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत ने भगवती कुष्माण्डा की महिमा पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भगवती योगमाया राजराजेश्वरी मां कुष्माण्डा को जगत की रचयिता (आदिशक्ति) माना जाता है। धर्माचार्य डॉ.परमेश्वर गंगावत रविवार को दौसा में आयोजित श्रीमद् देवीभागवत कथा ज्ञानयज्ञ के चौथे दिन व्यासपीठ से बोल रहे थे। उन्होने कहा कि जगत जननी मां कुष्माण्डा का निवास स्थान सूर्यमंडल है जो कि जगत को अंधकार से प्रकाश की ओर अग्रसर करती है ओर जीवन में व्याप्त अंधकार को दूर करती है। उन्होंने कहा कि भगवती राजराजेश्वरी जीवन में व्याप्त अंधकार एवं नकारात्मक दु:खो का परिहार करने वाली है। देवीभागवत का श्रवण करने मात्र से व्यक्ति के जीवन में व्याप्त अंधकार का नाशहोता जाता है। इस अवसर पर एडवोकेट भुवनेश्वर गंगावत, एडवोकेट राजेंद्र गुर्जर, डॉ सूरज शर्मा, नरेंद्र शर्मा, खुशीराम माठा, डॉ शिव शर्मा, राहुल सोनी, शंभू सोनी, कमलेश बाली, सुरेश सोनी, विष्णु शर्मा, राहुल बन्ना, एडवोकेट लक्ष्मीकांत शर्मा, आकाश शर्मा, भानुपटेल, पण्डित श्याम शर्मा, लोकेंद्र शर्मा, कमलेश एवं मुख्य यजमान राजेश सोनी, ओमप्रकाश सोनी, गोपाल सोनी सहित उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री का फुलेरा आगमन आज

फुलेरा। राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को फुलेरा मार्ग से होते हुए शाकंभरी माता के दर्शन हेतु प्रस्थान करेंगे। इस अवसर पर राजस्थान विप्र महासभा फुलेरा की ओर से उनका स्वागत सत्कार कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जानकारी देते हुए महासभा के महामंत्री शैलेन्द्र शर्मा ने बताया कि यह कार्यक्रम जोबनेर रोड स्थित परशुराम भवन, विप्र वाटिका के सामने अपराह्न 3 बजे आयोजित होगा। महासभा के अध्यक्ष राजू दाधीच ने सभी विप्र बंधुओं से अनुरोध किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएं तथा समय का विशेष ध्यान रखें।

गणगौर माता की सवारी निकाली

मनोहरपुर । स्थानीय कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में गणगौर का पर्व को श्रद्धा के साथ मनाया गया !कस्बे के धूलेश्वर कॉलेज प्रांगण में गणगौर का मेला लगा जिसमे मेले में आए हुए लोगो ने झूला झूलकर आइसक्रीम खाकर मेले का आनन्द लिया !मनोहरपुर में गणगौर की सवारी नगर पालिका प्रांगण से बड़े ही धूमधाम व गाजे बाजे और लवाजमे के साथ निकली !

'संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण पर निर्भर करती है'

कोटपूतली। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के तहत भाजपा उत्तर मंडल द्वारा ग्राम सांगटेड़ा के पीला जोहड़ स्थित बालाजी मंदिर में प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि विधायक

■ **पटेल ने प्रशिक्षणार्थियों को पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं संगठन विस्तार को लेकर विस्तार से जानकारी दी व कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के मद्देनजर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया**

हंसराज पटेल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुये कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और समर्पण पर निर्भर करती है।

पटेल ने प्रशिक्षणार्थियों को पार्टी की नीतियों, विचारधारा एवं संगठन विस्तार को लेकर विस्तार से जानकारी दी। वहीं कार्यकर्ताओं से आगामी चुनावों के मद्देनजर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने का आव्हान किया। अध्यक्षता मण्डल अध्यक्ष एड. रमेश रावत ने की।

भाजपा कोटपूतली उत्तर मंडल का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हुआ।

प्रशिक्षण वर्ग में सात सत्र हुये जिनमें प्रथम सत्र के वक्ता जिला महामंत्री एड. सुरेंद्र सिंह चौधरी ने विषय वैचारिक अधिष्ठान पर, दूसरे सत्र के वक्ता भाजपा नेता गुड्डू सैनी ने भाजपा का इतिहास व विकास, तृतीय सत्र के वक्ता पूर्व प्रधान विक्रम सिंह तंवर ने कार्य पद्धित, पंचम सत्र के वक्ता भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेष महामंत्री एड. हीरालाल रावत ने केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियां व कियान्वयन, छठे सत्र के वक्ता प्रदेश प्रवक्ता पंकज मीणा ने सोशियल मीडिया, एआई, नमो एप, सरल एप व सप्तम सत्र में भाजपा नेता उपेन यादव ने बूथ प्रबंधन की बात कही। संचालन एड. चेतराम रावत ने किया। इस दौरान पूर्व प्रधान विक्रम सिंह तंवर, पूर्व मण्डल अध्यक्ष शेरसिंह यादव, मंडल महामंत्री सोनू चौधरी, सुरेंद्र सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सोमा देवी, दुलीचंद यादव, विजय सिंह शेखावत, अशोक मान, कैलाश वाल्मीकी, मण्डल मंत्री शकुंतला देवी, विक्रम रावत, सुभाष धानका, कोषाध्यक्ष अड़ीसाल गुर्जर, एस.टी मोर्चा मण्डल अध्यक्ष महेश धानका, महिला मोर्चा अध्यक्ष रेखा जांगिड़, मूलचंद चौधरी, हरिकिशन यादव, सोनू सिंह, हंसराज रावत, झाबरमल रावत, अशोक सिंह, गुलझारी यादव, विद्यानंद यादव, सतवीर सरपंच, राजेश जांगल, लालचंद योगी, कैलाश जांगिड़, साक्षी यादव, ओमप्रकाश यादव समेत बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने शोध संस्थान का निरीक्षण किया

टोंक। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने रविवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी-फारसी शोध संस्थान का अवलोकन किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिव श्रीनिवास कोटा से जयपुर जाते समय टोंक में शोध संस्थान की स्थिति देखने पहुंचे। इस मौके पर राजस्थान प्रोग्रेसिव कमेटी के सचिव सरताज अहमद एडवोकेट, समाज सेवी मोइनुद्दीन निजाम, पूर्व विधायक कमल बैरवा, विभिन्न संगठनों से जुड़े मुमताज राही, बार एसोसियशन के पूर्व अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, आमिर फारूख, अमजदुल्लाह खां आदि ने मुख्य सचिव से मुलाकात की तथा मौलाना अबुल कलाम आजाद अरबी फारसी शोध संस्थान के बारे में जानकारी दी। इस मौके पर मुख्य सचिव ने बताया कि देश में अरबी-फारसी के संस्थान बहुत कम है, इसलिए इसके संरक्षण किए जाने का उन्होंने भरोसा दिलाया, साथ ही यहां पर रिक्त पदों को भरे जाने पर भी चर्चा की। उल्लेखनीय है कि टोंक प्रोग्रेसिव कमेटी शोध संस्थान के लिए पिछले कई महिनों से अभियान शुरू किए हुए हैं। कमेटी के सरताज अहमद ने बताया कि राजस्थान की इस सांस्कृतिक विरासत के हालत ठीक नहीं है। यहां पर 46 पदों में से 10 पदों पर भी कार्मिक कार्यरत नहीं है।

कलेक्ट्रेट कार्यालय पर जोधपुरा संघर्ष समिति का महापड़ाव आज

कोटपूतली। अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ एनजीटी भोपाल द्वारा दिये गये निर्देषों की समय सीमा 03 माह तय करने के बावजूद पालना नहीं होने से जोधपुरा संघर्ष समिति के धरणार्थियों में जिला प्रषासन के प्रति गहरी नाराजगी व्याप्त हैं।

सामाजिक कार्यकर्ता राधेष्याम शुक्लावास ने बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के खिलाफ एनजीटी भोपाल द्वारा विगत 03 नवम्बर 2025 को निर्णय जारी किया गया था एवं जिला कलक्टर कोटपूतली-बहरोड़ को पालना के लिये आदेशित किया गया था। लेकिन समय सीमा 03 माह तय करने के बावजूद पालना नहीं होना विचारणीय बिंदु है। इसको लेकर जोधपुरा संघर्ष समिति ने सोमवार 23 मार्च को शहीद दिवस पर जिला कलेक्ट्रेट पर महापड़ाव का निर्णय लिया हैं। इससे पूर्व कस्बे के नगर परिषद पार्क में प्रात: 11 बजे जनसभा का आयोजन होगा। जिसके बाद वहां से एकत्रित होकर पैदल मार्च कर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचकर धरना प्रदर्षन किया जायेगा।

कालाडेरा में दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर संपन्न

चौमूं / कालाडेरा। भाजपा देहात मंडल कालाडेरा (चौमूं) के तत्वावधान में ग्राम चारणवास (आलीसर) स्थित स्वीट वॉइस स्कूल में आयोजित दो दिवसीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण शिविर का रविवार को सफलतापूर्वक समापन हुआ। शिविर के दूसरे दिन भाजपा के भाजपा मुख्य प्रवक्ता राजस्थान व पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने मुख्य वक्ता के रूप में शिरकत कर कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

विचारधारा और सुशासन पर जोर प्रशिक्षण शिविर के वैचारिक अधिष्ठान सत्र को संबोधित करते हुए रामलाल शर्मा ने कहा कि पार्टी की रीति-नीति, गौरवशाली इतिहास और विकास की यात्रा ही हमारी वास्तविक शक्ति है। उन्होंने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से मंडल से लेकर प्रदेश स्तर के कार्यकर्ताओं को सुशासन के संकल्प और संगठनात्मक सिद्धांतों से जोड़कर अधिक ऊर्जावान बनाया जा रहा है। प्रशिक्षण से कार्यकर्ता वैचारिक रूप से

■ **117 कार्यकर्ताओं ने लिया सुशासन का संकल्प**

परिपक्व होकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में सेतु का कार्य करेंगे। प्रशिक्षण के दूसरे दिन विभिन्न वक्ताओं ने महत्वपूर्ण सांगठनिक विषयों पर व्याख्यान दिए।

पंकज मीणा ने सोशल मीडिया, ए.आई, नमो ऐप व सरल ऐप के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी।सांवरमल चौधरी ने कार्यपद्धति, मनोज भूषण ने कार्य विस्तार की हमारी दृष्टि और रघुवीर चौधरी ने बूथ प्रबंधन विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इससे पूर्व सत्रों में केंद्र व राज्य सरकार की उपलब्धियों और क्रियान्वयन पर भी विस्तृत चर्चा की गई। दो दिवसीय इस शिविर में कुल 117 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में पंचायत समिति गोविंदगढ़ के प्रधान रामस्वरूप यादव, मंडल अध्यक्ष लालचन्द यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष बनवारीलाल शर्मा, वर्ग प्रभारी मुकेश चोपड़ा, श्रीकृष्ण स्वामी, उपाध्यक्ष शिम्भू सिंह निर्बाण, ललिता शर्मा, ओमप्रकाश जांगिड़, जनप्रतिनिधि में नारंगी देवी कुमावत, गीता देवी यादव, सुल्तान बुनकर, जगदीश करीरा, बाबूलाल यादव, मंडल मंत्री राजेन्द्र बलवंत, पूजा देवी चौधरी, महेन्द्र नेतड, विकास कुमावत, कमलेश खेरवाल, कोषाध्यक्ष प्रभूदयाल शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष एकता कंवर, एससी मोर्चा अध्यक्ष लालचन्द बुनकर और किसान मोर्चा कार्यवाहक अध्यक्ष विरेन्द्र सिंह शेखावत सहित शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष व अनेक जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के समापन पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार करेगा, जिससे संगठन आगामी समय में नई ऊंचाइयों को छुएगा।

मुख्य अभियन्ता ने एलिवेटेड सड़कों का निरीक्षण किया

भरतपुर। सार्वजनिक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता कौशलेंद्र भारद्वाज ने भरतपुर शहर में प्रगतिरत एलिवेटेड रोड़ परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर कार्यों का मौके पर निरीक्षण किया। मुख्य अभियन्ता द्वारा सभी कार्यों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण करने हेतु निर्देश प्रदान कर निर्माण कार्यों में आ रही बाधाओं यथा, बिजली, पानी, सीवर लाइनों को संबंधित विभाग एवं प्रशासन के साथ मिलकर निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गये।

मुख्य अभियन्ता द्वारा कार्यस्थल हीरादास से कुम्हेर गेट एवं काली बगीची से आर.बी.एम. हॉस्पीटल वाया बिजलीघर का निरीक्षण किया एवं संवेदक मैसर्स पीएनसी इंफ्रा लिमिटेड व मैसर्स केसीसी बिल्डकॉन प्रा. लि. के प्रतिनिधियों को प्रगति बढ़ाने हेतु सख्त हिदायत दी। उन्होंने काली बगीची से बिजलीघर होते हुए आर.बी.एम. हॉस्पीटल वाले एलिवेटेड रोड़ की धीमी प्रगति को लेकर नाराजगी व्यक्त की गयी। उन्होंने दोनों कम्पनियों के कंस्ट्रक्शन यार्ड का भी निरीक्षण किया।

वन राज्यमंत्री संजय शर्मा ने रक्तदान शिविर में शिरकत की

अलवर । वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज शहीद दिवस के अवसर पर रक्तदान महादान फाउंडेशन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की हौसला-अफजाई की।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने रक्तवीरों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पडने पर व्यक्ति को जीवनदान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऐसे आयोजनों में निरन्तर बढती भूमिका विकसित राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा की भावना से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय कदम है जिससे हमारी युवा पीढी को जीवमात्र की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को रक्तदान में बढ़-चढक़र भागीदारी निभानी चाहिए।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने रक्तवीरों को सम्मानित किया।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने नगर वन में अपने प्रतिदिन पौधारोपण के संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

उन्होंने आमजन से अव्हान किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा शुरू किए गए एक पेड मां के नाम अभियान के तहत कम से कम एक पौधा ना केवल लगाए, बल्कि उसकी समुचित देखभाल कर धरती मां के प्रति अपनी कृतज्ञता अर्पित करें। इस योजना का लाभ ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित मकान व भूखंडों की स्वामित्वधारी पंचायती राज विभाग से संपर्क कर उठा सकते हैं।

शीतलदास बाबा की बगीची में सुंदरकांड पाठ का आयोजन

फुलेरा। कस्बे में रविवार शाम धार्मिक आस्था और भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला, जब शीतलदास बाबा बगीची कमेटी एवं दैनिक रेलयात्री महासंघ के संयुक्त तत्वावधान में शीतलदास बाबा की बगीची में अखण्ड सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। सुंदरकांड पाठ के दौरान हनुमान जी के भजनों और चौपाइयों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। विभिन्न श्रद्धालुओं द्वारा बारी-बारी से पाठ किया गया, जिससे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का निरंतर संचार होता रहा।

इस दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीराम और हनुमान जी के जयकारों के साथ भक्ति रस में डूबे नजर आए। दैनिक रेलयात्री महासंघ के अध्यक्ष विष्णु कयाल ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज में एकता,

■ **सुंदरकांड पाठ से गूंजा शीतलदास बाबा बगीची परिसर, श्रद्धालु भक्ति में हुए सराबोर**

सकारात्मकता और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी लोगों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में कैलाश सोनी, छत्रपाल कुमावत, श्यामलाल सैनी, राधेश्याम यादव, हनुमानलाल कुमावत, चिरंजीलाल मेहरा, राहुल शर्मा, अविनाश सेन, अशोक सिंह, विरेन्द्र बंसल, मोहनसिंह तंवर, हनुमान सिंह, विष्णु कयाल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। अंत में प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

रक्तदान शिविर एवं एलर्जी शिविर में 96 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया

निवाई। भगवान महावीर जयंती महोत्सव को लेकर राजस्थान जैन सभा के तत्वावधान में बपूई वालो के चैत्यालय में रविवार को रक्तदान शिविर एवं एलर्जी शिविर का आयोजन किया गया।

राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विमल सोगाणी ने बताया कि शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि विष्णु कुमार बोहरा ने फीता काटकर किया एवं भगवान महावीर के चित्र का अनावरण सुशीलकुमार कटारिया एवं शिविर का दीप प्रज्वलन ताराचंद रामनगर वालों ने किया। इस दौरान सरावगी समाज के जिला अध्यक्ष संत कुमार जैन टोडारायसिंह, विशिष्ट अतिथि समाजसेवी एवं युवा नेता राजेश चौधरी गुरुजी, शिखरचंद काला, हुकुमचंद जैन, हेमचंद संघी, पारस पहाड़ी, त्रिलोकचन्द हरभगतपुरा, अनिता

रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए अतिथि।

छाबड़ा ने फीता काटकर भगवान महावीर का अनावरण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। इस दौरान विशुद्ध वर्धनी महिला मंडल, जिनवाणी महिला मंडल, धर्म प्रभावना महिला मंडल, णमोकार महिला मंडल, जिन श्री महिला मंडल, सरावगी समाज महिला मंडल व अग्रवाल समाज महिला मंडल सहित कई महिलाओं ने रक्तदान शिविर

■ **एलर्जी शिविर में 450 रोगियों की हुई जांचें, दवाईयां एवं चिकित्सा का लाभ मिला**

एवं एलर्जी कैंप में विशेष सहयोग प्रदान किया। शिविर में अतिथियों का राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष ज्ञानचंद सोगानी, विमल जौला, त्रिलोक चंद सिरस, महावीरप्रसाद छाबड़ा, त्रिलोक रजवास, मनीष झिलाय, योगेन्द्र झिलाय, पारस सिरस व अखिल कटारिया ने राजस्थानी परंपरानुसार साफा व माला पहनाकर स्वागत किया। रक्तदान शिविर में पंछी फाउंडेशन संस्था के आशु बड़ागांव, विकास गिंदोडी, अक्षय कासलीवाल व शैलेंद्र चवरियां का विशेष सहयोग रहा।

सार-समाचार

महंत हरि ओम दास जी महाराज को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा

शाहपुरा । शहर के रावला मोती महल में रानी रत्न कुमारी फाउंडेशन व पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित हुए गणगौर महोत्सव में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाली 26 प्रतिमाओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण वाधावन थे। अध्यक्षता रत्न कुमारी ने की। ट्रस्ट के सुरेंद्र सिंह व अधिराज सिंह ने बताया कि महोत्सव में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाली बेस्ट महिला उद्यमी रितु सिंह,महिला स्वालंबन के लिए ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय,लाइव टाइम अचीवमेंट अवार्ड का पुरस्कार खोरी हरिओम दास जी महाराज को तथा शाहपुरा गौरव पुरस्कार रामेश्वरम बजाज को मरणोपरांत का पुरस्कार उनके पुत्र अग्रवाल समाज समिति अध्यक्ष महेश चंद्र बजाज को दिया गया। ग्रामीण महिला नेतृत्व के लिए डॉक्टर लवली राठौड,युवा कौशल विकास के लिए बाबा भगवान दास आईटी ज्ञान केंद्र, ग्रामीण छात्र उपलब्धि के लिए रामचंद्र मारवाल,बेस्ट स्किल ट्रेंनिंग इंस्टीट्यूट के लिए खंडेलवाल इन्फोटेक,श्रेष्ठ सामाजिक सेवा श्यामसुंदर राज जोशी,पर्यावरण संरक्षण के लिए रामेश्वर यादव,गौ रक्षा के लिए धर्मपाल यादव व टीम विवेक मिश्रा,खेल में छात्र सम्मान में रीमा गुर्जर, शुभम शर्मा,मोहित कपूरिया,आशीष चौधरी,विनीता मोहनपुरिया,कृषि क्षेत्र में रमेश कुमार गोरा,सामाजिक सेवा में सुनीता देवी, आंगनवाड़ी में निर्मला बेनीवाल, समाज सेवा में रेखा खटुम्बरिया, यूपीएससी सिविल सेवा में प्रज्ञा सैनी,आरएएस में चयनित कपिल देव,पुष्कर राज कपिल व कैलाश पोसवाल को दिया गया।

विश्व जल दिवस पर पाथवेड़ी मोड़ पर वाटर कूलर की स्थापना

पावटा। विश्व जल दिवस पर क्षेत्र में श्रद्धा और सेवा का अनूठा संगम देखने को मिला। श्री खेमसाहब महाराज की कृपा से पाथरेडी मोड़ आचार्य चाणक्य बीएड कॉलेज के सामने अपने स्व.चाचा ग्यारसी लाल स्वामी की पावन स्मृति में कैलाश चंद स्वामी, हजारी लाल स्वामी एवं गुलाब चंद स्वामी द्वारा वाटर कूलर के उद्घाटन कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री श्री 108 श्री गोकुलदास जी महाराज एवं भगवानसहाय जी द्वारा फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर संत-महात्माओं और गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। कार्यक्रम में श्री रामेश्वर स्वामी, बुद्धराम स्वामी, सातादीन स्वामी, भुनेश शर्मा, विशंभर दयाल सामोता, राजेन्द्र सिंह शेखावत, हरदयाल स्वामी, शंभूदयाल स्वामी, सुनील यादव, मामन स्वामी, सूरजभान स्वामी, राजेश यादव, राजेन्द्र डाबड़, राजेन्द्र स्वामी, चेतन स्वामी, हेमंत स्वामी, दलीप स्वामी, सतपाल स्वामी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान वक्ताओं ने जल संरक्षण के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि जल ही जीवन है और इसकी हर बूंद की रक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के माध्यम से दिवंगत ग्यारसी लाल स्वामी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह के अंत में आयोजकों ने सभी अतिथियों और ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन में श्रद्धा, सामाजिक एकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

ईद पर सामाजिक समरसता का संदेश दिया

मनोहरपूर। मनोहरपुर स्थित गांधी सर्किल पर ईद के पावन अवसर पर एक भव्य एवं सौहार्दपूर्ण आयोजन का आयोजन किया गया, जिसमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। इस अवसर पर ऑल इंडिया किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव दिगराज सिंह शाहपुरा द्वारा सभी उपस्थित जनों के लिए खीर का वितरण किया गया, जो आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता का प्रतीक बना। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के सम्मानित नागरिकों सहित विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया और एक साथ बैठकर ईद की खुशियों को साझा किया। पूरे आयोजन में आपसी सौहार्द, अपनत्व और सामाजिक एकता का अद्भुत वातावरण देखने को मिला। दिगराज सिंह शाहपुरा ने इस अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि- भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में एकता है। ईद का यह पावन पर्व हमें प्रेम, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है। हमारा प्रयास है कि समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलें और आपसी विश्वास को और मजबूत करें। जब तक समाज का हर व्यक्ति सम्मान और सुरक्षा महसूस नहीं करेगा, तब तक हमारा विकास अधूरा रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि इस प्रकार के आयोजन केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने का माध्यम हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सभी भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुटता और सद्भाव के साथ आगे बढ़ें। कार्यक्रम में उपस्थित नागरिकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए इसे सामाजिक समरसता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। कई लोगों ने इसे एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा, जो समाज में आपसी विश्वास को मजबूत करेगा। अंत में, दिगराज सिंह शाहपुरा ने सभी को ईद की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे हमेशा समाज के हर वर्ग के साथ खड़े रहेंगे और जनसेवा के अपने संकल्प को निरंतर आगे बढ़ाते रहेंगे।

सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर दिया गणेश निमंत्रण

निवाई। श्री श्याम धर्मार्थ सेवा संस्थान द्वारा आयोजित अष्ठम नि:शुल्क सर्व समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी के सानिध्य में चिंताहरण गणेश मंदिर में भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना करके प्रथम निमंत्रण अर्पित कर कार्यक्रम के निर्विघ्न संपन्न होने की कामना की गई। शहर अध्यक्ष नितिन छाबडा ने बताया कि सम्मेलन की तैयारियाँ जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। संस्थान के पदाधिकारियों ने चिंताहरण गणेश मंदिर में भगवान श्री गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना करके निमंत्रण पत्र अर्पित किया। संस्थान के अध्यक्ष दिलीप इसरानी ने बताया कि सम्मेलन को लेकर 25 मार्च को महिला संगीत एवं हल्दी व मेहंदी की रस्मे होगी। रामनवमी पर श्याम मंदिर परिसर में सुबह 8 बजे से सम्मेलन का शुभारंभ होगा, जिसमें सर्व समाज के जोडे वैदिक मंत्रोच्चार के साथ दाम्पत्य जीवन में प्रवेश करेंगे। जिसको लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी गई है। इस अवसर पर रवि अग्रवाल, कैलाश नटवाडा, नितिन छाबडा, वंशप्रदीप पारीक, आनन्द पारीक, सर्वेश द्विवेदी, नितेश बरवाडा, शशि टोडवाल, विनोद शर्मा, अविनाश पारीक, घासी अग्रवाल, ज्ञान सोगानी, पवन टेलर, राजीव पारीक व जितेन्द्र विजय सहित संस्थान के कई कार्यकर्ता व गणमान्य लोग मौजूद थे।

राधा-कृष्ण की सजीव झांकी सजाई

शाहपुरा । शहर के रामपुरा रोड बंधे के पास के स्थित रामनिवास मंदिर में त्रिवेणी धाम सत्संग मंडल की ओर से संत बालिदास दास जी महाराज के सानिध्य में श्रद्धा,भक्ति व उत्साह के साथ फागोत्सव व सत्संग का आयोजन हुआ।जिसमें महिला श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण के संग फूलों की होली खेली और जमकर नृत्य किया। बालिदास जी महाराज कि बताया फागोत्सव में राधा-कृष्ण की सजीव झांकी सजाई गई। फागोत्सव का शुभारम्भ त्रिवेणी धाम सत्संग मंडल के भजन गायक दिनेश खंडेलवाल द्वारा गणेश वंदना के साथ किया।उसके बाद बालीदास जी महाराज ने सांवली सूरत पर मोहन दिल दीवाना हो गया...... गाकर व नृत्य कर सबका ज्ञान अपनी और आकर्षित किया।

संक्षिप्त

बूढी गणगौर की निकाली सवारी

निवाई। नगरपालिका के तत्वावधान में बूढी गणगौरी की सवारी निकाली गई। पालिका के स्वास्थ्य निरीक्षक बाबूलाल पण्डा ने बताया कि अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट के नेतृत्व में रविवार की शाम करीब 5 बजे बस स्टेण्ड पर नगरपालिका के पुराने भवन से परम्परागत रूप से गाजे-बाजे के साथ बूढी गणगौर माता की सवारी निकाली गई। बूढी गणगौर माता की सवारी के जुलुस में सबसे आगे नगरपालिका के दो कार्मिक परम्परागत वेशभूषा पहनकर घोडी पर सवार होकर आगे-आगे चल रहे थे। उनके पीछे चार युवा सजी हुई बूढी गणगौर की झांकी को कंधे पर लेकर चल रहे थे। गणगौर का जुलूस बस स्टेण्ड से परम्परानुसार रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गो से होता हुआ बडा बाजार, बिलाला मार्केट व चौहटी बाजार होते हुए मेला स्थल गणगौरी बाजार पहुंचा। मेला स्थल पर खाद्य पदार्थो के ठेलों सहित दैनिक उपयोग की विभिन्न सामग्री की दुकानें सजी हुई रही। ठेलों पर महिलाओं व बच्चों ने जमकर खरीदारी की।

शहीदी दिवस पर तिरंगा रैली आज

निवाई। भूतपूर्व सैनिक संगठन निवाई के तत्वावधान में 23 मार्च को शहीदी दिवस के अवसर पर तिरंगा रैली व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। संगठन के अध्यक्ष कैप्टन सीताराम गुर्जर ने बताया कि शहीद भगत सिंह के बलिदान दिवस पर आयोजित तिरंगा रैली 23 मार्च की सुबह 9:30 बजे नगर पालिका भवन जमात से रवाना होकर 80 फीट रोड स्थित शहीद स्मारक तक जाएगी। जहां श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होगा एवं वीरांगनाओं का सम्मान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक रामसहाय वर्मा होंगे एवं पूर्व चेयरमैन दिलीप इसरानी अध्यक्षता करेंगे।

श्रमदान अभियान का आयोजन

निवाई। गांव अगरपुरा में शहीद भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु के बलिदान को याद करते हुए शहीद दिवस पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के माय भारत जिला युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी श्रीकुमार मधुकर एवं लेखा अधिकारी रोहिल कट्टा के निर्देशानुसार नेहरू नवयुवक मंडल अगरपुरा के तत्वावधान में स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान का आयोजन किया गया। युवाओं ने महापुरुषों को याद करते हुए समाज को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने का संदेश भी दिया। इस दौरान वार्ड नंबर 2 में स्थित सामुदायिक भवन एवं दादूवाणी मंदिर परिसर में साफ-सफाई करके श्रमदान किया। अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने कहा कि शहीदों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी, हमारा कर्तव्य है कि हम सेवा कार्यों एवं स्वच्छता के माध्यम से देश के विकास मेंयोगदान दें। इस अवसर पर आदित्य सिंह, राहुल जाट, बुद्धि, अनिल जाट, आदित्य जाट, सुनील, सूरज सिंह, शुभम सिंह, नीलामभुज, रविंद्र सिंह, सुरेन्द्र सिंह, आशु, अंकित जाट व शुभमसिंह जैसावत सहित मंडल के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

दो दिवसीय शिविर संपन्न

निवाई। श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन के तत्वावधान में श्री जगदंबा राजपूत छात्रावास में दो दिवसीय शिविर का समापन हुआ। गोविन्दसिंह पलेई ने बताया कि शिविर का शुभारंभ जिलाध्यक्ष मदनसिंह, रेवतसिंह पाटोदा, सुरेन्द्र सिंह, हनुमान सिंह टोंक व उमराव सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। शिविर के द्वितीय सत्र में समाज में शिक्षा, रोजगार, संस्कार निर्माण पर विचार विमर्श किया गया। जिसमें राष्ट्र के सामाजिक उत्प्रेरण व उत्थान हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा करते हुए मंथन किया। शिविर में मुख्य वक्ता रेवत सिंह पाटोदा रहे।

गांव में घुसकर मारपीट की

भरतपुर । डीग जिले के गोपालगढ़ थाना इलाके में गांव बिजासना में आज कुछ लोग हथियार लेकर पहुंचे। इसके बाद वह गांव के लोगों से मारपीट करने लगे। हंगामा होता देख गांव के लोग इकट्ठे हुए। इसके बाद हमलावर फायरिंग करते हुए फरार हो गए। बिजासना गांव के युवक सलमान खान ने बताया कि गंगौरा गांव के युवकों और बिजासना गांव के युवकों के बीच 2 दिन पहले झगड़ा हुआ था। दोनों पक्षों में से किसी भी पक्ष ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं करवाई। आज अचानक गंगौरा गांव के करीब 20 लोग हाथों में लाठी-डंडे और हथियार लेकर हमारे गांव में घुस आए।

लालसोट में गणगौर माता की शाही सवारी के साथ हेला ख्याल दंगल का आगाज़

लालसोट। शहर में रविवार को आस्था, परंपरा और संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब बूढ़ी गणगौर माता की भव्य शाही सवारी विशाल लवाजमे के साथ नगर में निकाली गई और देर रात 276वें गणगौर हेला ख्याल संगीत दंगल का शुभारंभ हुआ।

नगरपालिका कार्यालय से शाम को विधिवत पूजा-अर्चना के बाद गणगौर माता को सुसज्जित बग्गी में विराजमान कर ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की गूंज के बीच शाही सवारी रवाना की गई। सवारी शहर के प्रमुख बाजारों से होती हुई रात्रि करीब साढ़े आठ बजे गणगौर मेला मैदान पहुंची, जहां हजारों की संख्या में महिलाएं, पुरुष, बच्चे और आमजन माता के दर्शन के लिए उमड़ पड़े।

276वें गणगौर हेला ख्याल संगीत दंगल का शुभारंभ हुआ।

इस दौरान आकर्षक झांकियां लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। गौरिल्ला, भालू सहित अन्य जीवंत झांकियों ने सभी का मन मोह लिया, वहीं जमात अखाड़े के पट्टेबाजों ने अपने हैरतअंगेज करतब दिखाकर दर्शकों से खूब वाहवाही बटोरी।

मेला मैदान में दर्शन लाभ कराने के बाद गणगौर माता गाजे-बाजे के साथ परशुराम सर्किल स्थित हेला ख्याल संगीत दंगल स्थल पहुंचीं, जहां माता रानी को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ विराजमान किया गया। माता के विराजमान होते ही देर रात 276वें गणगौर हेला ख्याल संगीत दंगल का भव्य आगाज़ हुआ।

दंगल समिति अध्यक्ष चौथमल सुकारिया ने बताया कि रविवार रात से शुरू हुआ यह दंगल सोमवार दोपहर तक पूरे शबाब पर रहेगा तथा मंगलवार सुबह इसका समापन होगा।

- गणगौर माता गाजे-बाजे के साथ परशुराम सर्किल स्थित हेला ख्याल संगीत दंगल स्थल पहुंचीं, जहां माता रानी को विधिवत पूजा-अर्चना के साथ विराजमान किया

उल्लेखनीय है कि लालसोट का गणगौर हेला ख्याल संगीत दंगल पिछले 275 वर्षों से अपनी समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के लिए ख्यातिप्राप्त है, जो हर वर्ष हजारों श्रद्धालुओं और कलाकारों को आकर्षित करता है।

प्रशिक्षण शिविर संपन्न

फुलेरा। न्यू कॉलोनी स्थित अग्रवाल पंचायत भवन में रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर संगठनात्मक मजबूती एवं विचारधारा को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन जिला अध्यक्ष राजेश गुर्जर द्वारा किया गया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रवण अग्रवाल ने की। इस अवसर पर पूर्व विधायक निर्मल कुमावत ने उद्घोषणा करते हुए प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया। शिविर की जानकारी मीडिया प्रभारी मोहित कारड़िया ने देते हुए बताया कि प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत मंडल उपाध्यक्ष गोविंदसिंह बड़गुजर, मनीष गगरानी, ताराचंद अमेरियां सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मंत्री श्याम सैनी, दिलीप सुरोलिया, पूनम कुमावत, शेष नारायण सैनी, राजकुमार वर्मा एवं कोषाध्यक्ष कमला सैनी सहित ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

सवर्ण आयोग के गठन की मांग को लेकर राज्यमंत्री व विधायक को ज्ञापन सौंपा

पावटा। प्रस्तावित यूजीसी बिल के विरोध में क्षेत्र के सवर्ण समाज के लोगों ने एकजुट होकर सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग, राजस्थान सरकार के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक व स्थानीय विधायक कुलदीप धनकड को ज्ञापन सौंपकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे, जिन्होंने बिल को शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक संतुलन के लिए नुकसान दायक बताया।

सवर्ण समाज के लोगों ने कहा कि यूजीसी बिल में किए जा रहे प्रावधानों से उच्च शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होगी और योग्यता आधारित व्यवस्था कमजोर पड़ेगी। उन्होंने सरकार से बिल पर पुनर्विचार करने की मांग की। इस दौरान रतिपाल सिंह व रविंद्र सिंह ने कहा, यह बिल शिक्षा के मूल ढांचे को प्रभावित करेगा।

सवर्ण समाज के लोगों ने राज्यमंत्री गौतम कुमार दक व विधायक कुलदीप धनकड को ज्ञापन सौंपकर आपत्तियां दर्ज कराईं।

सरकार को सभी वर्गों की राय लेकर ही कोई निर्णय लेना चाहिए। हम शिक्षा में पारदर्शिता और समान अवसर चाहते हैं, लेकिन यह बिल उस दिशा में सही कदम नहीं है। इसे तुरंत वापस लिया जाना चाहिए।सवर्ण समाज के लोगों ने अपनी नाराजगी जताते हुए कहा, बच्चों के भविष्य के साथ किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार को जनभावनाओं का सम्मान करना चाहिए।

सवर्ण समाज प्रतिनिधिमंडल ने राज्यमंत्री व विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि वे इस बिल को निरस्त कराने की दिशा में पहल करें। इस मौके पर ब्राह्मण समाज प्रागपुरा उपाध्यक्ष प्रमोद शर्मा, वरिष्ठ सदस्य राजेंद्र शर्मा, शंकर पारीक, सतीश पारीक एवं सत्ताइसा राजपूत समाज के अध्यक्ष सूबेदार रिछपाल सिंह शेखावत, सवाई सिंह शेखावत, रतिपाल सिंह शेखावत, कमलेश शर्मा, ओमसिंह, जसवंत पारीक सहित कई सामाजिक व सवर्ण समाज के लोग मौजूद रहे।

पावटा में विशाल रक्तदान शिविर में 216 यूनिट रक्त संग्रहित

पावटा। देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के शहीद दिवस के अवसर पर रविवार को पावटा क्षेत्र में सेवा और समर्पण का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। 03 के तत्वावधान में ओमकारा होटल में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से शुरू हुआ यह शिविर शाम 5 बजे तक जारी रहा, जिसमें क्षेत्र के युवाओं,

- 'रक्तदान न केवल एक महादान है, यह किसी की जिंदगी बचाने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम भी है'

सामाजिक कार्यकर्ताओं और आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। रक्तदान करने वालों में विशेष उत्साह देखने को मिला और लोगों ने रक्तदान महादान के संदेश को आत्मसात करते हुए जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे कदम बढ़ाए। इस दौरान युवाओं द्वारा 216 यूनिट रक्त का दान किया गया। प्रमुख संयोजक दीपक कुमावत और ओमप्रकाश ने बताया कि शहीदों की

युवाओं ने रक्तदान शिविर में बढ़-चढ़कर भाग लिया।

स्मृति में इस तरह के सामाजिक कार्य करना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

शिविर के सफल आयोजन में टीम भगतसिंह एवं नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा सहित समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग रहा। रक्तदान न केवल एक महान दान है, बल्कि यह किसी की जिंदगी बचाने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम भी है।

कार्यक्रम के दौरान रक्तदाताओं को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर पूरे क्षेत्र में सेवा, त्याग और देशभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता बजरंग लाल यादव, नीरज सैन, राजा राव, ओमप्रकाश, दीपक कुमार, लीलाराम, रोहित शर्मा, नगेंद्र शर्मा, राहुल शर्मा, सचिन यादव, आदिल खान, हरि जितरवाल सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

विश्व जल दिवस पर जल संचय का संकल्प

दौसा। दौसा विचार मंच के सदस्यों ने जल पुनर्भरण अभियान के तहत रविवार को श्री कृष्णा हॉस्पिटल में जल संकट की समस्या से निजाते पाने के लिए जल पुनर्भरण के क्षेत्र में कार्य करने का संकल्प लिया तथा दौसा जिले का भू-जल स्तर मे बढोत्तरी हो सके।

दौसा विचार मंच के महेश आचार्य ने बताया कि निरंतर बढ़ रहे जल संकट के निवारण की दिशा में दौसा का नवाचार जल पुनर्भरण एक बड़ी संजीवनी है। इस अभियान के अंतर्गत सूखे प्यासे कुए बावड़ी को छतों से बहने वाले वर्षा जल से जोड़कर इनको पुनर्जीवित किया जा रहा है। गत दिनों दिल्ली से आए नीति आयोग के सदस्य डॉ. अखिलेश सिंह एवं जल शक्ति मंत्रालय दिल्ली के महेंद्र कुमार चौधरी ने दौसा के कई गांव शहर में दौरा किया तथा जल पुनर्भरण के अंतर्गत यहां की सूखे जल स्त्रोतों को वर्षा जल से भरा देखकर बहुत सराहना की। इसी कड़ी में विश्व जल दिवस के पावन अवसर पर समाज के बुद्धिजीवी वर्ग को यह संकल्प लेना होगा कि निरंतर बढ़ते जा रहे जल संकट को देखते हुए अतिजल दोहन में कमी एवं वर्षा जल भंडारण के प्रयास अधिक बढ़ाने की आवश्यकता है।

आचार्य ने कहा कि हालांकि पिछले दो वर्षों में बारिश अच्छी होने के

- जल संकट की समस्या से निजात पाने के लिए जल पुनर्भरण के क्षेत्र में कार्य करने का संकल्प लिया

कारण भूजल स्तर उन्नत हुआ है लेकिन बारिश के दौरान जल भंडारण के सक्रिय मानवीय प्रयास किए जाने से जल स्तर स्थाई रूप से अनुकूल बना रहेगा। इस अवसर पर श्री कृष्णा हॉस्पिटल के निदेशक एवं दौसा विचार मंच के महासचिव केडी शर्मा ने कहा कि जल पुनर्भरण में सभी को हाथ बंटाना चाहिए तथा समाज सेवा के अन्य कार्यों में भी वरिष्ठ जनों की अग्रणी भूमिका होनी चाहिए। क्योंकि वरिष्ठ जनों का वर्तमान जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है जहां मानव सेवा के कार्यों को सर्वाधिक प्राथमिकता दिया जाना अपेक्षित है।

पेंशनर समाज के अध्यक्ष गोवर्धन लाल पंडा ने कहा कि आगामी जुलाई में पेंशनर समाज द्वारा जागरूकता टीम बनाकर वर्षाजल भंडारण का प्रचार प्रसार किया जाएगा। उपाध्यक्ष कैलाश चंद सांवरिया ने कहा कि पेंशनर समाज के सदस्यों को वृक्षारोपण के लिए भी प्रेरित किया जाएगा।

'जल और लैंगिक समानता' थीम पर विश्व जल दिवस मनाया

भरतपुर। जिला स्तरीय विश्व जल दिवस का आयोजन पी.एच.ई.डी. परिसर हीरादास, भरतपुर में सहायक अभियंता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मनोज पाराशर की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला सलाहकार नाहर सिंह जादौन द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों के स्वागत एवं कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए किया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2026 में जल और लैंगिक समानता की थीम पर विश्व जल दिवस मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राज्य संदर्भ व्यक्ति लक्ष्मण पाठक एवं मुकेश गर्ग ने जल संरक्षण के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जल के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है तथा हर वर्ष 22 मार्च को विश्व जल दिवस मनाकर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाती है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जल प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका

विश्व जल दिवस पर सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई

को पहचानना आवश्यक है, ताकि पानी तक सभी की समान पहुंच सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि एवं पार्षद समुद्र सिंह ने समुदाय की भागीदारी पर बल देते हुए कहा कि बेहतर जल प्रबंधन के लिए समुदाय एवं विभाग के बीच समन्वय आवश्यक है, जिससे लोगों को पर्याप्त एवं गुणवत्तापूर्ण जल उपलब्ध कराया जा सके।

राजस्थान कर्मचारी महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश पाठक ने विभाग द्वारा संचालित नई-नई तकनीकों के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध

- जिला स्तरीय विश्व जल दिवस कार्यक्रम आयोजित

कराने के प्रयासों की सराहना की तथा जल संरक्षण के लिए जन सहयोग को आवश्यक बताया। कार्यक्रम के अंतिम सत्र में अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए मनोज पाराशर ने कहा कि उज्ज्वल भविष्य के लिए भूजल, वर्षा जल एवं सतही जल का संतुलित प्रबंधन आवश्यक है।

उन्होंने जल संरक्षण के लिए वर्षा जल संचयन, वॉटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं के निर्माण तथा रोजमर्रा की आदतों में बदलाव लाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में विभागीय अधिकारी, जन प्रतिनिधि, गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान सभी को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम पर बैठक आयोजित

कोटपूतली। कस्बा स्थित भगवान श्री परशुराम मन्दिर प्रांगण में रविवार को तहसील ब्राह्मण सभा (ब्राह्मण समाज) की बैठक अध्यक्ष नवरत्न शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें प्रतिवर्ष की भांति भगवान परशुराम जन्मोत्सव पखवाड़ा बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास से मनाये जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। साथ ही अक्षय तृतीया 19 अप्रैल को मंदिर में भगवान को पंचामृत अभिषेक, पोशाक धारण, भोग, भगवन नाम संकीर्तन, संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ समेत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने एवं आगामी 26 अप्रैल को भगवान परषुराम की विषाल शोभा यात्रा, नगर भ्रमण, झाँकी, भजन संध्या के बाद भोजन प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित किये जाने पर सहमति जताई गई। महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि बैठक में ब्राह्मण समाज संरक्षक पं. किशोरी लाल शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, नगर अध्यक्ष एड. बजरंग लाल शर्मा, मूलचंद, संदीप , संजय शर्मा, केशव शर्मा, प्रकाश शर्मा समेत ब्राह्मण समाज के गणमान्य नागरिक मौजूद रहें।

सार-समाचार

शहीदों के सपनों का शोषणमुक्त समाज बनाने का लिया संकल्प

अलवर। भगतसिंह सर्किल स्थित शहीद भगतसिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं केंडिल प्रज्जवलित कर शहीद राजगुरु,सुखदेव और भगतसिंह की शहादत को नमन किया। "साम्राज्यवाद का नाश हो,समाजवाद जिंदाबाद, युद्ध नहीं,शांति चाहिए, आर्थिक विषमता पर रोक लगाओ, बेरोजगारी पर रोक लगाओ,सामाजिक उत्पीड़न पर रोक लगाओ,लोकतंत्र जिंदाबाद,तानाशाही मुर्दाबाद, धर्मनिरपेक्षता जिंदाबाद,हिंदू मुस्लिम सिख ईसाई, आपस में है भाई-भाई" के नारे लगाकर शहीदों की "साझी शहादत,साझी विरासत" को कायम रखने एवं लोकतंत्र की मजबूती के लिए एकजुटता का संकल्प लिया। इस अवसर पर भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला सचिव रईसा,राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ रुक्टा डेमोक्रेटिक के प्रदेश संयोजक डॉ रमेश बैरवा,दलित शोषण मुक्ति मंच से जिला संयोजक सह संयोजक एडवोकेट श्यामसुंदर जाटव एवं जीतसिंह,रमेश बांगा, ज्ञानसिंह, काजल,ताराचंद, किशन लाल , एडवोकेट शन्नो, शेरसिंह, पिंटू, वेदवीर, समीर, साहिल, सुमित सहित अनेक लोग शामिल रहे।

विधायक डॉ. गर्ग ने नगला बरताई में उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया लोकार्पण

भरतपुर । पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने सेवर पंचायत समिति के गांव नगला बरताई में नवनिर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण कर क्षेत्र के लोगों के लिये समर्पित किया। डॉ. गर्ग ने नगला बरताई में करीब 55 लाख रुपये की लागत से बनाये गये उप स्वास्थ्य केन्द्र का लोकार्पण कर समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि क्षेत्र में उप स्वास्थ्य केन्द्र खुलने से आस पास के ग्रामीण सरदारी को उपचार के लिये भरतपुर नहीं जाना पडेगा। उपचार की उन्हें अपने ही क्षेत्र में सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि उप स्वास्थ्य केन्द्र के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य सेवायें मिलेंगी। डॉ. गर्ग ने कहा कि उनका ध्येय है कि अधिक से अधिक क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिये चिकित्सालय खोले जाये और वह इसके लिये निरन्तर प्रयासरत रहते हैं। आने वाले समय में इस उप स्वास्थ्य केन्द्र को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्रमोन्नत कराने के प्रयास किये जायेंगे। विधायक डॉ. गर्ग ने को सम्बोधित करते हुये कहा कि चिकित्सा, शिक्षा, सडक, पानी, बिजली हर व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है और इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये वह निरन्तर जुटे हुयें। इस दौरान डॉ. गर्ग का ग्रामीण सरदारी ने जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर आरएलडी के जिलाध्यक्ष संतोष फौजदार, पूर्व सरपंच सुरेशपाल सिंह, सुनारी सरपंच प्रतिनिधि दिनेश, पंचायत समिति सदस्य सौरभ सोलंकी, राधेश्याम मडरपुर, विनोद गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

शिविर आयोजित

दौसा । कालोता कस्बे में रविवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय प्रशिक्षण महाभियान के तहत भाजपा दौसा कुंडल मंडल का आयोजित प्रशिक्षण के प्रथम सत्र व द्वीतिय सत्र शुभारंभ जिला उपाध्यक्ष मंजूलता जाटव, ज़िला मंत्री कमलेश जोशी ने भारत माता की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रशिक्षण शिविर में भारतीय जनता पार्टी की जिला अध्यक्ष लक्ष्मी रैला, पूर्व प्रदेश मंत्री नीलम गुर्जर, पूर्व जिला अध्यक्ष टीकम गुर्जर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी रैला ने भारतीय जनता पार्टी के विचार अधिष्ठान और बुथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर प्रकाश डाला। पूर्व प्रदेश मंत्री नीलम गुर्जर ने केंद्र व राज्य सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा की। भाजपा के सभी आये हुए अतिथियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए अंत में भाजपा कुण्डल मण्डल अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर ने आये हुए अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जिला महामंत्री सियाराम शर्मा, कुंडल मंडल प्रभारी चतर सिंह रत्नावत, गुढ़ा मंडल प्रभारी जयप्रकाश जैमन, भाजपा कार्यालय प्रभारी किसोरी लाल भांकरी, भाजपा कुंडल मंडल अध्यक्ष रामप्रसाद गुर्जर सहित सभी समर्पित कार्यकर्ताओं की उपस्थिति ने बैठक को ऊर्जा और उत्साह से भर दिया। संगठन के प्रति आप सभी साथियों की प्रतिबद्धता और समर्पण ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। आप सभी का स्नेह और सहयोग निरंतर इसी प्रकार मिलता रहे।

विश्व जल दिवस पर रैली निकालकर पानी बचाने का दिया संदेश

दौसा । जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं सीफॉर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को विश्व जल दिवस पर रैली निकालकर आम जन को पानी बचाने के लिए जागृत किया गया। रैली नेहरू पार्क से रवाना होकर शहर के मुख्य मार्गो से होती हुई सहजनाथ महादेव मंदिर में समापन हुई। रैली को जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यवाहक अधीक्षण अभियंता बनवारी लाल मीणा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। रैली में दर्जनों महिलाओं और युवतियों ने हिस्सा लिया। रैली में शामिल महिलाओं ने पेयजल के संरक्षण के संबंध में नारे लगाए महिलाओं और युवतियों ने हाथ में पानी को बचाने के संबंध में लिखे नारों की तख्तियां ली हुई थी। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यवाहक अधीक्षण अभियंता बनवारी लाल मीणा ने कहा कि पेयजल सीमित है और उसका बुद्धिमता पूर्ण उपयोग करना ही इसकी बचत करना है, पानी की बचत के लिए हमें हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने बताया कि 23 मार्च को अधीक्षण अभियंता कार्यालय के सभागार में एक कार्यशाला का भी आयोजन किया जावेगा। जिसमें विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्रों के माध्यम से पानी के संबंध में चर्चा की जाएगी। इस अवसर पर नगर उपखंड दौसा के सहायक अभियंता देशराज बैरवा ने महिलाओं से पानी के विषय में चर्चा करते हुए कहा की दौसा शहर में नवीन पाइपलाइन बिछाई जा रही है इसके माध्यम से सभी को उचित मात्रा में पेयजल उपलब्ध होगा। इस अवसर पर विभाग के आई.ई.सी सलाहकार संजय कुमार राणा ने पानी की उपलब्धता, पानी के संरक्षण, बचाव और पेयजल स्त्रोतों के रखरखाव व उसके मालिकाना हक के संबंध में महिलाओं को जागृत किया।

कार्यकारिणी का गठन

चौमूं / कालाडेरा। चौमूं उपखंड के ग्राम खनीपुरा स्थित जमवाय मंदिर परिसर में रविवार को श्री राजपूत सभा तहसील इकाई चौमूं की कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता राजपूत सभा तहसील चौमूं अध्यक्ष भवानी सिंह सिंगोद ने की। इस दौरान समाज के विकास, संगठन की मजबूती और आपसी समन्वय को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।अध्यक्षता करते हुए भवानी सिंह शेखावत ने कहा कि समाज का समग्र विकास आपसी एकजुटता और समन्वय से ही संभव है। तहसील अध्यक्ष भवानी सिंह सिंगोद ने संगठन को मजबूत बनाने, सामाजिक मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने और समाज के उत्थान के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। बैठक में सर्वसम्मति से खनीपुरा गांव इकाई की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें धन सिंह को अध्यक्ष, दीप सिंह शेखावत को उपाध्यक्ष, किस्मत सिंह को महामंत्री, शिवराज सिंह को कोषाध्यक्ष और पृथ्वी सिंह को संगठन मंत्री मनोनीत किया गया। इसके अलावा संगठन के विस्तार, कार्यकारिणी को सशक्त बनाने और आगामी पंचायत चुनावों को लेकर प्रारंभिक रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

कहीं न कहीं मेरे मन में ये बात थी कि राजस्थान रॉयल्स के जडेजा कैप्टन बन सकते हैं। उन्हें कप्तान बनाकर शायद रियान पराग को एक या दो साल के लिए उप-कप्तान बनाया जा सकता था। - आर. अश्विन

पूर्व भारतीय गेंदबाज, रविन्द्र जडेजा को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

फैनी उतागुशिमानिंदे

रवांडा की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू मैच में शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी-20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ 65 गेंद में नाबाद 111 रन बनाए। फैनी ने न सिर्फ डेब्यू पर शतक का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि वे महिला टी-20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बन गई हैं। शतक पूरा करते समय उनकी उम्र 15 साल 223 दिन थी। इससे पहले यह रिकॉर्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट में एक पारी में 10 विकेट : अनिल कुंबले ने फरवरी 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ यह कारनामा किया।

राजस्थान रॉयल्स से जुड़ सकते हैं दासुन शनाका

नई दिल्ली, 22 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स से जुड़

सकते हैं। वह सैम करन के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम के साथ जुड़ सकते हैं। इसके चलते उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग से अपना नाम वापस ले लिया है और वह अब आईपीएल में खेलने को पूरी तरह से तैयार हैं। दासुन शनाका को पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें एडिशन के लिए लाहौर कलंदर्स ने चुना था। 34 साल के दासुन शनाकाआईपीएल खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में 2023 में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हुए डेब्यू किया था। शनाका ने आईपीएल में अब तक तीन मैच खेले हैं और 26 रन बनाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक कोई ऑफीशियल पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों की मानें तो शनाका चोटिल खिलाड़ियों को रिप्लेस करने के चलते आईपीएल फ्रेंचाइजियों से बात कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया कि दासुन शनाका राजस्थान रॉयल्स में बतौर सैम करन के रिप्लेसमेंट शामिल होने के लिए बात कर रहे हैं।

वाणी ने शुरू की 15 दिवसीय निःशुल्क शतरंज कक्षाएं

जयपुर, 22 मार्च। मानसरोवर क्षेत्र में एक प्रेरणादायक और सराहनीय पहल सामने आई है, जहां शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन ने अपने 15वें

जन्मदिन को खास अंदाज में मनाने का निर्णय लिया। वाणी ने अपने निजी बचत के पैसों से 15 दिनों की निःशुल्क शतरंज कक्षाएं आयोजित कर बच्चों के विकास की दिशा में एक अनूठी शुरुआत की है। वाणी का उद्देश्य है कि छुट्टियों के दौरान छोटे बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक विकास को बढ़ावा दिया जाए। शतरंज के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, सोचने की क्षमता और कैलकुलेशन पावर विकसित हो, जिससे वे भविष्य में देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। वाणी बताती हैं कि जब उन्होंने यह विचार अपने पिता जिनेश कुमार जैन के साथ साझा किया, तो उन्होंने इस सेवा कार्य में पूर्ण सहयोग दिया। इसके बाद चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान ने भी इस पहल की सराहना करते हुए आवश्यक शतरंज सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। स्थान की समस्या आने पर वाणी के पिता ने अपने मित्र मनीष सोगानी से संपर्क किया, जिन्होंने अपने कार्यालय परिसर को इस नेक कार्य के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया। लेकिन बच्चों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बाद में सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने भी अपना विशाल हॉल निःशुल्क उपलब्ध कराकर इस अभियान को मजबूती दी। शुरुआत में सीमित बच्चों के साथ शुरू हुई यह पहल आज एक बड़े स्वरूप में बदल चुकी है। वर्तमान में लगभग 76 बच्चे निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्य में वाणी के साथ इंटरनेशनल कोच विक्रम सिंह, सीनियर एडवोकेट पीयूष शर्मा, सीनियर कोच दीपक राव, परिवार के सदस्य तथा मीना देवी मेमोरियल ट्रस्ट के पदाधिकारी भी अपनी सेवाएं निःशुल्क दे रहे हैं। वाणी का कहना है कि जब कोई व्यक्ति सच्चे मन से समाज के लिए अच्छा कार्य करता है, तो प्रकृति भी उसका पूरा साथ देती है। यह 15 दिवसीय निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर 15 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 29 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। यह पहल न केवल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

मेरी नजर ट्रॉफी पर है : अय्यर

नई दिल्ली, 22 मार्च। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने शुक्रवार को कहा कि उनकी "नज़र ट्रॉफी पर है" और उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग

(आईपीएल) से पहले मैदान के बाहर आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अय्यर ने मोहाली में फ्रेंचाइजी की जर्सी के अनावरण समारोह में कहा, "यह वह समय है जब हम दो महीने तक एक परिवार की तरह रहते हैं। जितना अधिक समय हम साथ बिताते हैं, उतना ही हम एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जान पाते हैं। यही वह समय है जब हम अपने बीच सौहार्दपूर्ण संबंध मजबूत करते हैं।" उन्होंने कहा, "हम अपना अधिकतर समय गेम रूम में फीफा और अन्य गेम खेलते हुए बिताते हैं। मैचों के लिए रणनीति आमतौर पर मैच से एक या दो दिन पहले बनती है, लेकिन मैदान के बाहर यह मजबूत रिश्ता हमें आखिर में बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करता है।" पंजाब किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 31 मार्च को घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेगा। अय्यर को उनके प्रशंसकों ने 'सरपंच साहब' का उपनाम दिया है और वह जानते हैं कि उनसे काफी उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा, "हमसे काफी उम्मीद की जा रही है जो अच्छा भी है। मुझे चुनौती पसंद है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जब भी हम मैदान में उतरें, हमें जीतना होगा। मेरी नज़र ट्रॉफी पर है।"

द. अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हराया

चौथे टी-20 में एस्टरहुइजन की फिफ्टी, कूट्जी ने 3 विकेट लिए, सीरीज 2-2 से बराबर

वेलिंग्टन, 22 मार्च। वेलिंग्टन में खेले गए चौथे टी-20 में साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। पांचवां मैच हेग्ले ओवल में 25 मार्च को खेला जाएगा। रविवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 164/5 का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई।

साउथ अफ्रीका के लिए कॉनर एस्टरहुइजन ने 36 गेंद में 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा रुबिन हरमन ने नाबाद 28 रन जोड़े। अंत में जॉर्ज लिंडे ने तेज 14 रन बनाकर टीम को 160 के पार पहुंचाया।न्यूजीलैंड की ओर से काइल जैमीसन ने शुरुआत में विकेट मेडेन डालकर दबाव बनाया। बाद में बेन सीयर्स ने भी कसी हुई गेंदबाजी की और आखिरी ओवर में सिर्फ 2 रन दिए। न्यूजीलैंड की तेज शुरुआत लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को टिम रॉबिन्सन और डेब्यू कर रहे कैटेन क्लार्क ने तेज शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में टीम ने 63/2 का स्कोर बना लिया था। रॉबिन्सन ने 32 रन बनाए, जबकि डेन क्लेवर ने भी कुछ अच्छे शॉट लगाए। मध्य ओवर में साउथ अफ्रीका ने मैच पर पकड़ बना ली। टीम ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 96/5 पर रोक दिया। प्रेनेलन सुब्रायन ने क्लेवर और बेवन जैकब्स को आउट किया, जबकि ओटनील बार्टमैन और केशव महाराज ने भी अहम विकेट लिए। आखिरी ओवरों में न्यूजीलैंड की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। जेराल्ड कूट्जी ने 3 विकेट लेकर जीत पक्की की और 19वें ओवर में आखिरी विकेट लेकर मैच खत्म किया।

कोहली ने लंदन के लिए चार्टर्ड-फ्लाइट वाली खबर को नकारा

नई दिल्ली, 22 मार्च। 2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली ने लंदन आने-जाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट मांगने की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने इन रिपोर्ट्स को अफवाह बताते हुए इंस्टाग्राम पर हंसने वाले इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा जोरों पर थी कि कोहली ने मैनेजमेंट के सामने एक खास शर्त रखी है। इन रिपोर्ट्स में कहा गया था कि अगर दो मैचों के बीच 3 दिन से ज्यादा का गैप होता है, तो कोहली चार्टर्ड फ्लाइट से लंदन अपने परिवार के पास जाएंगे और मैच से पहले वापस लौट आएंगे। विराट कोहली ने इन दावों वाली एक न्यूज रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट अपनी स्टोरी पर शेयर किया और साथ में लाफिंग इमोजी (हंसने वाली इमोजी) लगाई। कोहली पिछले कुछ समय से अपने परिवार के साथ लंदन में ही वक्त बिता रहे हैं। ` 2026 का आगाज 28 मार्च से होगा, जहां डिफेंडिंग चैंपियन टीम बेंगलुरु में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। पिछले सीजन में पहली बार खिताब जीतने वाली इस बार भी कोहली के बल्ले से रनों की बारिश की उम्मीद कर रही है। कोहली 18 सालों से इसी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े हुए हैं। 9,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं इस सीजन में विराट कोहली कई बड़े कीर्तिमान अपने नाम कर सकते हैं। वे इतिहास में 9,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बनने की दहलीज पर हैं। वर्तमान में कोहली के नाम 267 मैचों में 8,661 रन दर्ज हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, वे किसी एक टी-20 टीम के लिए 10,000 रन और चैंपियंस लीग मिलाकर) पूरे करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। अभी उनके नाम 282 मैचों में 9,085 रन हैं। 14,000 रनों के क्लब में शामिल होने का मौका विराट कोहली टी-20 फॉर्मेट के ओवरऑल रिकॉर्ड्स में भी बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। वे टी-20 क्रिकेट में 14,000 रन बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन सकते हैं। अब तक केवल क्रिस गेल (14,562), कीरोन पोलार्ड (14,482), एलेक्स हेल्स (14,449) और डेविड वॉर्नर (14,028) ही इस आंकड़े तक पहुंच पाए हैं। कोहली के अभी 414 मैचों में 13,543 रन हैं। 2025 में भी विराट कोहली का बल्ला खूब चला था। उन्होंने 15 पारियों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। वे अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और पूरे टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर थे।

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप : भारतीय टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध : जोआकिम

नई दिल्ली, 22 मार्च। मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद से भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने काफी सुधार किया है और उन्होंने भरोसा जताया कि थाइलैंड में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी टीम एशिया की मजबूत टीमों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पहले ही बैंकॉक पहुंच चुकी है।

ग्रुप सी में उसका पहला मैच दो अप्रैल को जापान के खिलाफ होगा। इसके बाद वह पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे का सामना करेगी। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें, साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि अगस्त में क्वालीफाई करने के बाद टीम ने सभी विभागों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, "काफी सुधार हुआ है। मैंने उन्हें अच्छे मूव बनाते हुए देखा है। मैंने तेज पासिंग और अंतिम छोर पर अधिक स्पष्टता देखी है। रक्षा पंक्ति में भी हमने बहुत सुधार किया है।

विशेष कर गोलकीपिंग में काफी सुधार हुआ है। हमने सुधार करने के लिए जिन क्षेत्रों की पहचान की थी उन सभी में अच्छी प्रगति हुई है।" भारत को चुनौती पूर्ण ग्रुप में रखा गया है लेकिन कोच को विश्वास है कि उनकी टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उन्होंने कहा, "यह वाकई एक कठिन ग्रुप है। जापान इस स्तर पर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और ऑस्ट्रेलिया भी बहुत मजबूत और शारीरिक रूप से सक्षम है। यह महत्वपूर्ण है कि हम इन विरोधियों का सम्मान करें, लेकिन उनसे डरें नहीं। हम आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहते हैं, हम न केवल बचाव करना चाहते हैं, बल्कि गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखना और खुलकर खेलना भी चाहते हैं।

शांति और सकारात्मकता ही मेरी सबसे बड़ी ताकत : रहाणे

नई दिल्ली, 22 मार्च। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन और टीम में कई बदलाव करने के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कप्तान अजिंक्य रहाणे पर अपना भरोसा बरकरार रखा है, जिन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि वह शांति और सकारात्मकता के साथ जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। रहाणे ने पिछले सत्र में 390 रन बनाए लेकिन उनकी टीम केवल पांच मैच ही जीत पाई और आखिर में आठवें स्थान पर रही। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है और वह सही मानसिकता के साथ चुनौतियों का सामना करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रहाणे ने पत्रकारों से कहा, "हर साल, एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में अलग-अलग चुनौतियां सामने आती हैं। मैंने अपने पूरे सफर में यही सीखा है कि चाहे कितनी भी चुनौतियां क्यों न हों, हर बार सकारात्मक रहना चाहिए।"

पाक लीग में दर्शकों की एंट्री बैन, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी, टूर्नामेंट 2 शहरों में होगा

चीफ बोले- यह खर्च कटौती अभियान का हिस्सा

कराची, 22 मार्च। पाकिस्तान ने खर्च कटौती अभियान के तहत अब पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में दर्शकों की स्टेडियम में एंट्री नहीं होगी। इसके साथ ही टूर्नामेंट के सभी मैच सिर्फ लाहौर और कराची में खेले जाएंगे। 26 मार्च से शुरू होने वाली लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बताया कि इस पर प्रधानमंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया गया। नकवी ने कहा, दरअसल, ईरान जंग के कारण पूरे एशिया में तेल संकट गहरा गया है। कच्चे तेल के रेट दोगुने होने से पाकिस्तान सरकार को पेट्रोल-डीजल महंगा पड़ रहा है, लेकिन सरकार ने इसके मुताबिक रेट नहीं बढ़ाए हैं, जिससे बढ़ी कीमतों का असर सरकारी खजाने पर पड़ रहा है। पहले के मैच 6 शहरों में होने थे, लेकिन अब यात्रा और संसाधनों को कम करने के लिए इसे सिर्फ दो शहरों तक सीमित कर दिया गया है। फैसलाबाद, पेशावर और रावलपिंडी समेत अन्य शहरों में होने वाले मैच रद्द कर दिए गए हैं। नकवी ने पेशावर के लोगों से माफी भी मांगी और भविष्य में वहां मैच कराने का भरोसा दिया। दर्शकों के बिना मैच होने से फ्रेंचाइजी को होने वाले नुकसान की भरपाई करेगा। नकवी ने कहा कि टिकट से होने वाली कमाई फ्रेंचाइजी के लिए अहम होती है, इसलिए बोर्ड इस नुकसान को कम करने की कोशिश करेगा। पहले से खरीदे गए सभी टिकट 72 घंटे के भीतर रिफंड किए जाएंगे। नकवी ने फैंस से इसके लिए माफी भी मांगी। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा के लिहाज से सभी इंतजाम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार हैं और खिलाड़ियों के आने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फ्रेंचाइजी, स्पॉन्सर्स ने भी टूर्नामेंट कराने के फैसले का समर्थन किया है। मोहसिन नकवी ने 2026 के लिए आखिरी वक्त पर पाकिस्तान सुपर लीग छोड़ने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है।

बुमराह के राज को चुनौती, रेस में शमिल हैं 5 गेंदबाज

आईपीएल 2026 पर्पल कैप

नई दिल्ली, 22 मार्च। आईपीएल का नया सीजन शुरू होने से पहले ही गेंदबाजों के बीच पर्पल कैप की रेस को लेकर चर्चा तेज हो गई है, और इस बार भी मुकाबला काफी दिलचस्प रहने वाला है। बता दें कि पर्पल कैप उस गेंदबाज को दी जाती है जो पूरे सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेता है। गौरतलब है कि पिछले सीजन में गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 25 विकेट लेकर यह खिताब अपने नाम किया था, जबकि एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड 32 का है, जिसे ड्वेन ब्रावो और हर्षल पटेल हासिल कर चुके हैं। ऐसे में इस बार कई गेंदबाज इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचने की कोशिश करेंगे।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गुजरात टीम के साई किशोर इस रेस में मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। वहीं बेंगलुरु टीम के जैकब डफी इस बार नए चेहरे के तौर पर

नजर आएंगे। अगर अनुभव की बात करें तो मुंबई के जसप्रीत बुमराह का नाम सबसे ऊपर आता है। बता दें कि बुमराह अपनी सटीक यॉर्कर और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। अगर वे पूरा सीजन खेलते हैं तो पर्पल कैप के सबसे बड़े दावेदार बन सकते हैं। हैदराबाद के ईशान मलिंगा भी इस बार ध्यान खींच रहे हैं। उनकी गेंदबाजी शैली और डेथ ओवरों में विकेट लेने की आदत उन्हें तेजी से आगे बढ़ा सकती है। पिछले सीजन में उन्होंने कम मैचों में ही प्रभाव छोड़ा था।

दिल्ली टीम के लुंगी एनगिडी की बात करें तो वे साझेदारी तोड़ने में माहिर माने जाते हैं। उनकी धीमी गेंद और उछाल भरी गेंदबाजी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है, पंजाब के अर्शदीप सिंह भी इस रेस में पीछे नहीं हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 21 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की थी। कोलकाता के ब्लेसिंग मुजारबानी अपनी लंबाई और उछाल के कारण अलग पहचान रखते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, अगर वे भारतीय परिस्थितियों में जल्दी ढल जाते हैं तो इस सीजन के उभरते सितारे बन सकते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस बार पर्पल कैप की रेस में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है, जहां हर मैच के साथ समीकरण बदलेंगे और छोटे-छोटे प्रदर्शन ही बड़े फर्क तय करेंगे हैं।

सभी जिलों के लिए रजिस्ट्रेशन, बैंक खाता एवं पैन कार्ड अनिवार्य : भनोट

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान एथलेटिक संघ के सभी जिलों की बैठक साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. ललित कुमार भनोट, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के कोषाध्यक्ष स्टैनली जोनस, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन डॉ मधुकांत पाठक की उपस्थिति में संपन्न हुई। राजस्थान एथलेटिक संघ के सचिव देव नारायण गुर्जर, कोषाध्यक्ष कार्तिकेय शर्मा, नागौर संघ के हरिराम चौधरी, चीफ कोच शंकर लाल एवं समस्त जिला सचिवों ने डॉ भनोट का स्वागत किया।

इस बैठक में डॉ भनोट ने सभी जिलों को अपने कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति गंभीरता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिलों को प्रक्रियात्मक एवं तकनीकी रूप से सशक्त करने पर जोर दिया। सभी को संबोधित करते हुए डॉ भनोट ने कहा कि सभी जिलों का रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है, साथ ही सभी जिलों का बैंक खाता और पैन कार्ड होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी जिले अपने जिला स्तरीय कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करें तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से कार्य कर जिले के जमीनी स्तर के खिलाड़ियों तक पहुंच बनाना सुनिश्चित करें, ताकि जिले के प्रत्येक खिलाडी को पर्याप्त अवसर दिया जा सके।

डॉ भनोट ने एथलेटिक्स फेडरेशन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कोचिंग एजुकेशनल प्रोग्राम एवं टेक्निकल ऑफिशियल एजुकेशनल प्रोग्राम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से सभी जिले अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें एवं जिलों में प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षकों एवं ऑफिशियल्स के माध्यम से कार्य करें। उन्होंने ओवरट्रेनिंग एवं एंटी डोपिंग जैसे विषयों पर विशेष रूप से बात करते हुए जिला संघों को कहा कि सभी संघ अपने जिलों में ओवरट्रेनिंग एवं डोपिंग से निपटने के लिए एथलीट्स को जागरूक करें एवं एथलीट्स को भ्रमित करने वाले लोगों से सजग करें।

इस दौरान स्टैनली जोनस, डॉ मधुकांत पाठक एवं राजस्थान ओलम्पिक संघ के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर, ओलंपियन गोपाल सैनी ने भी सभी को संबोधित कर किया। बैठक के दौरान ठाकुरमल शर्मा, देवाराम चौधरी, डॉ रामनिवास, संजय बिश्नोई, कैप्टन उमराव सैनी, गिरिराज सांखला, राकेश शर्मा, पायल परसरामपुरिया, परमेश्वरी चौधरी, हरदेव आर्य, मूलाराम वर्मा, कन्हैया लाल मिश्रा, सिरमोहर गुर्जर, आयशा पठान, ओमपुरी, रज्जाक मोहम्मद, हरेंद्र कुमार, सहित सभी जिला संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

अविनाश के तूफानी शतक से एलिट स्पोर्ट्स जीता, जतिन सैनी का शतक बेकार

जयपुर, 22 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चौथी डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत आज नैना क्रिकेट ग्राउंड जगतपुरा पर खेले गए पूर्व क्वार्टर फाइनल मैच में अविनाश शर्मा 148 रन (62 गेंद, 9चोक्के,14 छक्के) की अविश्वसनीय पारी की मदद से एलिट स्पोर्ट्स अकेडमी ने एस आर अकेडमी को जतिन सैनी 103 रन (59गेंद, 8 चोक्के, 8 छक्के) तथा 4-0-12-2 विकेट के आल राउंड प्रदर्शन के बावजूद नजदीकी मुकाबले में 2 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस आर क्रिकेटअकेडमी ने जतिन सैनी 103 रन, मीत राहुल परीक 45 ने मिलकर पहले विकेट 156 रन 14.1 ओवर में जोड़कर

अच्छी शुरुआत की और निर्धारित 20ओवर में स्कोर 194 रन 7 विकेट खोकर बनाये गेंदबाजी एलिट स्पोर्ट्स की और से सज्जन शर्मा 26/2 विकेट तथा शुभम शर्मा, मनीष शर्मा, विक्रांत खोडा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में एलिट स्पोर्ट्स अकेडमी के अविनाश शर्मा ने तूफानी 148 रन की पारी खेलकर 18.3 ओवर में विजय लक्ष्य 8 विकेट पर 197 रन बनाकर अपनी टीम को 2 विकेट से जीत दिला कर क्वार्टर फाइनल में पहुँचा दिया एस आर अकेडमी की और से हेमंत चौधरी 35/3 विकेट, जतिन सैनी 12/2 विकेट, नयन माली 42/2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे इस मैच का मेन ऑफ द मैच अविनाश शर्मा एलिट स्पोर्ट्स रहे।

आज के दौर में खिलाड़ियों पर पहले से ज्यादा दबाव : संगकारा

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगकारा ने कहा आज के दौर में खिलाड़ियों पर पहले से ज्यादा दबाव है। जब मैं खेलता था, तब सोशल मीडिया का इतना प्रभाव नहीं था। आज खिलाड़ियों पर सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए ही नहीं, बल्कि परिवार, फैंस और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होता है। वहीं युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि अभी तक तो गेंद बाउंड्री तक जा रही है। क्या उन्हें लगता है कि उनकी हर गेंद बाउंड्री के पास जाएगी, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह कहा। यूरोप की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एचएमडी ग्लोबल ने राजस्थान रॉयल्स के साथ साझेदारी को आधिकारिक रूप से लोगों के सामने पेश किया। जयपुर में आयोजित हेलमेट लॉन्च इवेंट में राजस्थान रॉयल्स टीम के कोच कुमार संगकारा सहित बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी,

स्पिनर रवि बिश्नोई और तेज गेंदबाज संदीप शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान लॉन्चिंग मैच भी रखा गया। बैंक्वेट पर पिच बनाई गई, जहां वैभव, संदीप और रवि ने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी भी की। वैभव ने यहां बॉलिंग भी की। राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगकारा ने कहा टीम की पहचान हमेशा से अलग सोच और नवाचार के लिए रही है। वर्ष 2008 से ही फ्रेंचाइजी ने क्रिकेट को अलग तरीके से देखने की कोशिश की है। पिछले कुछ वर्षों में टीम ने एनालिटिक्स और डेटा पर काफी निवेश किया है, ताकि

क्रिकेट को समझने और खेलने के तरीके को बेहतर बनाया जा सके। कोच की या खिलाड़ी की भूमिका पर संगकारा ने कहा एक खिलाड़ी के रूप में काम करना आसान होता है। ट्रेनिंग करो, मैच खेलो और फिर वही प्रक्रिया दोहराते रहो। लेकिन कोच के रूप में जिम्मेदारी अलग होती है। वह अभी कोचिंग में अपेक्षाकृत नए हैं, लेकिन लगातार सीखने की कोशिश करते हैं। उनके लिए खिलाड़ियों के साथ रिश्ते बनाना और विश्वास कायम करना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

अभी तक बॉल बाउंड्री तक ही जा रहा-वैभवी : इवेंट के दौरान युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि उनकी हर गेंद बाउंड्री के पास जाएगी। इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा अभी तक तो गेंद बाउंड्री तक जा रही है। उन्होंने टीम के गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि संदीप शर्मा और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज टीम के लिए बेहद अहम हैं। संदीप शर्मा ने सबसे कठिन गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को सबसे खतरनाक बताया। वहीं रवि बिश्नोई ने भी स्टार्क को बेहद मुश्किल गेंदबाज बताया और साथ ही भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नाम भी लिया। इस अवसर पर एचएमडी इंडिया और एपीएसी के वीपी व सीईओ रवि कुमार ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ तीसरी पारी के लिए साझेदारी जारी रखना उनके लिए घर वापसी जैसा अनुभव है। कंपनी इस बार टीम के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़ी है।

जयपुर जिला क्रिकेट संघ : विमेन ए डिवीजन लीग आज से

जयपुर, 22 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग का आयोजन दिनांक 23 मार्च से के एल सैनी स्टेडियम पर किया जा रहा है। कल उदघाटन मैच यूनियन क्रिकेट क्लब बनाम जयपुर क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेला जाएगा। महिला ए डिवीजन लीग में 6 टीमें राजस्थान यूथ, सुराना क्रिकेट एकेडमी, चंबल स्पोर्ट्स, राजीव गांधी क्लब, यूनियन क्रिकेट क्लब व जयपुर क्रिकेट एकेडमी की टीम भाग ले रही है। प्रत्येक टीम 50 - 50 ओवर के 5 मैच खेलेगी। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर पर महिला ए डिवीजन लीग पहली आधिकारिक प्रतियोगिता है। महिला ए डिवीजन लीग की प्रत्येक टीम में 4 खिलाड़ी जयपुर के बाहर की भी भाग ले रही है। यह प्रतियोगिता जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जायेगी।

कथाएं, उत्सव व त्योहार समाज को सशक्त बनाते हैं - भजनलाल

मुख्यमंत्री ने सपत्नीक श्री शिव महापुराण कथा व मृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में भाग लिया

जयपुर, 22 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मानसरोवर में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा एवं महामृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में सपत्नीक भाग लिया। शर्मा ने शिव महापुराण कथा का श्रवण किया तथा भगवान शिव की आरती की। मुख्यमंत्री ने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा को दुपट्टा ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान शिव साधना, आराधना, उपासना और संयम के प्रतीक हैं तथा वे हमें सिखाते हैं कि माया और मोह से परे रहकर मानवता की रक्षा करना हमारा धर्म है।**

शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में कथाएं, उत्सव और त्योहार समाज को सशक्त करने का काम करते हैं। नवरात्र और नववर्ष के पावन अवसर पर शिव महापुराण कथा का आयोजन शिव और शक्ति के अद्भुत संगम का प्रतीक है। मां दुर्गा की आराधना से जीवन में शक्ति का संचार होता है। वहीं, शिव महापुराण कथा की अमृतवर्षा से मन में शांति और मोक्ष का बोध होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव मृत्युंजय हैं और उनकी आराधना से मनुष्य अकाल मृत्यु पर विजय प्राप्त कर सकता है। शिव भक्ति से बढ़कर कोई कवच नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव साधना, आराधना, उपासना और संयम के प्रतीक हैं तथा वे हमें सिखाते हैं कि माया और मोह से परे रहकर मानवता की रक्षा करना हमारा धर्म है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा की सरल भाषा, गहन शास्त्र ज्ञान और भक्ति-रस से परिपूर्ण कथा शैली ने युवा पीढ़ी को सनातन संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मानसरोवर में श्रीशिव महापुराण कथा एवं महामृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में भाग लिया।

मोदी ने 8931...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेताओं ने इस उपलब्धि को अटूट प्रतिबद्धता और जनसेवा का मील का पत्थर बताया है। 24 वर्षों से अधिक के इस लंबे सफर में उन्होंने एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया। गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, ''यह रिकॉर्ड सेवा, परिश्रम और अटूट प्रतिबद्धता की नींव पर बना है। मोदी के 8,931 दिन राष्ट्र-प्रथम शासन और कार्यों में सत्यनिष्ठा को दर्शाते हैं। उन्होंने बिना छुट्टी लिए राष्ट्र की सेवा की है, यही कारण है कि उन्हें जनता का अभूतपूर्व स्नेह प्राप्त हो रहा है।''

ईरान ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अभी सबसे बड़ा सवाल यह है कि बातचीत किसके जरिए और किस स्तर पर होगी। अमेरिका यह तय कर रहा है कि ईरान में असली फैसला लेने वाला कौन है और कौन सा देश सबसे बेहतर मध्यस्थ होगा। ओमान पहले मध्यस्थ था, लेकिन अब अमेरिका कतर को आगे लाना चाहता है।

केसी त्यागी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे।

इज़रायल ने रविवार को तेहरान पर मिसाइलों से फिर हमला किया

कतर का सैन्य हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण क्रैश हुआ, बचाव अभियान जारी

तेहरान/दोहा, 22 मार्च। इज़रायल ने ईरान के हमले के बाद आज सुबह तेहरान पर मिसाइलों की बौछार कर दी। ईरान द्वारा दक्षिणी इज़रायल के दो कस्बों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद इज़रायल की सेना ने तेहरान पर नए हमले शुरू किए हैं। उधर, कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) बताया कि उसने तेहरान में मौजूद ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए हमलों की एक नई लहर अभी-अभी शुरू की है।

उधर, कतर के अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण कतर का सैन्य हेलीकॉप्टर समुद्र में क्रैश हो गया। अधिकारियों ने माना कि यह हादसा फारसी की खाड़ी में हुआ है। कतर के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि एक नियमित उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण वह कतर के तट के पास क्रैश हो गया। मौके पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि क्रैश के समय हेलीकॉप्टर में कितने लोग सवार थे। उधर, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सेना ने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है। सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट) पर अगर हमला करता है तो वह मध्य-पूर्व में ऊर्जा और जलशोधन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगी।

■ **इज़रायल ने दावा किया कि उसकी मिसाइलों ने तेहरान में ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया।**

ईरान की सेना का यह बयान राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी के जवाब में आया है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को 48 घंटे के अंदर नहीं खोला गया तो वह ईरान के पावर प्लांट को पूरी तरह तबाह कर देंगे।

ईरान ने रविवार...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इज़रायल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा। इज़रायली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान के दक्षिणी हिस्से में हिजबुल्लाह के 9 लड़ाकों को मार गिराया है। सेना के मुताबिक, उनके जवान वहां ग्राउंड ऑपरेशन के लिए तैनात थे। इसी दौरान कुछ हथियारबंद लोग उस इलाके के पास आए। जैसे ही इन लोगों की पहचान हुई, सैनिकों ने तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी। इसके साथ ही एयर फोर्स को भी सूचना दी गई, जिसने ऊपर से हमला किया। जमीन और हवा से की गई इस कार्रवाई में सभी 9 लड़ाके मारे गए। इस पूरे ऑपरेशन में इज़रायली सेना के किसी भी सैनिक को चोट नहीं आई।

सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2021 की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाईकोर्ट के समक्ष यह प्रकरण लेकर पहुंचे कि, आर.पी.एस.सी. ने इस भर्ती परीक्षा में एस.सी.-एस.टी. संवर्ग के लिए वैकेंसी उचित संख्या में नहीं निकाली। हालांकि इन याचिकाओं पर संयुक्त समझौते से निस्तारण कर दिया गया था। परंतु वर्ष 2022 में अदालत ने इस परीक्षा के परिणाम जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस आदेश में अदालत ने अन्य अभ्यर्थियों को छूट दी थी कि, वे अदालत के समक्ष अपनी शिकायतों का आवेदन पेश कर सकते हैं।

इसी बीच डॉ. रचिता माथुर हाईकोर्ट के समक्ष आवेदन लेकर पहुंची और उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवि किरण माथुर ने अदालत को बताया कि, राजस्थान सरकार की कैबिनेट ने आदेश पारित किया है कि भर्ती परीक्षाओं में मैरिट और पारदर्शिता के लिए अधिक से अधिक 10 प्रतिशत अंक इंटरव्यू के माध्यम से दिए जा सकते है। ऐसे में राज्य सरकार के इस फैसले को यहां भी लागू किया जाए। हालांकि डॉ. माथुर के आवेदन पर अदालत ने यह फैसला दिया था कि, आर.पी.एस.सी., कैबिनेट के इस फैसले का सभी परीक्षाओं में लागू करे।

हैरानी की बात है कि, हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भी आर.पी.एस.सी. ने राज्य कैबिनेट के फैसले को ना तो लागू किया और ना ही यह साफ बताया कि, उन्होंने भर्ती परीक्षाओं में किस आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया। एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान आर.पी.एस.सी. ने कहा कि, "जब भी उनकी ओर से स्क्रीनिंग टैस्ट किया जाता है तो 40 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा के, 20 प्रतिशत अकैडमिक तथा शेष 40 प्रतिशत अंक इंटरव्यू के आधार पर दिए जाते हैं। जिन परीक्षाओं में स्क्रीनिंग एग्ज़ाम नहीं होते, वहां 60 प्रतिशत अंक इंटरव्यू तथा 40 प्रतिशत अकैडमिक्स के लिए दिए जाते है।" हालांकि यह दोनों बातें आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रकाशित भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति में कहीं भी अंकित नहीं थी। डॉ. रचिता माथुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह पुष्टि करने के लिए कि, आवेदकों को किस प्रक्रिया के जरिए अंक दिए गए हैं, आर.पी.एस.सी. से पूरा रिकॉर्ड मंगवाया, जो कि केवल अदालत व संबंधित पक्षकारों के समक्ष ही खोला गया था। इस रिकॉर्ड से स्पष्ट हुआ कि, सहायक प्रोफेसर्स की 337 पदों की भर्ती में ब्रॉड और सुपरस्पेशालिटी के 27 विषयों की फैकल्टी के लिए नियुक्ति की जानी थी। इनमें स्किन व वीडी के 3 पद थे, जिन पर 75 आवेदन प्राप्त हुए थे। अदालत ने जब आर.पी.एस.सी. के रिकॉर्ड को देखा तो स्तब्ध रह गई कि, क्योंकि आर.पी.एस.सी. ने इंटरव्यू के दौरान जिस एक्सपर्ट पैनल का गठन किया था, उसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों का नाम और पता अंकित था, परंतु इन सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों को आर.पी.एस.सी. का सलाहकार अथवा सहायक दर्शाया हुआ था। अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची कि, इंटरव्यू लेने के दौरान यह पैनल मौजूद तो था, लेकिन केवल कागज़ी तौर पर। अभ्यर्थियों को अंक देने में इनकी कोई भूमिका नहीं थी।

इससे भी ज्यादा हैरानी का बात थी कि, आर.पी.एस.सी. द्वारा अभ्यर्थियों को दिए गए अंकों का कोई स्पष्ट वर्गीकरण नहीं था, जिससे यह पता लग सके कि किस अभ्यर्थी को किसी परीक्षा अथवा इंटरव्यू में कितने अंक प्राप्त हुए। अदालत ने रिकॉर्ड को देखते हुए कहा कि, आर.पी.एस.सी.द्वारा गठित पैनल के हस्ताक्षर कहीं पर भी अंक देने की शीट में उल्लेखित नहीं है। आर.पी.एस.सी. के रिकॉर्ड से यह भी मालूम नहीं चल रहा कि पैनल ने किस अभ्यर्थी को कितने अंक देने की सिफारिश की है। यह तमाम तथ्य सामने आने के बाद अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि, आर.पी.एस.सी. के रिकॉर्ड से ही यह स्पष्ट हो रहा है कि अभ्यर्थियों को मनमाने ढंग से इंटरव्यू में अंक दिए गए हैं, जबकि राज्य कैबिनेट के निर्णयानुसार अधिक से अधिक मात्र 10 प्रतिशत अंक ही आवंटित किए जा सकते हैं।

अदालत ने कहा कि, ऑपरेशनल थैरेपिस्ट 2022 तथा हॉस्पिटल केयरटेकर-2022 की भर्ती परीक्षाओं में आर.पी.एस.सी. ने इंटरव्यू के जरिए 10 प्रतिशत अधिकतम अंक देने का निर्णय लागू किया है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि इस भर्ती परीक्षा में आर.पी.एस.सी. ने ऐसा क्यों नहीं किया। अदालत ने इन पूरे तथ्यों को देखते हुए डॉ. रचिता माथुर द्वारा दायर सहायक प्रोफेसर (स्किन एवं वीडी) की भर्ती परीक्षा की प्रतिक्रिया को दी गई चुनौती को सही ठहराया और आरपीएससी को आदेश दिए कि वह कैबिनेट द्वारा वर्ष 2022 में दिए गए फैसले को लागू करे। अदालत ने अपने 10 जनवरी 2025 के आदेश में आरपीएससी द्वारा कि गई भर्तियों को भी रद्द कर दिया गया। अदालत ने कहा कि, आर.पी.एस.सी. ने जो रिकॉर्ड पेश किया है, उसकी प्रतिलिपि बनाई जाए और कोर्ट के रिकॉर्ड में भी दर्ज रखी जाए। हैरानी की बात यह है कि, राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश के बाद एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में अभियुक्त मंजू शर्मा और संगीता आर्या ने कोर्ट के समक्ष यह दलील प्रस्तुत की थी कि, उन्हें पेपरलीक और नकल के मामले में चार्टशीट में गलत तथ्यों के साथ फंसाया गया है। जिन आर.पी.एस.सी. सदस्यों ने उनके खिलाफ गवाही दी है, वे स्वयं पेपरलीक के आरोपी है। उन्होंने कहा कि, परीक्षाओं में इतने अभ्यर्थी आते हैं, किस अभ्यर्थी को इंटरव्यू में कितने अंक दिए जाएं, यह आंकलन करना ही असंभव होता है। परंतु डॉ. रचिता माथुर की इस याचिका में आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रस्तुत रिकॉर्ड से स्पष्ट होता है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। क्योंकि रिकॉर्ड के आधार पर आर.पी.एस.सी. अधिकारी अपारदर्शी, गैरकानूनी और मिलीभगत से अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में अंक बांटने का काम कर रहे थे।

पोप ने ईरान...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी चिंता सिर्फ पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में जारी हिंसा और संघर्ष भी उतने ही गंभीर हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता की जरूरत पर जोर दिया। पोप लियो ने सभी से शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की और कहा कि अब समय आ गया है कि युद्ध को खत्म कर बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान निकाला जाए।

मांडवा थानाधिकारा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रही है। सत्यापन में प्रत्येक आरोपी के बदले 5-5 लाख रुपए की मांग सामने आई। जिसके बाद 8 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपियों को 1 लाख रुपए के वास्तविक नोट और 7 लाख रुपए के डमी नोट सहित कुल 8 लाख रुपए लेते हुए धर दबोचा। यह कार्रवाई उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक डॉ. सोनू शेखावत के नेतृत्व में की गई।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908